ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाति, धर्म के आधार पर समाज को बांटने वालों से सावधान रहें: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 27 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-293

केंद्र सरकार ने खोली गोरखालैंड की मांग वाली पुरानी फाइल

वार्ताकार नियुक्त, विधानसभा चुनाव के पहले होगा खेला

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। **पश्चिम** बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले केंद्र सरकार गोरखालैंड राज्य की ऐतिहासक मांग का वारान्यारा कर लेने की तैयारी में है। केंद्र सरकार ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग पहाड़ियों में गोरखा समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह को अपना वार्ताकार (इंटरलोक्यूटर) नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से गोरखा लैंड राज्य की मांग का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

दार्जिलिंग के इंटरलोक्यूटर की नियुक्ति तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के बीच एक नए विवाद का मुद्दा बन गई है। मामला इतना बढ़ गया है कि टीएमसी प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखकर इस नियुक्ति को सहकारी संघवाद की भावना के खिलाफ बताया और इसे रद्द करने की मांग की है। अप्रैल-मई 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा के चुनावों को देखते हुए, अलग गोरखालैंड राज्य का मुद्दा दार्जिलिंग क्षेत्र में एक अलग राजनीतिक समीकरण की स्थिति पैदा करने वाला है।

अलग दार्जिलिंग पहाड़ी क्षेत्र का मुद्दा एक सदी पुराना है, लेकिन यह 1980 के दशक में सुर्खियों में आया। उस समय गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) के नेता सुभाष घीसिंग ने गोरखालैंड शब्द गढ़ा था, जिसका मतलब दार्जिलिंग पहाड़ियों और आस-पास के डुआर्स और तराई क्षेत्रों को मिलाकर एक अलग राज्य बनाना था। सुभाष घीसिंग ने एक जोरदार आंदोलन शुरू किया था। 1988 में दार्जिलिंग पहाड़ियों के कुछ हिस्सों पर शासन करने के लिए दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल (डीजएचसी) नाम की एक सेमी-ऑटोनॉमस बॉडी बनाई गई थी। डीजीएचसी ने 23 साल तक पहाड़ियों पर राज किया। लेकिन 2004 में जब घिसिंग के पूर्व सहयोगी बिमल गुरुंग और कुछ अन्य जीएनएलएफ नेताओं ने अलग होकर एक अलग पार्टी गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) बनाने का फैसला किया, तो गोरखालैंड राज्य की मांग को लेकर आंदोलन फिर से शुरू हो गया। 2011 में दार्जिलिंग पहाड़ियों पर शासन करने के लिए एक और सेमी-ऑटोनॉमस बॉडी

पूर्व डिप्टी एनएसए पंकज कुमार सिंह वार्ताकार (इंटरलोक्यूटर) नियुक्त

गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) बनाई गई। लेकिन अलग राज्य की मांग को लेकर बार-बार झड़पें और मशक्कतें होती ही रहीं।

वर्ष 2013 में, जब कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्लूसी) ने आंध्र प्रदेश से अलग तेलंगाना राज्य बनाने का प्रस्ताव पास किया और इसकी सिफारिश कांग्रेस के ही नेतृत्व वाली तत्कालीन केंद्र सरकार को भेजी, तो जीजेएम ने पहाड़ियों में अपना आंदोलन फिर से शुरू कर दिया। उन्होंने पहाड़ियों में बंद का आह्वान किया, जिसके बाद वहां अर्धसैनिक बल तैनात करना पड़ा। 2017 में टीएमसी के नेतृत्व वाली बंगाल सरकार ने पहाड़ियों के सरकारी स्कूलों में बांग्ला भाषा को अनिवार्य भाषा घोषित किया, तो एक नया आंदोलन शुरू हो गया। यह आंदोलन हिंसक हो गया और पुलिस के साथ झड़पों में 11 प्रदर्शनकारी मारे गए। इस घटना के बाद ही जीजेएम ने 104 दिनों तक दार्जिलिंग बंद का सफल आंदोलन चलाया था।

बहरहाल, गोरखालैंड की मांग वाली फाइल फिर से खोल कर केंद्र सरकार ने इसके लिए अपना वार्ताकार नियुक्त कर दिया है। टीएमसी नेताओं ने वार्ताकार के रूप में पूर्व आईपीएस अफसर पंकज कुमार सिंह की नियुक्ति को आने वाले बंगाल चुनावों से पहले गोरखा वोटरों को लुभाने के लिए एक राजनीतिक हथकंडा बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ममता बनर्जी अपना विरोध जता चुकी हैं। अपने पत्र में ममता ने कहा, मुझे यह जानकर हैरानी और दुख हुआ है कि भारत सरकार ने पंकज कुमार सिंह को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग हिल्स, तराई और डुआर्स इलाकों में गोरखाओं से जुड़े मुद्दों पर बातचीत करने के लिए इंटरलोक्यूटर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पश्चिम बंगाल सरकार से बिना किसी सलाह-मशविरा किए की गई है, जबकि ये मुद्दे सीधे तौर पर गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) के तहत आने वाले इलाके के शासन, शांति और प्रशासनिक स्थिरता से जुड़े हैं, जो पश्चिम बंगाल सरकार के तहत एक ऑटोनॉमस बॉडी है।

ममता ने यह भी कहा कि ऐसा एकतरफा कदम कोऑपरेटिव फेडरलिज्म की भावना के खिलाफ है, जो हमारे संविधान के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है। ममता ने मोदी से अपील की कि वे पश्चिम बंगाल सरकार से पहले और ठीक से सलाह-मशविरा किए बिना जारी किए गए इस आदेश पर फिर से विचार करें और इसे रद्द करें। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कहा, यह नियुक्ति वोट बटोरने की भाजपाई कोशिश है। यह साफ है कि यह विधानसभा चुनावों से पहले दार्जिलिंग और आस-पास के इलाकों के लोगों के वोट पाने की एक और कोशिश है। इस कदम के पीछे भाजपा का हाथ है। पहले भी बातचीत हुई थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। एक बार फिर, भाजपा चुनाव के समय अलग राज्य के मुद्दे को हवा देकर तनाव भड़काने और लोगों को बांटने की कोशिश कर रही है। ▶10पर

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने दिया संकेत

भाषा विवाद छोड़ें संस्कृत अपनाएं

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संस्कृत भाषा की विशालता और महानता को रेखांकित कर गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी भाषा को लेकर किए जा रहे सियासी विवाद पर मनों पानी उड़ेल दिया। संस्कृत ही ऐसी भाषा है, जिस पर न किसी तमिल, तेलुगु या मलयालम भाषी राज्य को ऐतराज होगा और न बांग्ला भाषी क्षेत्रों को। पीएम मोदी ने मन की बात के 127वें एपिसोड में संस्कृत भाषा, भारतीय संस्कृति, विभूतियों को याद किया। साथ ही प्रधानमंत्री ने वंदेमातरम गीत के 150 साल पूरे होने और रवीन्द्रनाथ टैगोर को याद किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर हैशटैग वंदेमातरम-150 के हिट होने की भी जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, संस्कृत का नाम सुनते ही हमारे मन में हमारे धार्मिक ग्रंथ, वेद, उपनिषद, पुराण, शास्त्र, प्राचीन ज्ञान-विज्ञान, अध्यात्म और दर्शन आते हैं। एक समय में, संस्कृत संचार की भाषा भी थी। दुर्भाग्य से, दासता के दौर में और आजादी के बाद भी, संस्कृत लगातार उपेक्षा का शिकार रही है। समय बदल रहा है और

पीएम ने देशवासियों को महापर्व छठ की शुभकामनाएं दीं

वंदेमातरमब राष्ट्रगीत भारतीयों की प्रेरणा का शक्ति-स्रोत है

कोमरम भीम ने हैदराबाद के निजाम की चूलें हिला दी थीं

संस्कृत का भी समय बदल रहा है। अगर आप सोशल मीडिया पर जाएं, तो आपको कई रीलें मिलेंगी जिनमें युवा संस्कृत में और उसके बारे में बात करते नजर आ रहे हैं। कई लोग तो अपने सोशल मीडिया चैनल के जरिए संस्कृत सिखाते भी हैं। ऐसे ही एक युवा हैं भाई यश सालुंड्के। यश की खास बात ये है कि वो कंटेंट क्रिएटर भी हैं और क्रिकेटर भी हैं। संस्कृत में बात करते हुए क्रिकेट खेलने की उनकी रील लोगों ने खूब पसंद की है।

प्रधानमंत्री ने कहा, कमला और जान्हवी बहनों का काम भी शानदार है। ये दोनों बहनें अध्यात्म, दर्शन और संगीत पर कंटेट बनाती हैं। इंस्टाग्राम पर एक और युवा का चैनल है संस्कृत छात्रोहमब। इस चैनल को चलाने वाले युवा-साथी संस्कृत से जुड़ी जानकारियां तो देते ही हैं, वो संस्कृत में हास-परिहास के वीडियो भी बनाते हैं। युवा संस्कृत में ये वीडियो भी खूब पसंद करते हैं। आप में से कई साथियो ने समष्टि के वीडियो भी देखे होंगे। समष्टि संस्कृत में अपने गानों को अलग-अलग तरह से प्रस्तुत करती है। एक और युवा हैं भावेश भीमनाथनी। भावेश संस्कृत श्लोकों, आध्यात्मिक दर्शन और सिद्धांतों के बारे में बात करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भाषा किसी भी सभ्यता के मूल्यों और परंपराओं की वाहक होती है। संस्कृत ने यह कर्तव्य हजारों वर्षों तक निभाया है। यह देखना सुखद है कि अब संस्कृत के लिए भी कुछ युवा अपना कर्तव्य निभा रहे हैं।

भारतीय संस्कृति की चर्चा करते हुए उन्होंने बिहार के महापर्व छठ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा, पूरे देश में इस समय त्यौहारों का उल्लास है। हम सबने कुछ दिन पहले दीपावली मनाई है और अभी बड़ी संख्या में लोग छठ पूजा में व्यस्त हैं। घरों में ठेकुआ बनाया जा रहा है। जगह-जगह घाट सज रहे हैं। बाजारों में रौनक है। हर तरफ श्रद्धा, अपनापन और परंपरा का संगम दिख रहा है। छठ का व्रत रखने वाली महिलाएं जिस समर्पण और निष्ठा से इस पर्व की तैयारी करती हैं वह अपने आप में बहुत प्रेरणादायक है। छठ का महापर्व संस्कृति, प्रकृति और समाज के बीच की गहरी एकता का प्रतिबिंब है। छठ के घाटों पर समाज का हर वर्ग एक साथ खड़ा होता है। ये दृश्य भारत की सामाजिक एकता का सबसे सुंदर उदाहरण है। आप देश और दुनिया के किसी भी कोने में हों, यदि मौका मिले तो छठ उत्सव में जरूर हिस्सा लें। एक अनोखे अनुभव को खुद महसूस करें। मैं छठी मैया को नमन करता हूं। सभी देशवासियों को, विशेषकर बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के लोगों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में ऐसे विषय पर चर्चा की, जिसे उन्होंने भारतवासियों के दिल के बेहद करीब बताया। पीएम मोदी ने कहा, यह विषय है हमारे राष्ट्र गीत का। भारत का राष्ट्र गीत यानि वंदेमातरमब। एक ऐसा गीत, जिसका पहला शब्द ही हमारे हृदय में भावनाओं का उफान ला देता है। वंदेमातरमब... इस एक शब्द में कितने ही भाव हैं, कितनी ऊर्जाएं हैं। सहज भाव में ये हमें मां-भारती के वात्सल्य का अनुभव कराता है। यही हमें मां-भारती की संतानों के रूप में अपने दायित्वों का बोध कराता है। अगर कठिनाई का समय होता है तो वंदेमातरमब का उद्घोष 140 करोड़ भारतीयों को एकता की ऊर्जा से भर देता है। ▶10पर

घुसपैठ और धर्मांतरण के खिलाफ सुलग रहा अरुणाचल

अवैध मस्जिदों के खिलाफ सड़कों पर उतरे युवा

2000 मुस्लिम घुसपैठिए रोजाना कर रहे प्रवेश

इटानगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में घुसपैठ और धर्मांतरण को लेकर व्यापक विरोध सड़कों पर उतर आया है। चीन की सीमा से लगे अरुणाचल में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की घुसपैठ बेकाबू होती जा रही है। यह देश की सुरक्षा के लिए भारी खतरा बनने वाला है। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गेनाइजेशन के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए। इनके हाथों में बांग्लादेशी घुसपैठिए वापस जाओ और अरुणाचल प्रदेश को बचाओ जैसे नारे लिखे पोस्टर थे।

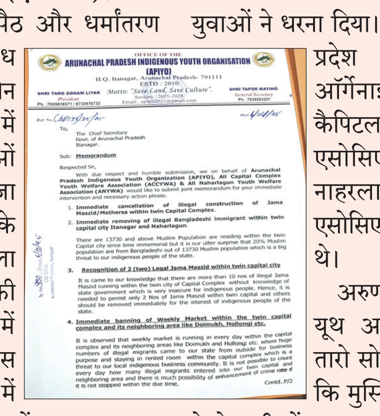

OFFICE OF THE
ARUNACHAL PRADESH INDIGENOUS YOUTH ORGANISATION (APIYO)
H.Q. Itanagar, Arunachal Pradesh- 791111
ESTD : 2010
Motto: "Save Land, Save Culture".

To,
The Chief Secretary
Govt. of Arunachal Pradesh
Itanagar.

Sub: Memorandum

1. Immediate cancellation of illegal construction of Jama Maszid/Mothersa within twin Capital Complex.
2. Immediate removing of illegal Bangladeshi immigrant within twin capital city Itanagar and Naharlagun.
3. Recognition of 2 (two) Legal Jama Maszid within twin capital city
4. Immediate banning of Weekly Market within the twin capital complex and its neighboring area like Doimukh, Hollongi etc.

Contd..P/2

दरअसल, चीन और म्यांमार से सटा अरुणाचल प्रदेश, ईसाई धर्मांतरण और इस्लामी कट्टरपंथियों की घुसपैठ की दोहरी मार झेल रहा है। सड़कों पर उतरे युवा भी इन्हीं इस्लामी कट्टरपंथियों की घुसपैठ से परेशान हैं। इन युवाओं की मांग है कि राजधानी ईटानगर और नाहरलागुन (जिन्हें अरुणाचल प्रदेश की जुड़वां राजधानियां कहा जाता है) में मुस्लिमों ने जमीन पर कब्जा कर अनगिनत मस्जिदें और अन्य इस्लामी धार्मिक स्थल बना लिए हैं जिन्हें तत्काल हटाया जाना चाहिए। युवाओं का विरोध प्रदर्शन आकाशदीप से शुरू होकर आईजी पार्क के पास टेनिस कोर्ट तक पहुंचा जहां सैकड़ों युवाओं ने धरना दिया। इस प्रदर्शन में अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गेनाइजेशन के साथ ऑल कैपिटल कॉम्प्लेक्स यूथ वेलफेयर एसोसिएशन और ऑल नाहरलागुन यूथ वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य भी शामिल थे।

अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष तारो सोनम लियाक का कहना है कि मुस्लिमों की बढ़ती जनसंख्या डेमोग्राफी में बदलाव का मामला तो है ही। इसके अलावा राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक सुरक्षा पर भी इससे गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अरुणाचल प्रदेश में हर दिन अन्य राज्यों या देशों से एक हजार से दो हजार मुस्लिम व्यक्ति इनर लाइन परमिट (आईएलपी) दिखाकर प्रवेश कर रहे हैं। ये लोग आईएलपी दिखाकर घुस जाते हैं लेकिन फिर भीड़ में गायब हो जाते हैं और वापस अपने मूल स्थान पर नहीं लौटते हैं। लियाक का कहना है कि मुस्लिमों की बढ़ती जनसंख्या डेमोग्राफी में बदलाव का मामला तो है ही। इसके अलावा राज्य की सांस्कृतिक और सामाजिक सुरक्षा पर भी इससे गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

लियाक ने आरोप लगाया कि बाहरी लोगों के बढ़ते ठिकानों के कारण ड्रग्स ▶10पर

भारतीय सेना पश्चिमी सीमा पर करेगी साझा युद्धाभ्यास

ऑपरेशन त्रिशूल दिखाएगा भारतीय सेना की ताकत

राजस्थान-गुजरात का हवाई क्षेत्र 10 दिनों तक बंद

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत अपनी तीनों सेनाओं के साथ पश्चिमी सीमा पर एक बड़ा संयुक्त युद्ध अभ्यास करने जा रहा है। संयुक्त अभ्यास का नाम ऑपरेशन त्रिशूल रखा गया है। यह अभ्यास पाकिस्तान के साथ लगने वाली सीमा खासकर राजस्थान और गुजरात के इलाकों में होगा। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक यह अभ्यास चलेगा। इसे देखते हुए सरकार ने राजस्थान-गुजरात के ऊपर वाले हवाई क्षेत्र को 10 दिनों के लिए बंद करते हुए नोटेम जारी किया है। उधर, पाकिस्तान ने भी 28-29 अक्टूबर को अपने मध्य और दक्षिणी हवाई क्षेत्रों में ट्रैफिक रोकने की सूचना दी है। संभव है कि भारतीय सेना के अभ्यास की भनक लगने के कारण ऐसा किया हो। बहरहाल, इसकी कोई

आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

भारतीय सेना ने कहा, यह रुटीन अभ्यास है। हर साल सेनाएं ऐसा साझा अभ्यास करती रहती हैं। लेकिन इस बार यह अलग-अलग इलाकों में आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह के युद्ध ड्रिल पर फोकस करेगा। साझा युद्धाभ्यास की जगह चुनी गई है भारत-पाक बॉर्डर का वेस्टर्न फ्रंटियर, जिसमें राजस्थान-गुजरात शामिल हैं। खासतौर पर सर क्रीक इलाका, जो गुजरात के कच्छ के रण और पाक के सिंध प्रांत के बीच 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय नाला है। यहां रेगिस्तान, नदी-नाले और समुद्री इलाके मिलते हैं। इसका मकसद है सेनाओं को एक साथ जोड़ना, मल्टी-डोमेन यानी कि हवा, जमीन और समुद्र में ऑपरेशन की प्रैक्टिस करना।

साझा अभ्यास में थलसेना की तरफ से 20,000 से ज्यादा जवान उतरेंगे। उनके पास मेन बैटल टैंक, हॉवित्जर तोपें, आर्म्ड हेलीकॉप्टर और कई मिसाइल सिस्टम होंगे। हवा में भारतीय वायुसेना लीड करेगी। राफेल और सुखोई-30एमकेआई जैसे फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स, स्पेशल एयरक्राफ्ट, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, आईएल-78 मिड-एयर रिफ्यूलर और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम वाले प्लेन कई एयरबेस से उड़ान भरेंगे। वायुसेना महागजराज नाम का हाई-टेम्पो ऑपरेशन चलाएगी। नौसेना गुजरात तट पर फ्रिगेट्स और डिस्ट्रॉयर शिप्स भेजेगी, ताकि समुद्री युद्ध की प्रैक्टिस हो सके। इस बार सेना बड़े ▶10पर

रिजर्व बैंक ने लगाए गंभीर आरोप, आर्थिक जगत असहज

एसबीआई चुरा रहा है आर्थिक रिसर्च का डाटा

खुलेआम भिड़े रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक के अर्थशास्त्री

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय स्टेट बैंक पर आर्थिक रिसर्च से जुड़ा डाटा चुराने का गंभीर आरोप लगाया है। आरबीआई और एसबीआई की इस अभद्र भिड़ंत से देश के आर्थिक अनुशासन और प्रबंधन पर गंभीर सवाल हो गया है। देश के मौद्रिक प्राधिकरण रिजर्व बैंक और देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक के अर्थशास्त्रियों का इस तरह सार्वजनिक रूप से भिड़ना अत्यंत निंदनीय है। यह भिड़ंत आर्थिक रिसर्च की एक रिपोर्ट में नकल के मुद्दे पर हुई है। हैरानी की बात यह है कि ये आरोप-प्रत्यारोप सार्वजनिक तौर पर उछाले गए गए हैं। इस मामले

ने देश के दो प्रमुख आर्थिक संस्थानों को असहज कर दिया है।

रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति विभाग के असिस्टेंट जनरल मैनेजर सार्थक गुलाटी ने आरोप लगाया है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिसर्च टीम ने एसबीआई की इकोरैप पब्लिकेशन रिपोर्ट के लिए केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति रिपोर्ट (एमपीआर) के हालिया संस्करण से बिना पूछे डेटा चोरी किया है। सार्थक गुलाटी ने कहा, वित्तीय और आर्थिक पेशेवर होने के नाते हम मौलिकता पर निर्भर होते हैं, लेकिन ये बेहद चिंताजनक है कि स्टेट बैंक की हालिया इकोरैप रिपोर्ट का डेटा रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति रिपोर्ट से जैसा का तैसा नकल कर लिया गया और इसकी इजाजत भी नहीं ली गई।

आरबीआई कानून के तहत मौद्रिक नीति रिपोर्ट हर छह महीने में प्रकाशित होती है। इस रिपोर्ट में महंगाई के कारण और महंगाई को लेकर अगले 6-18 महीनों की भविष्यवाणी की जाती है। सार्थक गुलाटी ने आरोप लगाया कि इस तरह से आर्थिक रिसर्च डेटा की चोरी न सिर्फ पाठकों को गुमराह करेगी बल्कि इससे आर्थिक रिसर्च के स्टैंडर्ड को भी धक्का लगेगा। स्टेट बैंक के अर्थशास्त्री तापस परीदा ने रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्री सार्थक गुलाटी के आरोप को खारिज कर दिया है। हालांकि अभी तक रिजर्व बैंक और स्टेट बैंक की तरफ से इसे लेकर कोई स्पष्टीकरण या आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

एस.पी. रोड हब्बा का भव्य समापन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक महीने तक चले एस.पी. रोड हब्बा 2025 का समापन भव्य और उत्साहपूर्ण समारोह के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स एसोसिएशन (बीईडीए) द्वारा किया गया था, जिसमें अनेक गणमान्य अतिथियों, व्यापारिक नेताओं और सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया।

समापन समारोह में राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया, चलवाडी नारायणस्वामी, विपक्ष के नेता, कर्नाटक विधानसभा, करुणाकर खासले, भाजपा राज्य मीडिया संयोजक और उदय बी. गरुडाचार, विधायक, चिकपेट विधानसभा क्षेत्र, आनंद राव, अध्यक्ष, एसोसिएशन फॉर इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मौजूद थे। अपने संबोधन में लहर सिंह सिरोया ने 1970 के दशक में एस.पी. रोड पर अपने पुराने व्यवसायिक अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा उन दिनों व्यापार करना आज की तुलना में बहुत कठिन था।

अब बाजार बहुत बढ़ चुका है, और विकास के साथ-साथ अवसंरचना से जुड़ी चुनौतियाँ आना स्वाभाविक है। सिरोया ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों को हमेशा सुना जाएगा।

उन्होंने कहा, चाहे कोई भी सरकार हो, मेरा सभी से सौहार्दपूर्ण संबंध है, और मैं आपकी समस्याओं को सुलझाने की पूरी कोशिश करूंगा। उनके इन शब्दों पर उपस्थित लोगों ने तालियों से स्वागत किया। नारायणस्वामी ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे 'वोकल फॉर लोकल' के तहत देशी उत्पादों को बढ़ावा दें और स्थानीय व्यापार का समर्थन करें। उन्होंने बताया कि जीएसटी 2.0 संशोधन से व्यापारियों को बड़ा लाभ मिला है। जहां पहले कर दरें 48 प्रतिशत तक थीं, वहीं अब विभिन्न टैक्स स्लैब कम होकर अनुपालन की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि समारोह में आते समय उन्हें सड़कों की खराब हालत और गड्ढों का सामना करना पड़ा, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। करुणाकर खासले ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा हाल में घोषित जीएसटी सुधारों को देशवासियों के लिए एक सच्चा दिवाली गिफ्ट बताया। उन्होंने विशेष रूप से सीमेंट पर जीएसटी दर को 33 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने को बड़ा राहत कदम बताया, जिससे निर्माण और रियल एस्टेट क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलेगा। गणमान्य अतिथियों का स्वागत और सम्मान बीईडीए सचिव अरुण जैन, अध्यक्ष विशाल वरंदानी तथा उपाध्यक्ष एवं हब्बा चेयरमैन ललित डाकलिया द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एस.पी. रोड हब्बा ने व्यापारी समुदाय में एकता और ऊर्जा का नया संचार भर दिया है। कार्यक्रम के समन्वय में चंद्रकांत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, उदेश राजपुरोहित, किशोर राजपुरोहित, आयोजन सचिव आलोक गांग, संयुक्त सचिव विशाल बोहरा और दिनेश चारन, कोषाध्यक्ष रविंद्र राजपुरोहित, कमलेश बोहरा सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। हब्बा समन्वयक अमित बोरणा, नरेश जैन, धर्माराम, ऋषि राजपुरोहित और सभी समिति सदस्य भी समारोह में मौजूद थे।

भिक्षु प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर द्वारा साध्वी श्री संयम लता जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ धर्म संघ के आद्य प्रवर्तक महामना भिक्षु के त्रिशताब्दी अवसर पर भिक्षु प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आयोजन तेरापंथ भवन विजयनगर में किया गया। साध्वी के मंगल पाठ द्वारा प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। संचालक हर्ष मांडोत एवं प्रिंस मांडोत द्वारा प्रतिभागियों को चार टीम में विभक्त किया गया, जिनका नाम क्रमशः बगड़ी के सुरमा, सिरियारी के सितारे, कंटालिया के धुरंधर, केलवा के महारथी था, टीमों को क्रिकेट के नियमों से भिक्षु के जीवन पर आधारित विभिन्न प्रश्न पूछे गए। प्रथम राउंड में केलवा के महारथी एवं बगड़ी के सुरमा विजेता रही जिनके बीच फाइनल मैच खेला गया, जिसमे केलवा के महारथी इस प्रतियोगिता की विजेता रही। साध्वी संयम लता जी ने कहा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने में श्रम समय एवं संगठन की आवश्यकता होती है। तेयुप एवं किशोर मंडल ने पूरी टीम के साथ अच्छी और सुंदर प्रस्तुति की। ऐसे ही युवा पीढ़ी आध्यात्मिक की सुंदर प्रस्तुति करते रहें। साध्वी मार्दव जी ने कहा प्रतियोगिता धर्म को नए तरीके से प्रस्तुत करने का सरल माध्यम है। ए आई के युग में किशोर आध्यात्मिक के मार्ग पर ऐसे ही आगे बढ़ते रहें। इस प्रतियोगिता को सफलतम संपादित करवाने में साध्वी मार्दव श्री का विशेष मार्गदर्शन रहा। किशोर मंडल संयोजक दर्शन बाबेल, रिदम चावत, हर्ष मंडोत एवं प्रिंस मांडोत का सराहनीय श्रम रहा। साथ ही किशोर मंडल प्रभारी पीयूष ललवानी का सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में विजेता टीम सहित सभी प्रतिभागियों को प्रायोजक मनोहर लाल राकेश, मुकेश बाबेल परिवार द्वारा पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया, प्रबंध मंडल से पवन बैद, अमित नाहटा, महिला मंडल उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया, तेयुप हनुमंत नगर अध्यक्ष स्वरुप चोपडा सहित श्रावक समाज की गरिमामय उपस्थिति रही।

श्री शोभाचंदजी की जन्म जयंती मनाई

ज्ञान प्राप्त करने के लिए स्वस्थ शरीर जरूरी: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सानिध्य में रविवार को आचार्य प्रवर श्री शोभाचंदजी की जन्म जयंती मनाई गई। साथ ही राष्ट्रीय ज्ञान आराधक पुरुस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। गुरुदेव ने फरमाया कि आज ज्ञान पंचमी है। इस दिन का बहुत महत्व होता है। ज्ञान पंचमी का मतलब ज्ञान प्राप्त करना होता है। अगर मनुष्य स्वस्थ नहीं रहेगा तो उसका दिमाग किसी काम में नहीं लगेगा। अगर अस्वस्थ मनुष्य संत के पास भी जाएगा तो भी उसका मन नहीं लगेगा। इसलिए ज्ञान प्राप्त करने के लिए स्वस्थ शरीर बहुत जरूरी होता है। मनुष्य जो याद करता है उसे भले ही भूल जाए। लेकिन लिखी हुई चीज कभी नहीं भूलता है। ज्ञान पंचमी को सूती पंचमी भी कहते हैं। मनुष्य के जीवन में अगर ज्ञान नहीं है तो सब बेकार है। चीजों को आने पर बहुत देर लगती है लेकिन जाने में बिलकुल देर नहीं लगती है।

जहां ज्ञान का अभाव है वहां अज्ञानता से सब बेकार हो जाता है। जहां ज्ञान है वहां मानव ऊंचाइयों पर चलता जाता है। हजारों शास्त्र आज भी हाथ से लिखे हुए हैं। जिसको पढ़ने से बहुत ज्ञान प्राप्त करते हैं। कार्तिक सुदी पंचमी से शुरू हुआ और कार्तिक सुदी पंचमी में यह खत्म हुआ था। इसलिए इसे ज्ञान पंचमी कहते है। ज्ञान सभी के लिए जरूरी होता है। ज्ञान के बिना सब बेकार है। जैसे धागा के साथ सुई आसानी से मिल जाती है। अगर धागा नहीं है तो सुई ढूंढना आसान नहीं होता है। वैसे ही ज्ञान के बिना मनुष्य का जीवन होता है। अगर ज्ञान है तो मानव आसानी से मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। अज्ञानी मनुष्य भवों भव भटकता ही रहता है। जो मनुष्य आगम को मानता है। वह संसार में रह कर अपनी गति को खराब नहीं करता है। ऐसा मानव हर वक्त संसार से पार निकलने का प्रयास करता है।

जीवन का उद्धार करने के लिए जीवन में ज्ञान की ज्योति जलाना बहुत जरूरी होता है। जब तक ज्ञान नहीं होगा जीवन का कल्याण संभव नहीं होगा। गुरुदेव ने प्रवचन में आचार्य प्रवर शोभाचंद जी महाराज साहब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन बहुत ही सामान्य था। उन्होंने अपने गुरुओं की बहुत सेवा की। उनके गुरु 10 साल तक ठाणापति विराजमान रहे। प्रवचन में ही तीर्थंकर महावीर ज्ञान सेवा ट्रस्ट द्वारा दो साहित्य स्वाध्यायी बहनों का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम विजयाबाई कोटेचा के जीवन पर ट्रस्ट के अध्यक्ष रिखबचंद बोहरा ने प्रकाश डाला। उन्होंने कहा विजयाबाई स्वाध्यायी और धार्मिक प्रवृत्ति की महिला है। उसके बाद बैंगलोर की सरोजबाई पूनमिया के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बहुत जगहों पर धार्मिक स्कूल लगाकर बच्चों को धार्मिक संस्कार दिए। ट्रस्ट के महामंत्री डॉक्टर दिलीप कुमार धींग ने अपने वक्तव्य में ट्रस्ट की स्थापना और इसके उद्देश्य के बारे में बताया।

इसका उद्देश्य साहित्य जगत में स्वाध्यायी भाई बहनों का पूरे दक्षिण भारत में ज्यादा से ज्यादा सम्मान करना है। ताकि वह इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा सके। आज के कार्यक्रम के सौजन्य कर्ता शांतिलाल रसालबाई बोहरा चेन्नई रहे। जिनका स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष रिकबचंद बोहरा, महामंत्री दिलीप कुमार धींग, कोषाध्यक्ष महावीर चंद कोठारी ने नगद एवं रजत पट्टिका से किया। श्री सुमतीनाथ सकल जैन संघ यलहंका द्वारा भी दोनों आराधक बहनों का स्वागत एवं अभिनन्दन चुंदड़ी एवं नगद राशि द्वारा संघ के संयोजक नेमीचंद लुकड़, अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी द्वारा किया गया। उसके बाद यलहंका के वर्षीतप आराधिका एम. आशाबाई लुकड़, पुष्पाबाई विनायकिया, एस. आशाबाई लुकड़ का सम्मान चुंदड़ी एवं रजत पदक द्वारा मैनाबाई सुराणा, शान्तिबाई डोसी, संगीता तलेसरा, संगीता लुकड़ ने किया। इस प्रसंग पर कार्याध्यक्ष कांतीलाल तातेड़, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा, उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया। सभा में महावीर चंद्र लुकड़, पन्नालाल कोठारी, सुरेश कुमार लुकड़, गजेश अबानी, प्रकाश चंद मांडोत, महावीर चंद लोढ़ा, चेनराज सुराणा और शांतिलाल बोहरा की विशेष उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। करुणाडु तिलक डॉक्टर विष्णुवर्धन अभिमानी बलागा द्वारा गिरी नगर में आयोजित विष्णुवर्धन अमृत महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विष्णुवर्धन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद करते हुए जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही अन्नदान कार्य में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

प्रत्येक आत्मा में केवलज्ञान की क्षमता : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में ज्ञान पांचम प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि भगवान महावीर के निर्वाण के 980 वर्ष पश्चात आज ही के दिन देवर्दी गणी क्षमा श्रमण के निर्देशन में 32 आगम को लिपिबद्ध करने का कार्य प्रारंभ हुआ था। नंदी सूत्र में 5 ज्ञान का वर्णन है और पांचवें ज्ञानी केवलज्ञानी को तीनों लोक साक्षात् दिखते हैं। इसलिए तीर्थंकर प्रभु को सूर्य से भी ज्यादा प्रकाशक की उपमा दी गई है। प्रत्येक आत्मा में केवलज्ञान की क्षमता है। हमारे ही कर्मों ने उस क्षमता को आवरण से दबा रखा है।

इंदुप्रभा जी ने आगे कहा कि हमे न तो ज्ञान की और न ज्ञानी की निंदा करनी चाहिए तथा ज्ञानियों से द्वेष भावना भी नहीं रखनी चाहिए। ज्ञान सीखने के इच्छुक को ज्ञानियों को अन्तराय नहीं देनी चाहिए और न उनके नाम को छिपाना चाहिए। हम ज्ञानियों से संवाद जरूर करें किंतु झूठा विवाद या परेशान न करें। हमारे पाप वज्र बन जाते हैं जिन्हें तोड़ना हमारे लिए ही बहुत मुश्किल होगा। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि माता पिता के समकक्ष गुरु का उपकार होता है। अज्ञान हमे भटकाता है तो गुरु हमे सही और सच्ची राह दिखाते हैं तथा लक्ष्य देते हैं।

ज्ञान क्षमता बढ़ाने के लिए हम विद्यार्थियों के सहायक बन सकते हैं। जरूरतमंद बच्चों का शिक्षा भार स्वीकार कर या उन्हें आवश्यक सामग्री का सहयोग कर हम उनके सहायक बन सकते हैं। प्रवचन सभा में निपुणप्रभा जी महाराज साहब के सांसारिक भाई मगराज सेठिया और भाभी शर्मिला सेठिया तथा जय गच्छ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रिकबचंद बोहरा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

आत्मा ही कर्ता और आत्मा ही भोगता है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर स्थानक में विराजित साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने रविवार के विशेष प्रवचन में कहा कि जीवन के इस अनमोल अवसर में हम हर दिन बहुत कुछ करते हैं कर्म भी करते हैं, और उनके फल भी भोगते हैं। परंतु क्या कभी ठहरकर हमने सोचा है कि यह सब करने वाला कौन है? भोगने वाला कौन है? ज्ञानी कहते हैं - आत्मा ही कर्ता और आत्मा ही भोगता है। देह केवल साधन है, इंद्रियाँ उपकरण हैं, पर जो इन सबसे परे है वह आत्मा है, चेतन तत्व है।

उन्होंने कहा जब श्रद्धा एक पत्थर को भगवान बना देती है, तो वह श्रद्धा जीवित आत्मा को परमात्मा क्यों नहीं बना सकती? यह प्रश्न हमें भीतर झकझोर देता है। श्रद्धा की सच्ची दिशा भीतर होनी चाहिए , बाहर मूर्तियों में नहीं, अपने भीतर के चेतन स्वरूप में। यह जीवन एक रंगमंच है और हम सब इसके कलाकार हैं। नाटक में कलाकार क्षणिक पात्र निभाकर चला जाता है। उसे मालूम होता है कि यह भूमिका असली नहीं है। पर हम अपनी भूमिकाओं मैं पिता हूँ, मैं व्यापारी हूँ, मैं विद्वान हूँ को असली समझ बैठते हैं। और इसी भ्रांति में आत्मा को भूल जाते हैं। जिस प्रकार रंगमंच के नाटक को देखकर दर्शक को आनंद की अनुभूति होती है, उसी प्रकार क्या हमने अपने आंतरिक रंगमंच पर अपनी आत्मा का दर्शन, आत्मा का अनुभव किया है? अगर नहीं, तो अभी भी अवसर है क्योंकि आत्मा का मार्ग वर्तमान क्षण से ही प्रारंभ होता है। उन्होंने कहा हमारी आत्मा चेतन है। उसमें ज्ञान है, दर्शन है, आनंद है, अनंत शक्ति है। पर हम इस चेतन शक्ति को पहचान ही नहीं पाते। हम बाहर के मिथ्यात्व को छोड़ने का प्रयत्न करते हैं यह संसार मिथ्या है, यह देह मिथ्या है। परंतु असली मिथ्यात्व तो भीतर बैठा है। जहाँ हम अपने ही स्वभाव को भूल जाते हैं। उस भीतर के मिथ्यात्व को मिटाना ही सम्यक दर्शन का आरंभ है। आत्मा के स्वरूप को समझाते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा त्रिकाल सत्य है। आत्मा अतीत, वर्तमान, और भविष्य - तीनों कालों में रहती है। मनुष्य शरीर की अवधि सीमित है जन्म हुआ, वृद्धावस्था आई, मृत्यु होगी। पर आत्मा की कोई अवधि नहीं होती वह अविनाशी है, अनादि है, अनंत है। शरीर का आकार होता है, रंग-रूप होता है। उन्होंने कहा आत्मा ही कर्ता और भोगता है। आत्मा जब कर्ता बनती है जब वह मोह, राग, द्वेष के प्रभाव में कर्मों को बांधती है। वही आत्मा आगे चलकर भोगता बनती है। कर्म का उपार्जन भी आत्मा करती है, और कर्म का भुगतान भी आत्मा को ही करना पड़ता है। कर्म न तो किसी देवता को दिया जा सकता है, न किसी और को सौंपा जा सकता है। जो कर्म हमने बांधा है, उसका फल हमें ही भोगना है। यह प्रकृति का अटल न्याय है। इस अवसर पर चंडीगढ़ से साध्वी उपासना के सांसारिक भाई ज्ञानु प्रसाद पौडेल, शिवप्रसाद पौडेल, नीना पौडेल, दुर्गा पौडेल और मंजू पौडेल का संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। आभार ज्ञापन प्रकाश ने और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

बाबा गंगाराम विराट कल्याण महोत्सव 28 दिसम्बर को

तैयारियों को लेकर हुई चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बाबा गंगाराम सेवा समिति के तत्वावधान में आगामी 28 दिसम्बर को बल्लारी रोड स्थित पैलेस ग्राउंड के प्रिंसेज ग्रीन के सभागार में श्री बाबा गंगाराम विराट कल्याण महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता के निवास पर रविवार को महोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। इस

वर्ष कल्याण महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में अंतरराष्ट्रीय रेत कलाकार नितिन भारती द्वारा बाबा गंगाराम जी के संपूर्ण जीवन पर आधारित गाथा की संगीतमय प्रस्तुति देंगे। कोलकाता के मशहूर भजन गायक नवीन जोशी द्वारा भजनों की मधुर प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही बनारस से गंगा आरती की टीम बेंगलूरु आएगी और गंगा आरती की प्रस्तुति देगी। भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति के सभी सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर गौरी शंकर गुप्ता और सविता गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी भक्तों के सहयोग से ही हर वर्ष महोत्सव का सफल आयोजन हो रहा है ।

इस मौके पर कमल अग्रवाल, सुलोचना अग्रवाल, नरेंद्र गुप्ता, मधु गुप्ता, किशोर अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, भवानी शंकर पारीक, घनश्याम खेतान, संध्या अग्रवाल, निर्मला गोयल, ऋतु गुप्ता, उषा बंसल, सुनील शर्मा, शंकर लाल मोदी, प्रवीण अग्रवाल, विनय खेतान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कीर्तन कार्यक्रम में राम बागड़िया एवं नवीन जोशी कोलकाता के कलाकार उनकी टीम, रेत कलाकार नितेश भारती और बनारस से गंगा आरती की टीम भाग लेंगे।

महोत्सव में आने वाले लोगों के लिए विभिन्न स्थानों से आने-जाने की व्यवस्था की जाएगी। समारोह में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को चालीसा और कैलेंडर का वितरण किया जाएगा।

दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजपुरोहित समाज मैसूरु के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम धर्मगुरु आराध्य संत खेतेश्वर दाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना की गई।

समाज बंधुओं ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। बाद में संरक्षित गायों के चारे पानी की व्यवस्था हेतु आर्थिक सहयोग एकत्रित किया। महिलाओं ने भजनों के माध्यम से खेतेश्वर दात का गुणगान किया। इस मौके पर अध्यक्ष हापू सिंह, उपाध्यक्ष नारायण सिंह, सहसचिव शिव सिंह, कोषाध्यक्ष चंद्रसिंह, सलाहकार समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित, कालू सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

जाति, धर्म के आधार पर समाज को बांटने वालों से सावधान रहें: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने उन लोगों से सावधान रहने की जरूरत पर जोर दिया है जो अपने निहित स्वार्थों के लिए जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। शनिवार रात बेलगावी जिले के कित्तूर में 'कित्तूर उत्सव' के समापन समारोह में एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि जब अंग्रेज भारत आए, तो उन्होंने लोगों को विभाजित किया और पूरे देश पर नियंत्रण करने के लिए उन्हें एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा अब भी ऐसे लोग हैं जो आपको जाति और धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश करते हैं। उनसे सावधान रहें। कित्तूर विद्रोह के इतिहास को याद करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि 'सिपाही विद्रोह' से 33 साल पहले, कित्तूर चेन्नम्मा ने अंग्रेजों को हराया था। उन्होंने याद करते हुए कहा अंग्रेजों को हराकर, उन्होंने कित्तूर के स्वाभिमान की जीत सुनिश्चित की। यह कांग्रेस सरकार थी जिसने 2017 में पहली बार 'कित्तूर उत्सव' आयोजित किया था। उन्होंने कहा जब अंग्रेज भारत आए, तो हमारे अपने लोगों ने उनका समर्थन किया। ऐसे ही लोगों ने रानी चेन्नम्मा और संगोल्ली रायन्ना के खिलाफ साजिश रची। अब भी यह प्रथा जारी है। लोग जाति और धर्म के नाम पर आपको आपस में लड़ाते हैं। उनसे सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव के साफ-सुथरे संचालन के लिए विधायक बाबासाहेब पाटिल और उनकी टीम की सराहना की। इतिहास को याद रखने की जरूरत पर जोर देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि टीपू सुल्तान और हैदर अली दोनों ने अंग्रेजों की नींद हराम कर दी थी। उन्होंने कहा उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ जमकर लड़ाई लड़ी। लेकिन जब सिद्धरामैया इतिहास को याद करते हैं, तो इसे तुष्टिकरण की राजनीति के रूप में पेश किया जाता है। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि जो लोग इतिहास नहीं जानते, वे इतिहास नहीं बना सकते। हमें उनके शब्दों को नहीं भूलना चाहिए। सिद्धरामैया ने सभा को यह भी याद दिलाया कि यह कांग्रेस सरकार ही थी जिसने उस स्थान को राष्ट्रीय स्मारक घोषित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था जहां रानी चेन्नम्मा ने अंतिम सांस ली थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से बेलगावी हवाई अड्डे का नाम कित्तूर रानी चेन्नम्मा के नाम पर रखने की सिफारिश की थी, लेकिन उसने अभी तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। इस मौके पर लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली, विजयानंद कशप्पनवर, एन.एच. कोनारड्डी, और बाबासाहेब पाटिल, विधायक और विभिन्न संत उप-स्थित थे।

बसों में सुरक्षा उपायों की जांच के सख्त निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के परिवहन मंत्री रामलिं-गारेड्डी ने निर्देश दिया है कि कुरनूल के पास हुई बस अग्निकांड के मद्देनजर राज्य के सभी परिवहन संगठनों की बसों में सुरक्षा प्रणालियों की सख्ती से जांच की जानी चाहिए। कुरनूल बस हादसा बहुत दुखद घटना है। भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस पृष्ठभूमि में आवश्यक सावधानियां भी बरती जानी चाहिए। इससे पहले जब वह परिवहन मंत्री थे तब भी हावेरी के पास एक निजी बस में आग लगने से कुछ यात्रियों की जान चली गयी थी। उस अवसर पर उन्होंने कहा, परिवहन एजेंसी की बसों, अनुबंधित गैरेज बसों, निजी पर्यटक बसों, टेम्पो ट्रैवलर्स, स्कूल वाहनों सहित लगभग 50,000 वाहनों में आपातकालीन निकास द्वार अनिवार्य रूप से स्थापित करने और दरवाजों की उचित

कार्यप्रणाली की जांच करने के लिए एक विशेष अभियान के कारण, कई बसों में अंतराल देखा गया और आपातकालीन निकास द्वार की स्थापना अनिवार्य हो गई। बसों में कोई भी व्यावसायिक सामान एवं सामान ले जाते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि ज्वलनशील एवं विस्फोटक पदार्थ न ले जाएं। आपातकालीन स्थिति में खिड़कियों को तोड़ने में मदद के लिए सभी एसी बसों में हथौड़े अनिवार्य होने चाहिए। किसी भी व्यक्ति को बैगेज होल्ड में सोने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बसों के नवीनीकरण के दौरान निरीक्षण का पालन करना अनिवार्य है। यदि कोई कमी पाई जाए तो संबंधित के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। यात्री सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। जानमाल के नुकसान की किसी भी तरह से भरपाई नहीं की जा सकती। हालांकि, उन्होंने केएसआरटीसी, बीएमटीसी, उत्तर पश्चिमी सड़क परिवहन, कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशकों और परिवहन विभाग के सुरक्षा विभाग के आयुक्त को बसों की सुरक्षा की जांच के लिए तुरंत टीमें गठित करने का निर्देश दिया है।

माला फेरने का भी अपना एक प्रभाव: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने ज्ञान पंचमी की आराधना कराते हुए कहा कि माला फेरने का भी अपना एक प्रभाव है। माला फेरने से हमारी बुद्धि तक शुद्ध हो जाती है। प्रेम से माला पर जाप करने वाले के ना केवल ताप कटते है बल्कि संताप मिट जाते है और पाप करने वाली विचारधारा का नाश हो जाता है। पूरे दिन प्रभु स्मरण चलता रहे मगर माला पर जप का अपना महत्व है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे एक हाथ में माला है तो हम दूसरे हाथ से कभी भी पाप नहीं कर सकते। जब तक माला हमारे हाथों में रहेगी कम से कम तक तब वह हमे वह सब कुछ नहीं करने देगी जो हम चाहते हैं। वह माला के प्रति हमारी धारणा, निष्ठा और विश्वास का ही प्रतिफल है कि वह मौन रहकर भी हमें अनुशासित करती है। साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि विचलित होने पर ही हम ईश्वर के सर्वाधिक निकट होते हैं। इन संघर्षों के बीच भी जो मुख पर सदैव मुस्कान रखता है, वही वास्तव में पूर्ण मनुष्य है। ईश्वर केवल उसी की परीक्षा लेता है, जो परीक्षा देने के योग्य होता है, तो हम क्यों विचलित होते हैं। संजय पोरवाल ने बताया कि पुणे से जयंतीलाल ओसवाल, सचिन ओसवाल, निकिता ओसवाल, बेंगलूरु से प्रवीण भंसाली, राखी भंसाली, समृद्ध सक्षम भंसाली, हैदराबाद से प्रीतम जैन, रतन जैन का सम्मान सुरेश पोरवाल अशोक जैन रिंकु जैन मधु संघवी आदि ने किया।

बेंगलूरु का भविष्य राजनीतिक अहंकार के टकराव से नहीं

सतत विकास के लिए साझा दृष्टिकोण से आकार ले सकता है: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जिन्होंने हालही में बेंगलूरु की सुरंग परियोजना का बचाव किया और सूर्या को ''एकखाली बर्तन'' कहा, पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या नेशनिवार को कहा कि बेंगलूरु का भविष्य राजनीतिक अहंकार के टकराव से नहीं,बल्कि सतत विकास के लिए साझा दृष्टिकोण से आकार ले सकता है। सूर्या नेकहा कि उनका विरोध शहर की दीर्घकालिक भलाई की चिंता में निहित है।उन्होंने संवाददाताओं से कहा, सुरंग सड़क के प्रति हमारा विरोध सिर्फ लालबागऔर सैंकी टैंक को होने वाले नुकसान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहरको होने वाले नुकसान तक सीमित है। यह परियोजना बेंगलूरु में यातायात कोऔर बिगाड़ देगी और मूल मुद्दे, यानी निजी वाहनों को कम करना औरसार्वजनिक परिवहन को बढ़ाना, का समाधान नहीं करेगी। टकराव केबजाय सहयोग का आह्वान करते हुए सूर्या ने कहा डीके शिवकुमार और तेजस्वीसूर्या के बीच अहंकार की लड़ाई से बेंगलूरु को कोई फायदा नहीं होगा। आज बेंगलूरु को एक व्यापक शहरी गतिशीलता योजना की आवश्यकता है। हमेंशहर में लंबित फ्लाईओवर के पूरा होने पर कोई आपत्ति नहीं है। हमारीआपत्ति केवल सुरंग सड़क पर है क्योंकि इससे समस्या का समाधान नहीं होगा।यह जनता के पैसे की बर्बादी होगी। शिवकुमार के निजी कटाक्ष का जवाबदेते हुए, सूर्या ने कहा कि वह नाम-गाली का सहारा नहीं लेंगे। सूर्या ने कहा शहरको द्विदलीय नेतृत्व और परिपक्व राजनीतिक नेतृत्व की जरूरत है। मेरे लिए भीनाम-गाली देना बहुत आसान है, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता।

मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर बेंगलूरु को दुनिया के सबसे रहने योग्य शहरों में से एक बनासकते हैं। यही हमारा विजन होना चाहिए। इससे पहले भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के सांसद और अधिवक्ता तेजस्वी सूर्या कर्नाटक उच्च न्यायालय में पेश हुए,उन्होंने बेंगलूरु के लालबाग रॉक में प्रस्तावित टनल रोड परियोजना कोचुनौती देने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) में अभिनेता प्रकाश बेलावाड़ीका प्रतिनिधित्व किया।याचिकामें परियोजना के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) की कमी और बेंगलूरु महानगर भूमि परिवहन प्राधिकरण (बीएमएलटीए) के साथ परामर्श के अभाव पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को लेकर,खासकर ऐतिहासिक लालबाग रॉक के नीचे से गुजरने वाली सुरंग के संरेखण कोलेकर चिंता जताई गई है। उन्होंने यह भी आगाह किया कि प्रस्तावित संरेखण के कारण 3,000 मिलियन वर्ष पुरानी लालबागचट्टान, जिसे राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक स्मारक के रूप में मान्यता प्राप्त है, गंभीरखतरे का सामना कर रही है। सूर्या ने पहले इस परियोजना को ''दिनके समय की लूट'' कहा था और आरोप लगाया था कि यह रियलएस्टेट हितों से प्रेरित है, और उन्होंने कहा था कि डीपीआर में एक वाणिज्यिक परिसर भी शामिल है। कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश केसमक्ष पेश होते हुए, सूर्या ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना के तहतऐतिहासिक लालबाग बॉटनिकल गार्डन के भीतर लगभग 6.5 एकड़ जमीन काअधिग्रहण किया जाएगा, जिससे प्राचीन लालबाग रॉक, जो एक संरक्षित भूवैज्ञानिक स्मारकहै, को खतरा होगा। उन्होंने दावा किया कि इस क्षेत्र में आम लोगों की पहुँचपहले ही प्रतिबंधित कर दी गई है। उत्तराखंड सुरंग आपदा का हवाला देते हुएसूर्या ने किसी भी सुरंग निर्माण कार्य को शुरू करने से पहले व्यापक सुरक्षा समीक्षाकी मांग की। कर्नाटक के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विभु बाखरू और न्यायमूर्तिसीएम पूनाचा की पीठ ने आश्वासन दिया कि इस मुद्दे की विस्तार से जांच की जाएगी और राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त सरकारी अधिवक्ता (एजीए) को परियोजना सेजुड़े पेड़ों की कटाई के प्रस्ताव के बारे में जानकारी प्रदान करनेका निर्देश दिया।

नागरिक चुनावों की संभावना के साथ जनता दल ने अपनी तैयारी तेज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आने वाले महीनों में ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) सीमा के तहत नवगठित पांच नगर निगमों के लिए नागरिक चुनावों की संभावना के साथ,जनता दल (सेक्युलर) ने अपनी तैयारी तेज कर दी है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को चुनाव से पहले संगठनात्मक कार्यों और समन्वय की निगरानी के लिए विधायकों, पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं कीएक संचालन समिति के गठन की घोषणा की। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पैनल में अरकलगुड विधायक ए मंजू, एम.टी. कृष्णप्पा, तुरुवेकेरे विधायक, एमएलसीटी.ए. श्रवण और टी.एन. जावरयी गौड़ा, युवा जद(एस) की राज्य इकाईके अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी, पूर्व उप सभापति एम. कृष्णा रेड्डी, पूर्व विधायक सुरेश गौड़ा और ए. मंजूनाथ, बेंगलूरु शहर इकाई के अध्यक्ष एच.एम. रमेशगौड़ा और पूर्व एमएलसी के.ए. तिप्पेस्वामी शामिल हैं।

समिति को नवगठित नगर निगमों में वार्ड-स्तरीय संगठनात्मक इकाइयों की स्थापना औरपार्टी के आधार को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन स्थानीय इकाइयों में वरिष्ठ नेता, पूर्व नगर सेवक और पिछला विधानसभा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार शामिल होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुमार स्वामी ने पैनल को एनडीए ब्लॉक में गठबंधन सहयोगियों के साथ समन्वय औरसीट-बंटवारे की योजना तैयार करने और प्रत्येक नागरिक निकाय के लिए उपयुक्त चुनाव रणनीति तैयार करने का भी निर्देश दिया है।

छठ पूजा की तैयारी शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नव युवक मंगल दल समिति, दासरहल्ली के तत्वावधान में रचना हल्ली लेक, एच ए फार्म पोस्ट में सामूहिक छठ पूजा मनाने की पूरी तैयारी हो चुकी है। समिति अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, सचिव दीनदयाल यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे एवं कोषाध्यक्ष राजू यादव ने सभी व्रती एवं श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि इस तैयारी का लाभ लें एवं समिति के सभी सदस्यों को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। सोमवार शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया जायेगा एवं मंगलवार अल सुबह उगते हुए सूर्य नारायण को अर्घ्य प्रदान किया जायेगा। श्रद्धा के इस शैलाब को व्यवस्थित करने की पूरी तैयारी हो चुकी है।

महिला की हत्या कर शव को लावारिस ऑटोरिक्शा में फेंका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर में एक 35 वर्षीय महिला की कथित तौर पर उसके पुरुष मित्र ने पीट-पीटकर हत्या कर दी, जिसने बाद में उसके शव को बेंगलूरु के तिलक नगर में पुलिस स्टेशन से कुछ गज की दूरी पर एक परित्यक्त ऑटोरिक्शा में फेंक दिया।

हत्या का खुलासा तब हुआ जब शनिवार शाम कुछ राहगीरों ने शव देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जांच से पता चला कि मृतक की पहचान सलमा के रूप में हुई है, जो अपने चार बच्चों के साथ रहने वाली एक विधवा थी और घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी।

शुरुआती जांच के मुताबिक, उसके कपड़ा फैक्ट्री के कर्मचारी सुब्रमणि के साथ संबंध थे। सलमा के बच्चों ने कथित तौर पर उसे शुक्रवार की देर रात सुब्रमणि के साथ बाहर जाते देखा था। इससे पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिली। पुलिस ने घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की है और पाया है कि दोनों के बीच किसी मुद्दे पर बहस हुई थी, जिसके बाद सुब्रमणि ने उस पर एक कुंद हथियार से हमला किया। इस झटके से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जिसके बाद सुब्रमणि ने कथित तौर पर अपने दोस्त सेंथिल, जो एक दिहाड़ी मजदूर था, की मदद मांगी, ताकि शव को कपड़े में लपेटा जा सके और मौके से भागने से पहले उसे एक लावारिस ऑटो में फेंक दिया जा सके। पुलिस ने मिले सबूतों की पुष्टि के लिए सीसीटीवी फुटेज जुटाए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सुब्रमणि और सेंथिल की तलाश शुरू कर दी है जो फिलहाल फरार हैं।

कथित तौर पर धार्मिक घृणा भड़काने का मामला

कल्लडका प्रभाकर भट्ट के खिलाफ मामला दर्ज

पुत्तूर/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां उप्पालिगे में आयोजित दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर धार्मिक घृणा भड़काने वाला, महिलाओं की गरिमा का अपमान करने वाला और सार्वजनिक शांति के लिए खतरा पैदा करने वाला भाषण देने के आरोप में आरएसएस प्रतिनिधि कल्लडका प्रभाकर भट्ट के खिलाफ

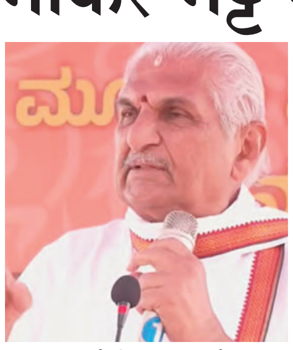

मामला दर्ज किया गया है। पुत्तूर तालुक के निवासी ईश्वरी पद्मुंजा द्वारा दायर की गई शिकायत के अनुसार, भट्ट ने हिंदू और मुस्लिम समुदायों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की, उनकी जनसंख्या संख्या का इस तरह से जिक्र किया जिससे धार्मिक शत्रुता भड़क सकती थी। शिकायत में कहा गया है कि यह भाषण कथित तौर पर एक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किया गया था। इस शिकायत के आधार पर, पुत्तूर ग्रामीण पुलिस स्टेशन ने 25 अक्टूबर को अपराध संख्या 118/2025 के तहत प्रभाकर भट्ट और कार्यक्रम आयोजकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 79, 196, 299, 302 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया।

अरब सागर में 11 दिन से नाव में फंसे 31 लोगों को बचाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने अरब सागर में फंसे 31 मछुआरों की जान बचाई है। ये मछुआरे 11 दिनों से नाव में फंसे हुए थे। नाव के स्टीयरिंग गियर में अचानक खराबी के चलते और खराब मौसम की वजह से अरब सागर में काफी दूर तक बहती चली गई थी।

आईसीजी के मुताबिक, भारतीय तटरक्षक मुख्यालय संख्या 3 (कर्नाटक) को 24 अक्तूबर को गोवा की मछली पकड़ने वाली भारतीय नाव (आईएफबी) संत एंटोन-ख के लापता होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही आईसीजी ने एक खोज और बचाव (एसएआर) अभियान शुरू किया। इस नाव को आखिरी बार न्यू मैंगलोर से लगभग 100 समुद्री मील दूर होने की सूचना मिली थी। आईसीजी ने पहले से ही नियमित गश्त कर रहे आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती पोत को आखिरी बार देखी गई संकटग्रस्त नाव की जगह की तरफ रवाना कर दिया। इसके साथ ही, कोच्चि से एक तटरक्षक डोर्नियर विमान लापता नाव का पता लगाने भेजा गया।

तटरक्षक बल ने एकीकृत परिचालन केंद्र और वास्तविक समय के मौसम संबंधी आंकड़ों से नाव के संभावित बहाव की योजना बनाकर गश्ती जहाज को उस तरफ रवाना किया। इस बीच डोर्नियर विमान ने इस नाव को अरब सागर में खोज निकाला और आईसीजीएस कस्तूरबा गांधी गश्ती जहाज ने नाव के पास पहुंचकर रसद सहायता, क्षति का आकलन, स्टीयरिंग सिस्टम की मौके पर मरम्मत की। इसके बाद आईसीजी तटरक्षक जहाज ने इस संकटग्रस्त आईएफबी संत एंटोन-ख को एक अन्य आईएफबी को सौंप दिया ताकि उसे सुरक्षित तरीके मछली पकड़ने वाले बंदरगाह होन्नावर तक ले जाया जा सके।

राज्य का दर्जा पाने के लिए हम लड़ते रहेंगे: सीएम उमर

जम्मू, 26 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेकां ने अनुच्छेद 370 के मुद्दे को जिंदा रखा है और विधानसभा में पारित प्रस्ताव भविष्य में किसी भी बातचीत का आधार है। टीवी चैनल इंडिया टुडे को दिए एक स्पष्ट और विस्तृत साक्षात्कार में, उमर ने कहा कि हमने हमेशा कहा है कि अनुच्छेद 370 के मुद्दे को हम सक्रिय रखेंगे, और हमने ऐसा किया भी है। हमने विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जो ज्यादातर लोगों की धारणा के विपरीत था। वह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया था। उसे कूड़ेदान में नहीं फेंका गया, न ही खारिज किया गया। लेकिन जिस सरकार ने इसे हमसे छीन लिया, उसी सरकार से इसे बहाल करने के लिए कहना लोगों को बेवकूफ बनाना होगा और मैं इसके लिए तैयार नहीं हूं।

उमर अब्दुल्ला ने प्रस्ताव को भविष्य की किसी भी बातचीत का नमूना बताते हुए स्पष्ट किया कि वर्तमान केंद्र सरकार के तहत अनुच्छेद 370 को बहाल करना संभव नहीं है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि यह सरकार हमेशा के लिए नहीं है इसे दूसरी सरकार द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। हमने जो प्रस्ताव पारित किया है, वह भविष्य की किसी भी चर्चा का नमूना है। पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग पर बात करते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार ने केंद्र और सार्वजनिक मंचों पर लगातार और खुले तौर पर इस मुद्दे को उठाया है।

हमें उम्मीद थी सिर्फ उम्मीद ही नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि यह कहना भी सही होगा कि हमें उम्मीद थी कि अब तक राज्य का दर्जा बहाल हो जाएगा। ऐसा कोई मौका नहीं आया जब हमने राज्य के दर्जे पर बात न की हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की उपस्थिति में आयोजित तीन सार्वजनिक समारोहों और उनकी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग उठाई गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम इस मुद्दे पर न तो नरम पड़े हैं और न ही चुप।

हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों के नतीजों पर, जहां नेकां ने चार में से तीन सीटें हासिल कीं, अब्दुल्ला ने कहा कि वह संतुष्ट हैं, लेकिन निराश भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि चौथी सीट जीतना हमेशा मुश्किल होता। मुझे निराशा है कि जिन लोगों ने समर्थन का वादा किया था, वे उससे मुकर गए, लेकिन यह उनके और उनकी अंतरात्मा के बीच का मामला है। उन्होंने बताया कि अगर कांग्रेस उस सीट पर चुनाव लड़ती तो हमारे लिए जीतना आसान होता। वैचारिक रूप से, कुछ लोग नेकां के खिलाफ हैं, और उनके लिए कांग्रेस को वोट देना आसान होता। मैंने कांग्रेस महासचिव को स्पष्ट कर दिया था कि सदन में छह विधायकों के साथ, आप हमसे सुरक्षित सीट नहीं मांग सकते। हम ऐसी पार्टी हैं जो किसी तर्क से सहमत होने पर त्याग करने को तैयार रहती है।

ऐतिहासिक तुलना करते हुए, उमर अब्दुल्ला ने 2015 के राज्यसभा चुनावों को याद किया, जब नेकां ने गुलाम नबी आजाद को विपक्ष के नेता के रूप में बने रहने देने के लिए कांग्रेस को रास्ता दिया था। वह सीट नेकां को मिलनी चाहिए थी, मेरे पिता को राज्यसभा जाना चाहिए था।

लेकिन कांग्रेस ने हमसे अपील की कि वे आजाद साहब को भेजना चाहते हैं – और हम मान गए। अपनी सरकार के अड़ियल होने की आलोचना का जवाब देते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि उनके प्रशासन के रिकार्ड का पूरे संदर्भ में मूल्यांकन किया जाना चाहिए। मैं विनम्रतापूर्वक असहमत हूं। यह एक कठिन वर्ष रहा है – हमारे यहां पहलगाम हमला हुआ है, बाढ़ आई है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हमने कोई कार्रवाई नहीं की है। हमारा घोषणापत्र पांच साल के लिए है। कोई भी इसे एक साल में पूरा नहीं कर सकता। जब हम अपना कार्यकाल पूरा करेंगे, तो मैं आपको बताऊंगा कि हमने क्या हासिल किया है।

औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम हुआ छत्रपति संभाजीनगर

दक्षिण मध्य रेलवे ने किया ऐलान

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण मध्य रेलवे ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए औरंगाबाद रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन कर दिया है। यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू हो गया है। रेलवे ने बताया कि यह नाम परिवर्तन औपचारिक रूप से लागू कर दिया गया है और स्टेशन के सभी साइनबोर्ड, टिकट, घोषणाएं और डिजिटल सिस्टम में नया नाम अपडेट किया जा रहा है।

आधिकारिक नोटिस में लिखा है कि प्राधिकृत अधिकारी द्वारा औरंगाबाद रेलवे स्टेशन कोड, दक्षिण मध्य रेलवे का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर रेलवे स्टेशन करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्टेशन का नया स्टेशन कोड सीपीएसएन होगा। रेलवे के मुताबिक, यह फैसला महाराष्ट्र सरकार की अनुशंसा और गृह मंत्रालय की स्वीकृति के बाद लिया गया। स्टेशन का नया नाम छत्रपति संभाजीनगर मराठा योद्धा छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से रखा गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस बदलाव के बाद यात्रियों को स्टेशन से जुड़ी सभी सूचनाएं और टिकटें नए नाम से जारी होंगी। एक अधिकारी ने कहा रेलवे ने सभी जरूरी प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं। अब सभी प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की घोषणाओं में स्टेशन का नाम छत्रपति संभाजीनगर सुनाई देगा।

इससे पहले, केंद्र सरकार ने 2022 में औरंगाबाद शहर का नाम भी छत्रपति संभाजीनगर करने की मंजूरी दी थी। अब रेलवे स्टेशन के नाम परिवर्तन के साथ यह प्रक्रिया पूरी हो गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने विगत 15 अक्टूबर को इसका नाम बदलने का गजट नोटिफिकेशन जारी किया था। तीन साल पहले तत्कालीन सरकार ने औरंगाबाद शहर का नाम छत्रपति संभाजीनगर किया था। ये फैसला छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र और मराठा राज्य के दूसरे शासक छत्रपति संभाजी के सम्मान में लिया गया।

औरंगाबाद का नाम पहले मुगल सम्राट औरंगजेब के नाम पर रखा गया था। इतिहासकारों के मुताबिक औरंगाबाद रेलवे स्टेशन 1900 में हैदराबाद के सातवें निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में खोला गया था। छत्रपति संभाजीनगर एक पर्यटन केंद्र है और अजंता और एलोरा की गुफाओं सहित कई ऐतिहासिक स्मारकों से घिरा हुआ है, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की इकाई- यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल का दर्जा दिया है।

भारत में एशिया-प्रशांत विमानन दुर्घटना जांच समूह की बैठक 28 से

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानन क्षेत्र के एशिया प्रशांत दुर्घटना जाँच समूह (एपीएसी-एआईजी) की चार दिवसीय बैठक 28 अक्टूबर से भारत में आयोजित होगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) 28 से 31 अक्टूबर 2025 तक इस बैठक और कार्यशाला का आयोजन करेगा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू करेंगे।

एपीएसी-एआईजी की वार्षिक बैठक भारत में पहली बार हो रही है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के सदस्य देशों सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लगभग 90 प्रतिनिधि भाग लेंगे। बैठक में विमान दुर्घटना जांच की प्रक्रियाओं, रिपोर्टिंग और सहयोग बढ़ाने पर विचार किया जाएगा ताकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में जांच क्षमता को मजबूत किया जा सके।

कार्यशाला 28-29 अक्टूबर को होगी, जिसमें एएआईबी, डीजीसीए अधिकारियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल होंगे। 30-31 अक्टूबर को खुद-ज सदस्य देशों के प्रतिनिधि पर चर्चा जारी रखेंगे।

महाराष्ट्र में महिला डॉक्टर आत्महत्या पर राहुल गांधी का आरोप

भ्रष्ट सत्ता व अपराधी गठजोड़ जिम्मेदार

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में महिला डॉक्टर की आत्महत्या को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि एक होनहार चिकित्सक भ्रष्ट सत्ता और तंत्र में बैठे अपराधियों के गठजोड़ की शिकार हो गई है। श्री गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि सतारा में मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न के कारण एक डॉक्टर द्वारा आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज की आत्मा को झकझोर देने वाली त्रासदी है। उन्होंने कहा - यह आत्महत्या नहीं, संस्थागत हत्या है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि जब सत्ता अपराधियों की ढाल बन जाए तो न्याय की उम्मीद किससे की जाए। यह घटना भाजपा सरकार के अमानवीय और संवेदनहीन चेहरे को उजागर करती है।

गौरतलब है कि सतारा के फलटण स्थित जिला अस्पताल की इस महिला डॉक्टर ने आत्महत्या से पहले अपने हाथ पर एक पुलिस उप-निरीक्षक और एक अन्य व्यक्ति का नाम लिखा था।

छठ पर्व पर 12 हजार ट्रेन चलाने के ऐलान पर कांग्रेस ने सरकार से पूछे सवाल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने छठ पर्व के दौरान रेल मंत्रालय द्वारा 12 हजार ट्रेनें चलाने की घोषणा पर सरकार को घेरा है। कांग्रेस सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव डींगे हाँक रहे हैं कि त्यौहार पर 12,000 ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि लोग अब भी भीड़भाड़ वाले डिब्बों में भेड़-बकरी की तरह सफर को मजबूर हैं। उन्होंने रेल मंत्री को रील मंत्री बताते हुए कहा कि वे एसी यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल जारी करने में व्यस्त हैं जबकि आम जनता को कोई राहत नहीं। श्रीमती श्रीनेत ने कहा कि सरकार को लफ़्फ़ाज़ी से ऊपर उठकर जनता की यात्रा सुविधा सुनिश्चित करनी चाहिए थी।

नीतीश सरकार ने सुरक्षा के लिए छठ घाटों पर कार्बाइड गन और पटाखों पर लगाया प्रतिबंध

सभी जिलों को भेजा निर्देश

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को छठ घाटों पर कार्बाइड गन और पटाखों के इस्तेमाल, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। विभाग ने कहा है कि ये वस्तुएं पर्यावरण के लिए खतरा पैदा करती हैं और श्रद्धालुओं, खासकर बच्चों की आँखों को गंभीर चोट पहुँचा सकती हैं। मुख्य सचिव द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, जिला मजिस्ट्रेटों को कार्बाइड बंदूकों से जुड़ी किसी भी गतिविधि को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए।

अधिकारियों को छठ पर्व के दौरान घाटों पर उचित भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और प्रशासन को सतर्क रहने और सभी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त उत्सव सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गुरुवार को जारी किए गए उस प्रतिबंधात्मक निर्देश के बाद आया है जिसमें कैल्शियम कार्बाइड गन या देसी पटाखा गन की बिक्री, खरीद और निर्माण पर प्रतिबंध लगाया गया था।

यह कदम हाल ही में दिवाली समारोह के दौरान राज्य भर में लगभग 300 लोगों की आंखों में गंभीर चोटें आने के बाद उठाया गया है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जारी यह आदेश मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में कार्बाइड गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाता है।

आधिकारिक आदेश के अनुसार, व्यक्तियों, संगठनों और व्यापारियों को प्रतिबंधित पटाखों, आतिशबाज़ी या कार्बाइड गन जैसे अवैध रूप से संशोधित विस्फोटक उपकरणों के निर्माण, भंडारण, बिक्री या खरीद पर सख्त प्रतिबंध है। ये उपकरण, जो अक्सर लोहे, स्टील या पीवीसी पाइपों में विस्फोटक सामग्री भरकर बनाए जाते हैं, अत्यधिक शोर उत्पन्न करते हैं और गंभीर सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि सरकार आँखों की और अधिक क्षति को रोकने के लिए स्थिति पर कड़ी नज़र रख रही है। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे पटाखों और उनसे जुड़े उपकरणों के निर्माण या आपूर्ति में शामिल लोगों के खिलाफ जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर रन फॉर यूनिटी में भाग लें : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लेने की अपील की है।

अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 127वीं कड़ी में उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के योगदान को याद करना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने उनके सत्याग्रहों से लेकर देश की एकता में दिए गए योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम युवा चेतना का प्रतीक बनेगा और देश की एकता को सशक्त करेगा।

छठ महापर्व पर चिराग के घर पहुंचे सीएम नीतीश

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महापर्व छठ में खरना का प्रसाद ग्रहण करने के लिए नीतीश कुमार सीधे चिराग पासवान के पटना वाले घर पहुंच गए। लोक आस्था का महापर्व छठ बिहार में न केवल भक्ति का केंद्र है, बल्कि ये राजनीतिक संबंधों में मिठास घोलने का भी अवसर बन गया। छठ महापर्व के दूसरे दिन यानी खरना पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के आवास पर पहुंचकर सभी को चौंका दिया। पिछले कुछ वर्षों से दोनों नेताओं के बीच संबंध सहज नहीं रहे हैं, ऐसे में नीतीश कुमार का खुद चिराग के घर प्रसाद ग्रहण करने जाना एक राजनीतिक घटना जैसी है। इस मुलाकात ने बिहार की राजनीति में कई नए समीकरणों की अटकलों को हवा दे दी।

छठ महापर्व के दूसरे दिन को खरना कहा जाता है, छठव्रती सूर्यास्त के बाद गुड़ की खीर, रोटी और अन्य सात्विक प्रसाद ग्रहण करते हैं। रविवार की शाम केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के आवास पर भी ये अनुष्ठान चल रहा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने काफिले के साथ अचानक चिराग पासवान के घर पहुंचे, जिससे सभी अचंभित रह गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आते ही चिराग पासवान उन्हें रिसीव करने के लिए घर से बाहर निकले। जैसे ही सीएम गाड़ी से उतरे, चिराग पासवान ने झुककर उनके चरण स्पर्श कर अभिवादन किया। चिराग के इस सम्मानपूर्ण व्यवहार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सहजता से कहा, 'क्या जी.. हम तो ऐसे ही दर्शन करने के लिए चले आए।' दोनों के बीच का ये संवाद काफी चर्चा में है। फिर चिराग ने नीतीश कुमार का शॉल से स्वागत किया। इस दौरान चिराग के बहनोई और जमुई सांसद अरुण भारती भी मौजूद थे। फिर सीएम नीतीश ने चिराग के पूरे परिवार के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाई।

तमिलनाडु की ओर बढ़ रहा चक्रवाती तूफान मोंथा, तटीय जिलों में ऑरेंज अलर्ट

चेन्नई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को चेतावनी दी है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना दबाव क्षेत्र तेजी से चक्रवाती तूफान 'मोंथा' में विकसित हो रहा है।

सोमवार सुबह तक इसके गंभीर रूप लेने की संभावना है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय जिलों में भारी वर्षा और 90 से 100 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं की संभावना है।

आईएमडी के अनुसार यह सिस्टम सोमवार रात या मंगलवार तक आंध्र प्रदेश के तट से होकर गुजरेगा। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी गई है।

प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है और आपदा प्रबंधन टीमों को संभावित आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

सोनम वांगचुक गिरफ्तारी मामला

सत्य की होगी जीत : गीतांजलि अंगमो

लेह, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख में 24 सितंबर की हिंसा के बाद एनएसए के तहत कार्रवाई झेल रहे पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वांगचुक निर्दोष हैं और उन्हें अनुचित रूप से नजरबंद किया गया है।

उन्होंने कहा कि वांगचुक ने एडवाइजरी बोर्ड के समक्ष अपने पक्ष में तथ्य रखे और यह भी बताया कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर गलत संदर्भ में पेश किया गया।

गीतांजलि ने लिखा - वांगचुक अडिग हैं, सत्य की ही जीत होगी। लोकतंत्र की असली ताकत वे लोग हैं जो सत्य, न्याय और अहिंसा के साथ खड़े हैं।

करूर भगदड़ मामले की जांच अब सीबीआई के हवाले

चेन्नई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तमिलनाडु के करूर में टीवीके पार्टी की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच का जिम्मा संभाल लिया है।

इस हादसे में 27 सितंबर को 41 लोगों की मौत और 60 से ज्यादा घायल हुए थे।

सीबीआई की विशेष टीम घटनास्थल का दौरा कर चुकी है। राज्य पुलिस की एफआईआर के आधार पर नई प्राथमिकी दर्ज की गई है और अदालत को सूचित किया गया है।

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने स्वतंत्र जांच के निर्देश दिए थे, जिसके बाद यह मामला सीबीआई को सौंपा गया है।

क्या आप चाहेंगे कि मैं इस समाचार को अख़बार-शैली में उपशीर्षकों और कॉलम विभाजन के साथ सुसज्जित रूप में भी तैयार कर दूँ?

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मदरसे ने कराया लड़की का कौमार्य परीक्षण

मदरसे को मिल रही विदेशी फंडिंग, खंगाले जाएंगे खाते

कई संगठनों ने मदरसे की हरकत को घिनौनी बताया

मुरादाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मदरसे में आठवीं कक्षा में दाखिला देने से पहले छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगे जाने पर बवाल खड़ा हो गया है। पुलिस को मामले की जांच में कई गंभीर खामियां मिली हैं। छात्राओं के हॉस्टल से लेकर क्लास रूम तक पुलिस को व्यवस्था सही नहीं मिली।

आठवीं कक्षा में दाखिला देने से पहले 13 साल की छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट (कौमार्य प्रमाणपत्र) मांगने के बाद विवादों में आए मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात में विदेशी फंडिंग का शक है। पुलिस की जांच के दौरान मदरसे में कुछ ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिनकी जांच की जा रही है। पुलिस ने शिक्षा विभाग, अल्पसंख्यक विभाग, जिला प्रशासन और बाल कल्याण समिति को रिपोर्ट भेजकर इस मामले में जांच कराने की मांग की है। मदरसे के बैंक खाते, मदरसा बोर्ड और यूपी बोर्ड से मान्यता से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की जाएगी।

पुलिस की जांच में सामने आया है कि पाकबड़ा के लोधीपुर मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात के एक ही परिसर में मदरसा बोर्ड और यूपी बोर्ड की एक से बारहवीं तक कक्षाएं चल रहीं हैं। छात्राओं के हॉस्टल से लेकर क्लास रूम तक खामियां ही खामियां मिलीं। पुलिस की जांच में कुछ ऐसी गतिविधियां और संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं जिनकी संबंधित विभाग से जांच कराया जाना जरूरी हो गया है। पुलिस ने शुक्रवार को करीब दो घंटे जांच पड़ताल की थी। शनिवार को टीम जांच करने पहुंची। मदरसे में आस पड़ोस के जिलों के अलावा दूसरे प्रदेशों की छात्राएं भी पढ़ रहीं हैं।

इसमें बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड की भी छात्राएं हैं। पुलिस को कुछ ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिसके आधार पर पुलिस को शक है कि मदरसे को विदेशी फंडिंग हुई है। इसलिए मदरसे के खातों की जांच होनी है। इसके बाद ही सामने आएगा कि किस देश से मदरसे को फंडिंग हुई है। लंबे समय से मदरसा और कॉलेज एक ही परिसर में चल रहा है। इसलिए मदरसा बोर्ड और यूपी बोर्ड की ओर से इस मामले में जांच शुरू कर दी गई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में गहनता से जांच की जा रही है। संबंधित विभागों से जांच में सहयोग मांगा गया है।

पाकबड़ा थानाक्षेत्र के लोधीपुर राजपूत स्थित मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात में 13 वर्षीय छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट (कौमार्य प्रमाणपत्र) मांगने के आरोपी एडमिशन सेल प्रभारी मो. शाहजहां को पुलिस ने शनिवार को कोर्ट में पेश किया। वहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में प्रधानाचार्य रहनुमा समेत अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी है। चंडीगढ़ के मनीमाजरा क्षेत्र निवासी एवं टेलर का काम करने वाले व्यक्ति ने शुक्रवार को पाकबड़ा थाने में मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात की प्रधानाचार्य रहनुमा, एडमिशन सेल के प्रभारी मो. शाहजहां और अन्य स्टाफ के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में अपनी बेटी का मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात में कक्षा सात में दाखिला कराया था।

बेटी ने सातवीं पास कर ली और इस बार आठवीं कक्षा में दाखिला होना था। 16 जुलाई को वह बेटी को चंडीगढ़ ले गए। उनकी पत्नी 21 अगस्त को बेटी के साथ मदरसा पहुंची थीं। आठवीं कक्षा में दाखिला करने के लिए प्रधानाचार्य रहनुमा और एडमिशन सेल प्रभारी मो. शाहजहां से मिलीं। आरोप है कि दोनों ने पहले 35 हजार जमा करा लिए। इसके बाद वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग की गई। मेडिकल रिपोर्ट न देने पर उनके साथ मदरसा स्टाफ ने अभद्रता की और धक्के देकर उन्हें बाहर निकाल दिया था। शुक्रवार को पुलिस ने बिहार के पूर्णिया जिले के रानी पत्रा थानाक्षेत्र के पुरखरिया निवासी एडमिशन सेल के प्रभारी मो. शाहजहां को गिरफ्तार कर लिया था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आरोपी मो. शाहजहां को शनिवार दोपहर कोर्ट में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया है। जांच में कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं जिनके नाम केस में शामिल किए जाएंगे। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मदरसा प्रकरण से संबंधित रिपोर्ट शासन को भेजी है जिसमें अब तक की जांच और पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में बताया गया है। मदरसा प्रकरण में पुलिस और प्रशासन दोनों ही विभागों की ओर से जांच की जा रही है। इस मामले में पाकबड़ा थाने में केस दर्ज कर एक आरोपी को जेल भेजा जा चुका है जबकि अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि शनिवार को इस मामले में जिला स्तर से शासन को रिपोर्ट भेजी गई है।

मदरसे में जांच के दौरान पुलिस को टीपी फार्म मिल गया। इस फार्म पर ही छात्रा ने पूरी बात लिखा है। पुलिस ने इस फार्म को केस का हिस्सा बना लिया है। छात्रा के पिता की ओर से दी गई तहरीर में तो केवल मेडिकल रिपोर्ट मांगने की बात लिखी थी। सोशल मीडिया पर छात्रा का वीडियो और तहरीर वायरल हुई थी। इसमें छात्रा द्वारा टीसी फार्म पर लिखे गए घटनाक्रम को भी वायरल किया गया है। इसके बाद पुलिस ने मदरसे में पहुंचकर जांच की तो टीसी फार्म भी मिल गया। जिस छात्रा ने वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगने, अपमानित करने और पिता के साथ अकेले रहने की बात को लिखा है। इस टीसी फार्म से केस और मजबूत हो गया है।

पाकबड़ा के मदरसे में शनिवार दोपहर एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना, संभल के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार और जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय जांच करने पहुंचे। उन्होंने मदरसे के दस्तावेज खंगाले और स्टाफ से भी पूछताछ की। लंबी जांच पड़ताल के बाद टीम लौट गई। सोमवार को दोबारा टीम मदरसा जाकर जांच करेगी। छात्रा से कौमार्य प्रमाणपत्र मांगने को लेकर विवादों में आए मदरसा जामिया एहसान-उल-बनात की जांच के लिए डीएम अनुज सिंह ने एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना के नेतृत्व में टीम का गठन किया है। टीम में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार और जिला विद्यालय निरीक्षक को भी शामिल किया गया है। शनिवार की दोपहर तीनों अधिकारी मदरसा पहुंचे। जहां मदरसे के दस्तावेज खंगाले गए। प्रधानाचार्य रहनुमा अवकाश पर हैं और एडमिशन सेल प्रभारी मो. शाहजहां को जेल भेज दिया गया।

स्टाफ भी कम ही पहुंचा। अधिकारियों ने मदरसे में जो भी कर्मचारी मिले उनसे पूछताछ की। यूपी बोर्ड और मदरसा बोर्ड से मिली मान्यता संबंधित दस्तावेज भी चेक किए। एसडीएम सदर डॉ. राममोहन मीना का कहना है कि शनिवार को मदरसे में जांच की गई है। दस्तावेज चेक किए गए हैं। अभी इस मामले में जांच पूरी नहीं हुई है। सोमवार को टीम दोबारा मदरसा जाएगी। रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपी जाएगी।

पाकबड़ा के मदरसा प्रकरण को लेकर सपा सांसद रुचिवीरा ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस पूरे मामले पर पुलिस के आला अधिकारियों से वार्ता करेंगी। वार्ता के दौरान वह मांग करेंगी कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जाए और निर्दोष व्यक्तियों पर कार्रवाई न की जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हो रही हैं। मदरसा में छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगने के मामले में राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के पदाधिकारी ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। प्रदेश महामंत्री जोगेंद्र पाल सिंह ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि छात्रा से वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग करना बेहद शर्मनाक, अमानवीय, निंदनीय एवं दंडनीय कृत्य है। इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। ताकि सभी बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके व वे निर्भय एवं भेदभावमुक्त वातावरण में अध्ययन कर सकें।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि मुरादाबाद के मदरसे में छात्रा से कौमार्य प्रमाणपत्र मांगा जाना निहायत ही घिनौनी हरकत है।

मदरसे हमेशा सांप्रदायिक सोच रखने वालों के निशाने पर रहते हैं। इस तरह की परिस्थितियों में जवाब देना मुश्किल हो जाता है। राहे सुलूक के अध्यक्ष मौलाना मुजाहिद हुसैन निजामी ने कहा कि मुरादाबाद के मदरसा शिक्षक ने पूरी मदरसा बिरादरी को शर्मिंदा कर दिया है। मदरसा संचालकों को यह ध्यान देना होगा कि जिस व्यक्ति की नियुक्ति कर रहे हैं, वह किस नजरिये का है। मदरसों में बड़े सुधार की जरूरत है। जमात रजा-ए-मुस्तफा के महासचिव फरमान हसन खान ने कहा कि मदरसों में कौमार्य प्रमाणपत्र मांगना बिल्कुल अनुचित है। इस तरह की हरकतें सरकार के नारी सशक्तिकरण के प्रयासों को कमजोर करती हैं।

मदरसे सिर्फ़ धार्मिक शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक मूल्यों को संवारने के संस्थान हैं। इन हरकतों से न तो शिक्षा का स्तर सुधरेगा, न ही नारी सशक्तिकरण को बल मिलेगा। आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि ऐसे मौलाना अपना मानसिक स्तर दिखाते हैं और बताते हैं कि वे महिलाओं को किस नजरिये से देखते हैं। ऐसे लोग समाज के लिए खतरनाक हो सकते हैं। यही लोग हमारे समाज के दुश्मन बनते हैं।

इनकी वजह से हमारी बहन-बेटियां सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। उन्होंने कहा कि जहां लड़कियां चांद पर पहुंच रही हैं, वहीं ऐसे लोग महिलाओं को एक गुलाम से ज्यादा कुछ नहीं समझते। ये लोग औरतों की गरिमा को कोई अहमियत नहीं देते और अपनी घटिया सोच को पूरी सोसाइटी पर थोपने की कोशिश करते हैं। इनके सम्मानित पदों पर बैठे होने की वजह से लोग खामोश रहते हैं।

फिर शुरू हुई संभल की पौराणिक 24 कोसी परिक्रमा

46 वर्षों बाद आध्यात्मिक स्वरूप में लौटा संभल

संभल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल में इतिहास फिर से करवट ले रहा है। जहां कभी दंगों, पलायन और अवैध कब्जों की छाया थी, वहीं अब आस्था, अध्यात्म और सुरक्षा का सूर्योदय दिखाई दे रहा है। शुक्रवार रात्रि 2 बजे संभल के 68 तीर्थ और 19 कूपों की 24 कोसी परिक्रमा का शुभारंभ प्राचीन तीर्थ बेनीपुरचक स्थित श्रीवंशगोपाल से लाखों श्रद्धालुओं की मौजूदगी में हुआ।

शंखनाद, भजन और जयघोषों के बीच निकली यह परिक्रमा 46 वर्षों बाद पुनः आरंभ हुई है। 1978 में सांप्रदायिक दंगों के कारण रुकी यह परंपरा 2024 में योगी सरकार के प्रयासों से फिर से जीवित हो उठी। धार्मिक मान्यता है कि इस परिक्रमा से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीव को मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह परिक्रमा श्रीवंशगोपाल तीर्थ से प्रारंभ होकर भुवनेश्वर, क्षेमनाथ और चंदेश्वर तीर्थों से होते हुए पुनः वंशगोपाल तीर्थ पर लौटती है। इन तीन प्रमुख तीर्थों के मध्य 87 देवतीर्थ स्थित हैं, जो सम्भल की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक हैं।

1978 के दंगों के बाद सम्भल में जो भय, अविश्वास और पलायन का माहौल बना, उसने दशकों तक यहां के सामाजिक ताने-बाने को चोट पहुंचाई। हिंदू परिवारों ने अपने घर, दुकानें और जमीनें छोड़ीं; मंदिरों पर कब्जे हुए और धर्मिक आयोजनों पर रोक लग गई। परंतु 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद परिदृश्य पूरी तरह बदल गया। योगी सरकार ने संभल में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाने की ऐतिहासिक कार्रवाई की। उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा-67 के तहत 495 वाद दर्ज हुए, जिनमें से 243 मामलों का निस्तारण कर 1067 अतिक्रमण हटाए गए। इस प्रक्रिया में 68.94 हेक्टेयर भूमि कब्जामुक्त कराई गई। यही नहीं, धार्मिक स्थलों पर हुए अवैध कब्जों पर भी निर्णायक कार्रवाई हुई। विशेष अभियान के तहत 37 अवैध कब्जे हटाए गए, जिसमें 16 मस्जिदें, 12 मजारें, 7 कब्रिस्तान और 2 मदरसे शामिल थे। कुल 2.623 हेक्टेयर भूमि को मुक्त कराया गया। साथ ही 68 पौराणिक तीर्थस्थलों और 19 प्राचीन कूपों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण की प्रक्रिया आरंभ की गई है। कल्कि अवतार मंदिर समेत अनेक प्राचीन स्थलों पर पुनरुद्धार का कार्य चल रहा है।

बीते कुछ वर्षों में 2 नए थाने और 45 नई चौकियां स्थापित की गई हैं। संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी निगरानी और ड्रोन सर्वे की व्यवस्था की गई है। अपराधियों पर कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक विश्वास की नींव रखी गई है। बिजली चोरी रोकने के लिए चलाए गए अभियानों से लाइन लॉस 82 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जिससे 84 करोड़ रुपए की राजकीय धनराशि की बचत हुई। आर्थिक दृष्टि से भी संभल ने छलांग लगाई है। 2405 करोड़ के निर्यात के साथ यह अब प्रदेश में 10वें स्थान पर है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत संभल के मेटैलिक, वुडन और हैंडीक्राफ्ट उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान बना रहे हैं।

श्रेयस तलपडे और आलोकनाथ समेत 22 पर पांच करोड़ की ठगी का केस

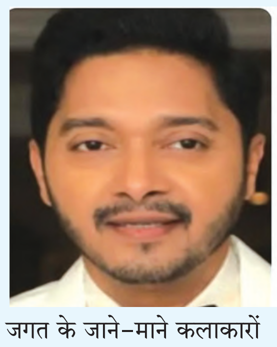

बागपत, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बागपत में पुलिस ने फर्जी वित्तीय कंपनी द्वारा निवेशकों से ठगी मामले में बॉलीवुड कलाकार श्रेयस तलपड़े और आलोक नाथ समेत 22 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। कंपनी ने निवेशकों को पैसों को एक साल में दोगुना करने का वादा करके करोड़ों रुपए की ठगी की।

बागपत पुलिस ने बताया कि लोन में स्थित अरबन स्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइयी लिमिटेड ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों, जैसे बागपत, मेरठ और गाज़ियाबाद में अपने एजेंटों के जरिए निवेश योजनाओं का संचालन किया। कंपनी ने अपने स्कीम को बढ़ावा देने के लिए फिल्म जगत के जाने-माने कलाकारों का उपयोग किया। पुलिस के अनुसार, श्रेयस तलपड़े को प्रमोटर और आलोक नाथ को ब्रांड एंबेसडर के रूप में पेश किया गया ताकि लोगों का भरोसा जीत सकें। अधिकारियों ने बताया कि 500 से अधिक निवेशकों ने इस योजना में लाखों रुपए जमा किए। एक साल बाद जब निवेशक अपने पैसे निकालने आए, तो कंपनी का कार्यालय बंद मिला और अधिकारी लापता थे। बागपत की बबली नामक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कंपनी ने जमा राशि हड़पने के लिए दस्तावेजों पर जाली हस्ताक्षर भी किए। पुलिस ने ठगी, जालसाजी और साजिश के तहत मामला दर्ज किया है। एएसपी प्रवीण सिंह चौहान ने कहा कि जांच जारी है और सभी आरोपी की पहचान, उनके बैंक खातों की समीक्षा और प्रमोटरों के योगदान की जांच की जा रही है।

कोहिनूर होटल के मालिक आलम की करतूत

बलात्कार कर लड़की को बनाया मुसलमान

आलम के होटल पर चला बुलडोजर

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज के घूरपुर में किशोरी से दुष्कर्म और जबरन मतांतरण के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। शनिवार को मुख्य आरोपी मोहम्मद आलम के अवैध ढाबे पर बुलडोजर चलाया गया।

मामला घूरपुर क्षेत्र के एक गांव का है, जहां एक अनाथ किशोरी और उसके भाई को मोहम्मद आलम ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित अपने ढाबे पर काम करवाया था। आरोप है कि बाद में आरोपी ने किशोरी को करमा स्थित अपने घर में बंधक बनाकर उससे दुष्कर्म किया और उसका मतांतरण करवा दिया। वहीं, किशोरी के नाबालिग भाई को मुंबई भेजकर मतांतरण करवाने के बाद जबरन मजदूरी कराई गई।

किसी तरह 8 अक्टूबर 2025 को आरोपी के चंगुल से भागी किशोरी अपने गांव पहुंची और आपबीती सुनाई। ग्रामीणों की मदद से पुलिस तक मामला पहुंचा, जिसके बाद शाह आलम, उसकी पत्नी रहनुमा, मुमताज अहमद और अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घूरपुर पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शनिवार को पुलिस और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम ने यूनाइटेड कॉलेज के पास कोहिनूर होटल नामक ढाबे को ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने बताया कि ढाबा सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया गया था, इसलिए प्रशासनिक आदेश पर कार्रवाई की गई।

एनसीआर के 39 स्टेशनों पर प्रसारित हुए छठ महापर्व के गीत

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छठ महापर्व के मौके पर उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) ने नई पहल की है। रेलवे प्रशासन पहली बार प्रयागराज जंक्शन, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, झांसी समेत एनसीआर के 39 रेलवे स्टेशनों पर छठ के लोकप्रिय गीतों को प्रसारित कर रहा है। शुक्रवार को यात्रियों के स्वागत के लिए जब छठ से जुड़े गीतों का प्रसारण शुरू हुआ तो यात्री चौंक गए। फिलहाल एनसीआर के 39 स्टेशनों पर मंगीला हम वरदान हे गंगा मइया, कांच ही बांस के बहंगिया और केलवा के पात पर उगेलन सुरुज देव आदि गीत दिन भर स्टेशन पर यात्रियों को सुनाई देते रहे।

छठ महापर्व पर बिहार जा रही महिला यात्रियों ने कहा कि रेलवे की यह पहल उन्हें अपने गांव की याद दिला रही है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रयागराज छिवकी, सूबेदारगंज, उरई, विंध्याचल, ग्वालियर, खजुराहो, भरवारी, नैनी व सिराथू समेत 39 स्टेशनों पर ये गीत प्रसारित किए जा रहे हैं।

बच्चों पर न बढ़ाएं पढ़ाई का दबाव

बच्चों से प्यार से कुछ भी करवाया जा सकता है, लेकिन जोर जबरदस्ती से कुछ भी काम कराना संभव नहीं। आपको हमेशा अपने बच्चे से शिकायत रहती होगी कि आप का बच्चा आपका कहना नहीं मानता, कोई काम नहीं करता, जिद्दी है आदि। बच्चों पर पढ़ाई का दबाव डालकर आप जबरदस्ती उन्हें पढ़ा तो सकते हैं पर दबाव डालने से बच्चों पर कई बार बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप प्यार से बच्चों को समझाएं तो बिना किसी आनाकानी से वे पढ़ाई पर ध्यान देने लगेंगे। यदि बच्चों को बार-बार पढ़ने के लिए दबाव बनाया जाता है तो वे पढ़ाई से दूर भागने लगते हैं और उनको वो चीज बोरिंग लगने लगती है। पढ़ाई का दबाव बनाने की बजाए आपको अपने बच्चे को अपने साथ बैठकर खेल-खेल में मनोरंजक तरीके से बच्चे को पढ़ाना चाहिए इससे बच्चा भी पढ़ने में रूचि लेगा और आपकी बात भी मानेगा। बच्चों की बढ़ती उम्र और पढ़ाई के दबाव के कारण कई बार बच्चे ऐसे निर्णय कर लेते हैं जो न सिर्फ उनके लिए घातक हो सकते हैं बल्कि उनके अपने परिवार के लिए भी खतरनाक बन जाते हैं। बच्चों को कुछ भी याद करवाने के लिए जरूरी है कि उन्हें हल्के-फुल्के अंदाज में बच्चे के साथ बैठकर याद करवाया जाए और बच्चें को चैप्टर रटवाने के बजाय समझाएं। बच्चों को पढ़ाते समय कोशिश करें कि हर चीज का उदाहरण दें, जिससे बच्चा जल्दी से जल्दी समझ जाए। यदि बच्चों को पढ़ने में मुश्किल आ रही हो तो बच्चों को उस बात को दूसरे ढंग से या फिर आसान भाषा में समझाए। बच्चें को जब भी आप याद करवाएं तो उनकी चीज का मतलब बताए।

डरावने मेकअप का शौक...

महिलाएं अक्सर सुंदर दिखने के लिए मेकअप का सहारा लेती हैं लेकिन एक लड़की के तो शौक ही बड़े निराले हैं। वह तो अपना चेहरा बिगाड़ने के लिए मेकअप करती है। दरअसल, 24 साल की जॉर्डन हैंस को डरावना मेकअप करने का शौक चढ़ा है, जिसके चलते वे तरह-तरह के भूतहा किरदारों की शक्ल अख्तियार करने लेती हैं। उन्होंने अपनी अनोखी कलाकारी से लोगों को अपना दीवाना बना लिया है। जॉर्डन को मेकअप के जरिये ऐसे रूप धरने में कम से कम 5 घंटे लग जाते हैं लेकिन कहते हैं न कि शौक बड़ी चीज है। इसके लिए वह एक्रिलिक पेंट का यूज करती हैं। ट्रांसफॉर्मेशन के लिए जॉर्डन किरदारों का चयन मूवीज के साथ-साथ वीडियो गेम्स से भी करती हैं। जार्डन के इंस्टाटग्राम पर 20 हजार से अधिक फॉलोअर हैं। जॉर्डन कैरक्टर ट्रांसफॉर्मेशन के इन सेशंस को ट्यूटोरियल के तौर पर यू-ट्यूब पर भी शेयर करती हैं।

शादी में क्रॉप टॉप लहंगा...

इन दिनों महिलाएं इंडो-वेस्टर्न ड्रेस में ज्यादा दिखाई देती हैं। धोती के साथ शर्ट, स्कर्ट के साथ ब्लाउज और भी कई तरीके के कॉम्बीनेशन इन दिनों मार्केट में उतरे हैं। लंहगे के साथ कोल्हापुरी तक को अगर आप पहनें तो देहातीपन नहीं बल्कि ट्रेंड नजर आएगा। उत्साह और उमंगों से भरा, शादियों का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में वेडिंग आउटफिट के लिए बुटीक पर लंबी लाइन लगी रहती है। हल्दी के दिन पीला और लाल लंहगा, बहुत खूबसूरत दिखता है। स्लीवलेस पिंक क्रॉप टॉप के साथ येलो कलर की फूलों वाली स्कर्ट भी खूब फबेगी। इसके अलावा, आप फिरोजी रंग की ड्रेस भी पहन सकती हैं। इन दिनों डीप ब्लू रंग की स्कर्ट के साथ स्लीव वाले ब्लाउज भी काफी ट्रेंड में हैं।

सर्दी में गरमा-गरम गराडू का लें मजा

सर्दी का मौसम शुरू होते ही गरमा-गरम गराडू का मजा दुगुना हो जाता है। लेकिन यह स्वाद में जितना अच्छा और कुरकुरा है, उतने ही बेहतरीन हैं इसके फायदे । अगर आपको अब तक नहीं पता गराडू के यह फायदे, तो जरूर जानिए....इसके बाद गराडू का लुत्फ भी दुगुना हो जाएगा

- गर्मागर्म गराडू, सर्दी की शाम में खाने से आपको न केवल लाजवाब स्वाद मिलता है बल्कि यह आपको गर्माहट के साथ-साथ शरीर के लिए आवश्यक ऊर्जा भी देता है।
- यह फाइबर यानि रेशे से भरपूर होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। खास तौर से यह बुरे कोलेस्ट्रॉल को हटाने में मदद करता है। इसके अलावा फाइबर आपके पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाता है और कब्ज में फायदेमंद होता है।
- गराडू कॉपर, आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, मेंगनीज, फॉस्फोरस के अलावा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है जो आपके स्वास्थ्य और सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं।
- इसमें विटामिन्स के साथ-साथ एंटी ऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं जो न केवल मानसिक तनाव को कम करते हैं बल्कि आापको जवां दिखने में भी मदद करत हैं। यह झुर्रियों के आने की प्रक्रिया को धीमा करने में सहायक है।
- रोग प्रतिराधक क्षमता को बढ़ाने के लिए भी गराडू फायदेमंद हैं। इसके अलावा यह हड्डियों के विकास में भी सहायक हैं और शरीर की चोठ या फिर घाव को जल्दीद भरने में सहायक है।

सर्दियों के मौसम में कपड़ों के पहनने-ओढ़ने का ही नहीं, फुटवियर्स का भी अंदाज बदल जाता है। सर्दियों के बदलते फैशन में लॉन्ग बूट्स ट्रेंड में हैं। सर्द मौसम में ये पैरों को सुरक्षा देने के साथ-साथ पर्सनैलिटी को एक स्टाइल स्टेटमेंट भी देते हैं, इसीलिए युवतियों और युवा महिलाओं का रुझान लॉन्ग बूट्स की तरफ ज्यादा है।

ट्रेंड में हैं लॉन्ग बूट्स...

यह बीते जमाने की बात हो गई, जब लॉन्ग बूट्स को बर्फीले इलाके में पहनने जाने वाला बूट समझा जाता था। अब लॉन्ग बूट्स फैशन स्टेटमेंट बन गये हैं। आज बाजार में मौजूद अलग-अलग तरह के लॉन्ग बूट्स युवतियों को स्टाइलिश बना सकते हैं। सर्दियों के मौसम में कपड़ों का ही नहीं, फुटवियर का भी अंदाज बदल जाता है। सर्दियों में लॉन्ग बूट्स का चलन आमतौर पर बढ़ जाता है। सर्दियों की दस्तक के साथ युवा महिलाएं इन फुटवियर्स में अपने आप को फैशनेबल बना सकती हैं। लॉन्ग बूट्स की खासियत है कि स्कर्ट्स हो या जींस, यह सभी के साथ फबते हैं। लॉन्ग बूट्स में कई अलहदा स्टाइल हैं जिन्हें आप अपनी ड्रेस के साथ अपना सकती हैं। लॉन्ग बूट्स हर तरह की ड्रेस के साथ फबते हैं। यही वजह है कि हर अवसर पर युवतियां लॉन्ग बूट्स में खुद को कन्फर्टेबल फील करती हैं। इन दिनों लॉन्ग बूट्स में साइड और बैक साइड जिप से लेकर साइड चेन, फैदर, पोल्का डॉट्स, बेल्ट स्टाइल, एनीमल प्रिंट जैसी कई वेरायटी भी इनमें उपलब्ध हैं। इनमें आकर्षक बटनों और

लेस आदि का चलन भी है, जो देखने में काफी सुंदर लगते हैं।

मिड लेंथ लॉन्ग बूट

लॉन्ग बूट्स में एक स्टाइल है मिड लेंथ। इसमें बूट घुटने से नीचे और टखनों से तीन से चार इंच ऊपर होता है। वन पीस ड्रेस या फिर स्कर्ट के साथ युवतियां स्टाइलिश मिड लेंथ बूट पहन सकती हैं। आगे से खुले या फिर महीन पोल्का के ये स्टाइलिश बूट्स आपके स्टाइल और ज्यादा निखार सकते हैं।

नी लेंथ लॉन्ग बूट

नी लेंथ लॉन्ग बूट की लंबाई घुटनों तक होती है या फिर ये घुटनों से एक या दो इंच नीचे। युवतियां

इन्हें स्कर्ट, डिवाइडर्स के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसमें आगे लगी चेन इन बूट्स बेहद स्टाइलिश बनाती है।

एंकल लॉन्ग बूट

युवतियां पेंसिल हील की एंकल बूट को लॉन्ग ड्रेस के साथ तो पहन ही सकती हैं, जींस के साथ भी इन्हें पहना जा सकता है। इसमें भी कई स्टाइल के बूट मार्केट में मौजूद हैं।

ओवर दनी बूट

लॉन्ग बूट के इस स्टाइल में बूट घुटने से दो या तीन इंच ऊपर होता है। इसमें भी बहुत स्टाइल्स होती हैं। कुछ में घुटने के पास से चेन लगी होती है और कुछ में घुटने के ऊपर सिर्फ एक तरफ से ही कवर होता है।

चटख रंगों के बूट्स

पहले जहां लांग बूट्स में काला, भूरा और सफेद जैसे गिने-चुने रंग ही पहने जाते थे, वहीं अब बूट्स में जामुनी, नीले, सुर्ख लाल, हरे आदि कई चटख रंगों के बूट्स बाजार में देखने को मिल रहे हैं। हालांकि लॉन्ग बूट्स में भूरे रंग का चलन बहुत है। इस रंग में भी बहुत सारे शेड्स उपलब्ध है जैसे, डार्क ब्राउन, लाइट ब्राउन, कैमल कलर, स्किन कलर, कॉफी कलर आदि।

फैब्रिक और डिजाइन

लॉन्ग बूट्स लेदर, रैग्जीन, वेलवेट, डेनिम आदि कई तरह के फैब्रिक में उपलब्ध हैं। आप अपनी पसंद और कंफर्ट के मुताबिक इन्हें ले सकती हैं। सिंपल बैक साइड चेन से लेकर, साइड चेन, फैदर, पोल्का डॉट्स, बेल्ट स्टाइल, एनीमल प्रिंट जैसी कई वेरायटी भी इनमें उपलब्ध हैं।

ढेरों वैरायटीज

डिजाइनर बूट्स में हाई हील, कैजुअल, एनिमल प्रिंट, मिड काफ, लेंथ बूट्स जैसी ढेरों वैरायटीज है, लेकिन हाई हील डिमांड में अधिक है। इसका कारण यह है कि हाई हील बूट्स हर तरह की ड्रेस के साथ अच्छे लगते हैं। जींस और स्कर्ट्स में यह खास लुक देते हैं। अगर आप पहली बार बूट्स खरीद रही हैं तो शुरुआत एंकल लेंथ बूट्स से करें। बूट्स खरीदते वक्त अपनी लंबाई का भी ध्यान रखें।लंबाई कम है तो आप नी लेंथ बूट्स न खरीदें, आपको एंकल लेंथ बूट्स ही सूट करेंगे, वहीं अगर आप लंबी हैं तो नी लेंथ या फिर थाई लेंथ बूट्स भी आप पर खूब फबेंगे।

कुछ ऐसा करें

अगर आप नी-हाई बूट्स के साथ शॉर्ट स्कर्ट पहन रही हों तो स्टाइलिश लुक के लिए ओवर द नी सॉक्स पहनें और सॉक्स का कुछ हिस्सा एक्सपोज होने दें। स्कर्ट्स, बूट्स और ओवर द नी सॉक्स को आउटर लेयर में रखें। आप अपनी स्किन फिट जींस या लेगिंग को इनर लेयर में रखें। जेगिंग्स को बूट्स में भी टक कर सकती हैं ये आपको स्टाइलिश दिखाता है। ऐसा नहीं है कि लॉन्ग बूट्स खरीदने के लिए आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। आप ब्रांडेड बूट्स की बजाय नॉन ब्रांडेड खरीद सकती है। देसी कंपनियों ने भी लॉन्ग बूट्स के इंटरनेशल डिजाइन पेश किए हैं, जो आपके बजट और पसंद के अनुसार आसानी से मिल जाएंगे।

ओवरसाइज बैल्ट फैशन में...

एक्सेसरीज स्टाइलिश और फैशनेबल हों तो पूरा लुक ही बदल जाता है। किसी भी आउटफिट को डिफरेंट और कंप्लीट लुक देना हो तो बैल्ट से बेहतर कोई और एक्सेसरी नहीं। बैल्ट आपकी पर्सनैलिटी को और भी निखार देती है, बशर्ते आप अपनी ड्रैस के अनुसार सही बैल्ट का चुनाव करें। बैल्ट का सही चुनाव आप को स्टाइल के साथ-साथ स्मार्ट लुक भी देता है। बैल्ट चूज करते समय फैशन और ट्रैंड का भी ध्यान रखें। ओवरसाइज्ड लैदर बैल्ट आजकल ट्रैंड में है। यह बोल्ड एक्सेसरी आपकी आउटफिट को और भी बोल्ड, फैशनेबल और सुंदर बना देगी। पतली मेटैलिक बैल्ट्स तो फैशन से लगभग आउट ही हो चुकी हैं। आप सेलेब्स को इन ओवरसाइज्ड बैल्ट लुक में रॉक करते देख सकते हैं। आप का फिगर यदि परफैक्ट है, तो ओवरसाइज्ड बैल्ट और भी ज्यादा स्टाइलिश लुक देती है। पतली कमर पर पतली बैल्ट अवॉइड ही करनी चाहिए। पतली कमर पर चौड़ी बैल्ट ज्यादा सुंदर लगती है।

ब्राइट कलर्स के साथ पेयर: फैशन डिजाइनर इन ओवरसाइज्ड बैल्ट्स को ब्राइट कलर्स जैसे नियोन पर्पल और ऑरेंज कलर के आउटफिट्स के साथ पेयर कर रहे हैं। इन बैल्ट्स का इस्तेमाल पैंटसूट्स से लेकर सभी तरह की ड्रैसेस पर किया जा रहा है। शर्ट या ट्यूनिक के ऊपर यह बैल्ट बहुत फबती है। स्टेटमेंट-मेकिंग लुक के लिए ऐसी बैल्ट वियर करें जिसमें बहुत-सारे छेद हों। **क्लासी टच:** किसी भी आउटफिट को तुरंत पार्टी वियर बनाने की क्षमता रखती है ओवरसाइज़्ड बैल्ट। रोमांटिक लुक के लिए बैल्ट में टॉप इस तरह दबाएं कि उस का कुछ भाग बैल्ट के नीचे से निकले। यह बैल्ट आपकी ड्रैस को क्लासी टच देती है।

कंट्रास्ट कलर: वनपीस या जंपसूट के साथ कंट्रास्ट कलर की बैल्ट वियर कर सकती हैं। लूज फिटिंग ड्रैस पर कंट्रास्ट कलर की बैल्ट गजब की सुंदर दिखेगी। आप चाहें तो जिस कलर की ड्रैस पहन रही हैं उसी कलर की ओवरसाइज्ड बैल्ट ट्राई करें।

गोल्डन बक्कल

आप अपनी पसंदीदा ब्राइट कलर की कॉकटेल ड्रैस के साथ बड़े गोल्डन बक्कल वाली ओवरसाइज्ड ब्लैक बैल्ट पहनें। यह छोटा-सा बदलाव आपकी लुक को ट्रांसफॉर्म कर सकता है। इस लुक में आप बेहद ग्लैमरस लगेंगी। ऑफ-शोल्डर टॉप के साथ ओवरसाइज्ड बैल्ट आपको एकदम स्मार्ट लुक देगी।

यह भी है प्रयोग

अपनी स्लीवलैस कॉटन ड्रैस के नीचे एक टी-शर्ट लेयर करें और फ्लैटरिंग फिनिशिंग टच के लिए एक खूबसूरत ब्रॉड बैल्ट पहनें। अपने इस लुक में आप एकदम परफेक्ट दिखेंगी। आपने कभी पायजामे के साथ बेल्ट पहनी है? नहीं पहनी तो अब जरूर ट्राई करें। कॉम्प्लिमेंट्स मिलना तय है।

पाएं स्पेशल लुक

कभी भी ब्लैक ड्रैस के साथ ब्लैक बैल्ट न पहनें। यह आपके लुक को एकदम बोरिंग और डल बना देगी। व्हाइट ड्रैस पहन रही हैं तो इसके साथ कोई कलरफुल बैल्ट कैरी करें। इससे आपकी नॉर्मल ड्रैस को भी स्पैशल लुक मिल जाएगा।

शूज और बैग्स का कॉम्बीनेशन...

इस सीजन में आइकॉनिक लुक क्रिएट करने के लिए शूज और बैग्स का कॉम्बीनेशन बेहद खास है। अपने बैग को शूज के साथ मैच करना मुश्किल न भी हो, पर आसान भी नहीं है। बैग और शूज के बढिया पेयर से आप अमेजिंग लुक क्रिएट कर सकती हैं। कई महिलाएं शूज और बैग का एक ही कलर चूज कर लेती हैं और उनकी पहली च्वाइस हमेशा ब्लैक ही होती है। अगर आप सेम कलर में ही दोनों एक्सैसरी पहन रही हैं, तो जान लें कि 30 की उम्र के बाद अगर आप मैचिंग बैग और शूज कैरी करती हैं आपकी उम्र में 10 साल और एड हो जाते हैं। अगर आपको एक ही कलर का बैग और शूज पहनने हैं तो अलग-अलग टैक्चर ट्राई करें। इससे लैट लुक का इफैक्ट खत्म होगा।

बोल्ड प्रिंट ड्रैस के साथ

यदि आपने लोरल, ग्राफिक या बोल्ड प्रिंट वाली ड्रैस पहनी है तो आप नैचुरल और सिंगल कलर बैग और सैंडल्स कैरी करें। प्रिंटेड ड्रैस के साथ प्रिंट बैग और शूज आपकी लुक को बिगाड़ देंगे। आप व्हाइट या बेबी ब्ल्यू बैग को जेब्रा प्रिंट शूज के साथ पेयर करें। आपके लुक में थोड़ी और फॉर्मेलिटी एड कर देते हैं। ब्राऊन लैदर बैग को लैपर्ड पम्प्स के साथ कंबाइन करके आप स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

दो प्रिंटेड एक्सैसरीज

कई बार दो प्रिंटेड एक्सैसरीज एक से बेहतर होती हैं। समान टोन वाले स्नैक स्किन प्रिंटेड बैग और लोरल हील्स को पेयर करें और फिर देखें इसका इफैक्ट। इसका सीधा-सा नियम है कि दो प्रिंटेड एक्सैसरीज में से एक ऐसी हो जो आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करे। ऐसा न हो कि दोनों ही अटैंशन पाने के लिए एक-दूसरे से कंपीट कर रही हों।

टोट बैग के साथ

टोट बैग ओवरसाइज्ड होता है तो इसकी कैजुअल लुक को लैट शूज के साथ पेयर करें। यह आपको खूबसूरत वर्किंग वुमन का लुक देगा। इसका एक फायदा यह भी है कि जब आप हील्स पहनना चाहें तो लैट्स को अपने टोट बैग में रख सकती हैं। लैपर्ड प्रिंट और लाल बेहद चिक कॉबीनेशन है। लैपर्ड स्पॉट्स वाली हील को रैड टोट के साथ पेयर करें और फिर देखें ये कैसे एक-दूसरे को कॉपलीमैंट करते हैं।

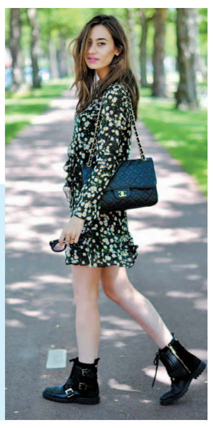

सोफिस्टिकेटेड लुक

मैटेलिक टोंस सबके साथ सुंदर लगते हैं। सिल्वर क्लच गोल्ड हील्स के साथ देखने वाले की आंखों को चुंधिया देगा।

सोफिस्टिकेटेड लुक के लिए टैक्सचर पर ध्यान देना जरूरी है। सिक्विन हील्स के साथ साटिन बैग सुंदर लगता है। मैटेलिक्स के साथ वाइब्रैंट कलर्स बढिया कॉम्बीनेशन बनाते हैं। ब्राइट पिंक क्लच के साथ सिल्वर हील्स सुपर स्टाइलिश दिखेंगी।

आइडियल पेयर

अगर आपको पार्टियों में जाना पसंद है तो उन नाइट आऊट्स के लिए जब आप अपनी सहेलियों के साथ हैंगआउट करने जाती हैं खूबसूरत क्लच बैग और हाई हील्स आइडियल पेयर हैं। सुंदर पेयर और न्यूड क्लच तो आपके वार्डरोब में जरूर होना ही चाहिए।

कैजुअल आऊटफिट्स

अगर आप शॉपिंग के लिए जा रही हैं तो टील कलर की चंकी हील्स और ओवर साइज्ड क्लच आपकी कैजुअल आऊटफिट्स को भी बेहद सुंदर बना देते हैं। आपके हाथ में पकड़ा ओवर साइज्ड क्लच आपके लुक को और ज्यादा पॉलिश कर देगा। एक्स्ट्रा सपोर्ट के लिए आप स्ट्रैप्स वाले शूज पहन सकती हैं, इससे आपको चलने में आसानी होगी।

पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं ज्यादा डरती इन कीड़ो से

एक तरफ जहां पुरुषों को मकड़ी और अन्य कई प्रकार के छोटे कीड़ों से डर लगता है, वहीं दूसरी तरफ महिलाएं मकड़ी को देखते ही इतना क्यों डरने लगती है। हालांकि पुरुष विशेष रूप से छोटे कीट और कीड़ों को लेकर महिलाओं के इस डर का मजाक उड़ाते हैं। लेकिन पुरुषों को समझना चाहिए कि इसके पीछे महिलाओं का डरपोक व्यवहार नहीं, तो ऐसा क्या है जो महिलाओं को मकड़ी या अन्य कीटों से इतना डर लगता है। आइए इस आर्टिकल के माध्यम से इस तथ्य के बारे में जानकारी लेते हैं।

शोध के नतीजे

लड़कियों ने खुश छवि की तुलना में डरे हुई छवि को काफी लंबे समय के लिए देखा। इससे पता चलता है कि लड़कियों का भय मकड़ियों से संबद्ध होता है, लेकिन खुश छवि उन्हें थोड़ी अजीब और अविश्वास को इंगित कर रही थी। दूसरी तरफ लड़कों ने दोनों सेट की छवियों को काफी लंबे और एक ही समय तक देखा, इससे लड़कों का डर मकड़ियों से संबद्ध नहीं किया जा सकता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार, यह व्यवहार महिलाओं की विकासवादी भावना है, जो महिलाओं में विषैला कीड़े और हानिकारक जानवरों के बारे में अधिक डर को दर्शाती है। तो अगली बार जब भी आपको लगे कि लड़की मकड़ी से डर रही हैं तो उसका मजाक न बनायें क्योंकि उसका यह डर स्वाभाविक होता है।

शोध के अनुसार

कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय, पिट्सबर्ग के एक ताजा शोध के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाएं रेंगने वाले कीड़ों से आसानी से डरने पर मजबूर हो जाती है। इस अध्ययन में 10 युवा लड़के और लड़कियां और बहुत सारी मकड़ी की तस्वीरें शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों के समाने एक भयभीत कार्टून का सामना करने के लिए मकड़ी के रंग की छवि को दिखाया गया। शोधकर्ताओं ने फिर खुश चेहरे के सामने मकड़ी और डरे हुए चेहरे के सामने फूल दिखाया।

संपादकीय

जीवन रक्षक ओआरएस

सेहतवर्धक बताकर विभिन्न खाद्य-पेय उत्पाद बेचना आज के बाजार की मुनाफा रणनीति का हिस्सा बन चुका है। भले ही वह आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करता हो। ऐसे में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक फॉर्मूलेशन के अनुरूप न होने वाले किसी भी पेय पदार्थ के लेबल पर 'ओआरएस' यानी ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट शब्द लिखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है। जबकि हकीकत यह है व्यावसायिक दृष्टि से बेचे जा रहे पेय पदार्थों का भले ही चिकित्सा वैधता का दावा किया जाए, लेकिन वे मीठे घोल के अलावा कुछ नहीं होते। जबकि हकीकत यह है कि इन बाजारू पेय पदार्थों की बिक्री से मोटा मुनाफा ही कमाया जा रहा था। यह तथ्य भी चौंकाने वाला ही है कि भारत में इस तथाकथित मीठे 'ओआरएस पेय' का सारा कारोबार लगभग एक हजार करोड़ रुपये के लगभग है। यहां तक कि कुछ पेय पदार्थों के ब्रांड मालिकों ने केवल तीन वर्षों में पांच गुना बिक्री का दावा किया है। उन्होंने ओआरएस बिक्री के चौदह फीसदी से अधिक हिस्से पर अधिकार करने का उल्लेख किया है। दरअसल, विभिन्न स्वाद वाले पेय पदार्थ को स्वास्थ्यवर्धक के रूप में पेश करके कंपनियों को अपने कारोबार में तेजी लाने का आसान मौका मिल जाता है। हकीकत में इसका लाभ कंपनियां अपने ब्रांड का भरोसा बढ़ाने और फार्मेसियों और किराने की दुकानों में समान रूप से उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में कामयाब होने में उठाती हैं। यह विडंबना है कि देश में कमजोर नियामक निगरानी के चलते ही इस मुनाफे के घातक कारोबार के विस्तार के लिये अनुकूल वातावरण बन पाया है। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की सख्ती से इस मुनाफाखोरी के घातक कारोबार पर अंकुश लगाने में कामयाब मिल सकेगी। इस सारे प्रकरण का एक सबक यह भी है कि कैसे सतर्क नागरिक और नैतिक रूप से सजग चिकित्सक सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में सक्षम हो सकते हैं। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अकसर प्रवर्तन कार्रवाई की कमी नजर आती है। निश्चित रूप से यह प्रकरण खाद्य विपणन और वैज्ञानिक प्रमाणों के बीच की खाई को भी उजागर करता है। दरअसल, यह जन स्वास्थ्य से जुड़ी एक ऐसी खाई है जिसे हमारी नियामक एजेंसियों को पाटने के लिये निरंतर सजग रहने की सख्त आवश्यकता है। ओआरएस जैसी साधारण, लेकिन जीवन रक्षक पेय की शुद्धता की रक्षा करते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एक बार फिर से पुष्टि की है कि स्वास्थ्य की रक्षा कोई मार्केटिंग का नारा नहीं हो सकता। निश्चित रूप से विश्वास किया जाना चाहिए कि इस हालिया प्रतिबंध से आने वाले समय में मीठे-मीठे झूठों का अंत हो सकेगा।

निस्संदेह, यह एक जन-स्वास्थ्य की दिशा में हासिल एक बड़ी सफलता है, जिसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। दरअसल, यह आदेश हैदराबाद की बाल रोग विशेषज्ञ शिवरंजनी संतोष द्वारा आठ साल की लंबी लड़ाई के बाद सामने आया है। वास्तव में उन्होंने यह उजागर करने के लिये लंबा संघर्ष किया था कि कैसे कई चीनी युक्त कथित ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों को चिकित्सकीय समाधान के रूप में बेचने के लिये भ्रामक रूप से 'ओआरएस' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि सालों से अभिभावक इस पेय पदार्थ की पैकेजिंग पर कारोबारियों द्वारा लिखे 'ओआरएस' शब्द पर भरोसा करते हुए बीमार बच्चों को पिलाते रहे हैं। वे इस बात से बेखबर थे कि पेय पदार्थ में चीनी की उच्च सांद्रता निर्जलीकरण की स्थिति को बढ़ावा दे सकती है। विशेष रूप से बच्चों को देने पर दस्त की स्थिति में यह घातक हो सकती थी। यहां उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुमोदित ओआरएस घोल में सावधानीपूर्वक ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट्स का एक संतुलित मिश्रण निर्धारित होता है। जिसे बीमार बच्चों या व्यक्ति को शरीर में तरल पदार्थों व लवणों की कमी की पूर्ति के लिये तैयार किया जाता है।

कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतज़ार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं। क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी, विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोज़गारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोज़गार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है। यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है। बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है। तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए। तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है। महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तैरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा।

बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतजार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया।

देश दुनिया से

पराली व प्रदूषण के मुद्दे पर जूझते भारत-पाक

प्रदूषण हिन्दू-मुसलमान हो गया, प्रदूषण भारत-पाकिस्तान हो गया। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यू-एयर' ने 120 से अधिक शहरों के लाइव डेटा के हवाले से 21 अक्तूबर, 2025 की सुबह दिल्ली को दुनिया का 'सबसे प्रदूषित' शहर घोषित कर दिया। उसके अगले दिन कराची और लाहौर को दुनिया के 5वें और तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में स्थान दिया गया। सीमा पार आवाज़ें उठनी शुरू हुईं, कि भारत के पंजाब-हरियाणा, यहां तक कि दिल्ली से पटाखे फोड़ने और पराली दहन से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। भारत को दोष देने वाले पाकिस्तान में पटाखा उद्योग का प्रदूषण फैलाने में कितना योगदान है, उस पर कोई बात नहीं होती। दो महीना पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के कराची शहर में गुरुवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। कराची को आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत पटाखे, ओरंगी टाउन की कच्ची बस्तियों में बनाए जाते हैं। प्रतिबंध के बावजूद चीन से पटाखों की आपूर्ति पाकिस्तान में धड़ल्ले से होती है। यों, पाकिस्तान में विवाह-बर्थडे जैसे उत्सवों ने पटाखों के कारोबार को पाला-पोसा है। मगर, दीवाली की तरह पटाखों का कारोबार शब-ए-बारात के पवित्र अवसर पर तेजी से बढ़ता है। दुर्भाग्यवश, शब-ए-बारात का आगमन तेज विस्फोटों, धमाके की आवाजों का पर्याय बन गया है। पाकिस्तान वाले पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने गिरफ़्तारी व भारी जुर्माने के साथ 'डंडा और गाजर अभियान' आरम्भ किया। पराली जलाने पर प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालों पर पांच हज़ार रुपये का जुर्माना। साथ ही प्रलोभन था, नई पीढ़ी की 'सुपर सीडर' मशीनों की पेशकश, जिन पर 65 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही थी। बावजूद इसके, शकरगढ़, ज़फ़रवाल और नारोवाल की तीन तहसीलों के किसान पराली जलाना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तलवंडी भंडारन, नोरकोट, अदा सिराज, फ़तेहपुर अफ़गानन और कंवल सहित 12 से ज़्यादा गांवों में पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं। देरियांवाला में हुई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, और 18 घायल हो गए। पाकिस्तान में करप्शन बेकाबू है। फ़तेहपुर निवासी मुहम्मद शरीफ और शाहबाज अली ने बताया कि निगरानी करने वाले अधिकारी इन उल्लंघनों को नज़रअंदाज़ करने के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की रिश्वत मांग रहे हैं, जिससे किसान बेरोक-टोक पराली जला रहे हैं। पाकिस्तान में उत्सर्जन का 20 फीसद, फसल जलाने के कारण होता है। बाक़ी, ईंट-भट्टा उद्योग, शहर से गांव-देहात तक बेतहाशा गाड़ियां, निर्माण उद्योग की धूल-मिट्टी ने वातावरण का बेड़ा ग़र्क़ कर रखा है। भारत जैसा ही हाल आप पाकिस्तान में देखेंगे। ठीक है, टेरर फैलाने वाले पाकिस्तान से हम ट्रेड पर बात नहीं कर रहे, लेकिन पर्यावरण पर तो कर सकते हैं? ऐसी ही समस्या से रूबरू चीन ने, कुछ उपाय किये, जिनमें कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर प्रतिबंध, सड़कों पर कारों की संख्या सीमित करना, और पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसें चलाना शामिल है। चीन ने अपनी कई कोयला खदानें भी बंद कर दीं। चीन ने अपने किसानों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया। उन्हें कन्विंस किया कि फसल जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों का ह्रास, लाभकारी मृदा जैव विविधता, और मिट्टी की उर्वरता में 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है, और यह मिट्टी की जल धारण क्षमता को भी कमज़ोर करता है। भारत से लेकर ब्राज़ील तक, किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली, धुएं का एक गंभीर स्रोत है। लेकिन, दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देश होने के नाते चीन की सरकार दशकों से पराली जलाने को कम करने, और उसके उपयोग खोजने की कोशिश कर रही है। जैसे, इसे खेतों में खाद के रूप में गाड़ना, या इसे पशु आहार या जैव ईंधन में संसाधित करना। चीन ने 2018 में अपने राष्ट्रीय वायु प्रदूषण कानून में संशोधन किया। उल्लंघन करने पर 2,000 युआन (भारतीय मुद्रा में एक युआन लगभग साढ़े 12 रुपये) तक का जुर्माना लगाने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान शामिल किए। चीन का सुदूर उत्तरी प्रान्त हेलोंगचिआंग ने अन्य प्रांतों के साथ प्रतिबंध की शुरुआत की। प्रांत को एक ग्रिड में विभाजित किया गया था, जिसमें काउंटी-स्तरीय सरकारी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए ज़िम्मेदार थे। चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज़्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली। किसानों को पराली इकट्ठा करने वाली मशीनों पर सब्सिडी और पराली आपूर्ति के लिए पारिश्रमिक दिया गया। परिणामस्वरूप, चीन का अनाज उत्पादन 36 प्रतिशत से ज़्यादा बढ़ गया है, जिसका श्रेय बेहतर बीजों, जैविक उर्वरकों के व्यापक उपयोग, और मशीनीकृत कटाई जैसे कारकों को जाता है। ध्यान से देखिये, तो विश्व स्वास्थ्य संगठन के वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को दुनिया भर में केवल सात देश ही पूरा करते हैं। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, एस्टोनिया, फ़िनलैंड, ग्रेनाडा, आइसलैंड, मॉरीशस, और न्यूज़ीलैंड शामिल हैं। यूरोपीय संघ की साझा कृषि नीति के तहत पराली जलाना प्रतिबंधित है। अधिकांश यूरोपीय संघ के देशों ने इस प्रतिबंध को लागू किया है, हालांकि कुछ देशों, जैसे फ्रांस ने ऐतिहासिक रूप से चावल, सन और भांग जैसी कुछ फसलों के लिए छूट दी थी, जिन्हें अब काफी हद तक समाप्त कर दिया गया है। जर्मनी, यूके, स्वीडन, ऑस्ट्रिया और इटली, यूरोप के कुछ प्रमुख देश हैं, जहां अपशिष्ट आग, जिसे 'लैंडफिल आग या कूड़े की आग' भी कहते हैं, की सबसे अधिक घटनाएं होती हैं। 2019 में सर्बिया में लगभग 19,000 खुली आग की घटनाएं दर्ज की गईं। इनके कारण 14 लोगों की मौत हो गई, और 40 घायल हो गए। अमेरिका में किसान पराली को जलाने के बजाय, उससे जैविक खाद बनाते हैं, जो मिट्टी को समृद्ध बनाती है। वहां, पराली को जैव ईंधन, बिजली और बायोगैस में बदलने के लिए उन्नत तकनीकों का भी उपयोग किया जाता है। थाईलैंड में स्थानीय सहकारी समितियां पराली एकत्र करती हैं, और उसे औद्योगिक उपयोग के लिए संसाधित करती हैं, जिससे जलाने की आवश्यकता कम हो जाती है। इंडोनेशिया में सरकार कृषि अपशिष्ट जलाने पर भारी जुर्माना लगाती है। ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और कैलिफ़ोर्निया में हाल की घटनाओं ने फिर से जंगल की आग की ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया है, ख़ुसूसन अमेजन की आग। चावल और गेहूं जैसे अनाज की कटाई के बाद बचे हुए ठूंठ को जानबूझकर आग लगाने की कुप्रथा को रोकने पर एशिया के देश बात क्यों नहीं कर सकते? यूरोप वाले तमाम मतभेदों के बावजूद, बातचीत तो करते हैं।

कुछ अलग

कर्म और आयु

भगवान पुनर्वसु आत्रेय अपने शिष्यों के साथ गमन कर रहे थे, तभी उनके शिष्य अग्निवेश ने उनसे पूछा कि सभी प्राणियों की आयु के निर्धारण का क्या आधार है? इसके उत्तर में भगवान आत्रेय ने कहा, 'इस संसार में प्राणियों की आयु उनके कर्मों और युक्तियों पर निर्भर करती है। आयु की दीर्घता या अल्पता, सुख या दुःख, दैव (भाग्य) और पुरुषकार (स्वयं के कर्म) की शक्ति और अनुकूलता पर निर्भर करती है। जब दैव और पुरुषकार दोनों ही श्रेष्ठ होते हैं, तब आयु दीर्घ, सुखमय और नियत होती है। लेकिन जब दोनों ही कमजोर होते हैं, तो आयु अल्प, दुःखमय और अनियत हो जाती है। बलवान पुरुषकार, दुर्बल दैव को पराजित कर सकता है, जबकि बलवान दैव, दुर्बल पुरुषकार को पराजित कर सकता है। इस प्रकार, कुछ लोग मानते हैं कि आयु का निर्धारण निश्चित और नियत होता है, क्योंकि दैव और पुरुषकार दोनों ही आयु पर प्रभाव डालते हैं।'

आप का नजरिया

तेल प्रतिबंध में अवसर

सत्ता में आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप भारत पर चारों तरफ से जिस तरह से दबाव बनाते रहे हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। एक ही मुद्दे पर उनकी नीति चीन-पाकिस्तान व भारत को लेकर अलग-अलग होती है। उनके हालिया कदमों से भारतीय विदेश नीति असहजता के दौर से गुजर रही है। ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है। कुछ जानकार राष्ट्रपति ट्रंप की यह घोषणा, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिये रुकी हुई वार्ताओं को लेकर बढ़ती निराशा से उपजी बता रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में मास्को द्वारा यूक्रेन पर हमला करने के बाद, भारत रियायती रूसी कच्चे तेल का दूसरा बड़ा खरीददार रहा है। वहीं दूसरी ओर वाशिंगटन प्रशासन का आरोप रहा है कि तेल कंपनियां क्रेमलिन की युद्ध मशीन को वित्तपोषित करने में मदद कर रही हैं। ट्रंप और उनके टीम के सदस्य कई बार भारत पर रूसी तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद करने के बेतुके आरोप भी लगाते रहे हैं। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने रूसी कच्चे तेल का आयात करने पर प्रतिशोध के चलते भारत से आने वाले सामानों पर 25 फीसदी का दंडात्मक शुल्क भी लगाया था। भारत सरकार के लिये यह श्रेय की बात है कि वह रूसी तेल खरीद रोकने के दबाव का दृढ़ता से विरोध करती रही है। भारत सरकार का कहना है कि उसकी प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना है। निस्संदेह, भारत को अब एक और कठिन संतुलन साधने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में मौजूदा चुनौतियों के बीच यदि एक सुनियोजित पुनर्निधारण की आवश्यकता है, तो ऐसा करना चाहिए। वैसे भारी दबाव के बाद भी मोदी सरकार ने ट्रंप सरकार के बार-बार दिए गए उस बयान से खुद को अलग कर लिया है कि वह रूसी तेल आयात में भारी कमी लाएगी। लेकिन अब नये प्रतिबंधों का पालन करने के लिये भारतीय रिफाइनरियों के लिये अल्पावधि में रूसी तेल सौदों से पीछे हटना निश्चित प्रतीत होने लगा है। आने वाले समय में यह दबाव कितना रहेगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ट्रंप, दोनों इस नवीनतम टकराव को किस हद तक झेलने के लिये तैयार हैं। भारतीय रिफाइनरियां आवश्यकता पड़ने पर आसानी से नये स्रोतों की ओर रुख कर सकती हैं और अमेरिकी टैरिफ में कमी करके महंगे तेल आयात की भरपाई की जा सकती है। भारत के हितों के अनुकूल निर्णय लेने की अपनी स्वायत्तता पर जोर देना, नई दिल्ली के लिये असली चुनौती है। हमने सस्ता रूसी तेल खरीदने में एक अलग राह चुनी। अब समय आ गया है कि प्रतिबंधों का लाभ उठाकर अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जो दोनों देशों के लिये फायदेमंद हो।

ट्रंप की भारत को मुश्किल में डालने की तमाम घोषणाएं, अब चाहे मनमाना टैरिफ थोपना हो या भारतीय प्रतिभाओं व नागरिकों पर तरह-तरह की बंदिशे लगाना हो, भारतीय जनमानस में नाराजगी का सबब बनती रही हैं। जानकार मानते हैं कि ट्रंप ये दबाव अमेरिका की प्राथमिकताओं के साथ व्यापार समझौते पर भारत को झुकाने के लिये बना रहे हैं। पाकिस्तान के साथ दरियादिली को भी इसी कड़ी के रूप में देखा जाता रहा है। अब इसी कड़ी में रूस से आने वाला सस्ता तेल बंद करवाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बनी है। भारत कहता रहा है कि वह अपने 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा जरूरतों को अपने बजट में लाने हेतु रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है, जिसका रूस-यूक्रेन युद्ध से कोई सरोकार नहीं है। लेकिन भारत की सॉफ्ट विदेश नीति पर दबाव बनाने हेतु ट्रंप प्रशासन कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। इसी कड़ी में रूसी तेल के दो सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं रोसनेफ्ट और लुकोइल, पर अमेरिकी कड़े प्रतिबंध भारत को की जाने वाली रूसी तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं। संभव है कि भारत के क्रूड ऑयल खरीदने के विकल्प इन प्रतिबंधों से सीमित हो सकते हैं। कुछ राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि यह कदम अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते में एक बड़ी बाधा दूर करने वाला कारक भी साबित हो सकता है।

दृष्टि कोण

दवा उद्योग नहीं, जन स्वास्थ्य को मिले प्राथमिकता

ज़हरीले औद्योगिक रसायन की मौजूदगी वाले कफ़ सिरप के सेवन से काफी तादाद में हुई बच्चों की मौतें भारत की नाकाम दवा नियंत्रण एवं नियामक प्रणाणी पर फिर से ध्यान खींचती हैं। हाल के वर्षों में, स्वदेश और विदेशों में भी, भारत निर्मित दवाओं से जुड़ी ऐसी कई दुखद घटनाएं हुई हैं। हर बार, हमारी प्रतिक्रिया एक जैसी होती है—मौतों का ज़िम्मेदार विषाक्त या घटिया दवाओं को ठहराया जाता है, राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा जांच की रस्म निभाई जाती है, कुछ छिटपुट उत्पादन इकाइयों पर छापे मारे जाते हैं, नियमों का सही ढंग से पालन न करने की रिपोर्ट आती है, कुछेक इकाइयों के उत्पाद लाइसेंस निलंबित कर दिए जाते हैं, स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा राज्यों को नियामक मानदंडों को 'सख्ती से' लागू करवाने का निर्देश दिया जाता है। फिर जल्द ही 'पहले जैसा क्रियाकलाप' शुरू हो जाता है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं होती, नियम जस-के-तस, दवा नियामक निकायों में रिक्त पदों को नहीं भरा जाता, किसी भी दोषी इकाई को स्थायी रूप से बंद नहीं किया जाता, और पिछली घटनाओं की जांच के निष्कर्षों को साझा करने की कोई ज़हमत नहीं उठाता। कफ़ सिरप को जहरीला बनाने वाले कारक अब सर्वविदित हैं: डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉल। इन दोनों जहरीले रसायनों के विषाक्त प्रभावों में पेटदर्द, उल्टी, दस्त, पेशाब करने में असमर्थता, सिरदर्द, मानसिक स्थिति में बदलाव और गुर्दे को गंभीर आघात शामिल हैं, जिससे मौत भी हो सकती है। ऐसा प्रतीत होता है कि कफ़ सिरप बनाते समय, खासकर प्रोपाइलिन ग्लाइकॉल और पॉलीइथाइलिन ग्लाइकॉल जैसे घटकों का उपयोग करने वाले सिरपों में, डाईइथालिन ग्लाइकॉल और इथाईलिन ग्लाइकॉलर रसायनों का उपयोग मिलते जुलते नामों में गफलत होने से हो जाता है। गाम्बिया, उज़्बेकिस्तान, कैमरून, इराक और अन्य देशों में 'भारत में निर्मित' उत्पादों के सेवन से दर्जनों बच्चों की मौत के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वहां के राष्ट्रीय नियामकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को चेतावनी देते

हुए कहा है कि यदि उनके देशों में ऐसे उत्पाद पाए जाते हैं, तो उसकी सूचना दें। एजेंसी ने राष्ट्रीय अधिकारियों को दवाओं के उपयोग से पहले उनकी उत्पादन सामग्री में डाईइथाइलिन ग्लाइकॉल की उपस्थिति की जांच करने की सलाह दी है। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई मौतों के लिए भी यही डाईइथाइलिन ग्लाईकॉल ज़िम्मेदार है। रंज होता है कि कफ़ सिरप निर्माता इतने लापरवाह हैं कि उनके उत्पाद की सामग्री में घातक विषाक्त पदार्थ का उपयोग हो जाए। निःसंदेह, वे अनिवार्य शर्त यानी 'गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज' (जीएमपी) नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। अब या तो वे जीएमपी का पालन नहीं कर रहे या सरकार ने उन्हें लंबी रस्सी दे रखी है? जहरीली दवाओं से होने वाली हर मौत के बाद, जीएमपी लागू करने या उसे और सख्त बनाने की बात होती है। लेकिन जैसे ही अमल होने लगता है, लघु एवं मध्यम दवा निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग संघ जीएमपी नियमों को लागू करने के लिए समय मांगते हैं या उनमें ढील देने की मांग करते हैं, यह बहाना बनाते हैं कि उनके पास मानदंडों को लागू करने लायक क्षमता नहीं है। सरकार भी इसलिए सहानुभूति रखती है, क्योंकि नियमों का सख्ती से पालन या अनुपालन न करने वाली इकाइयों के बंद होने पर उसके 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को धक्का लग सकता है। गाम्बिया में 68 बच्चों की मौत के बाद, भारतीय एजेंसियों ने तो उलटे विश्व स्वास्थ्य संगठन पर प्रक्रियाओं का पालन न करने का आरोप जड़ डाला और इसमें भारतीय निर्यात को बदनाम करने की साजिश देखी।

ट्रंप का दावा : भारत ने रूसी तेल लेना बंद किया, चीन ने की भारी कमी, भारत ने दावों को किया खारिज

वाशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को दावा किया कि भारत ने रूस से तेल आयात पूरी तरह रोक दिया है, जबकि चीन ने भी रूसी तेल की खरीद में भारी कमी की है। यह बयान मॉस्को की प्रमुख तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर नए अमेरिकी प्रतिबंधों की घोषणा के दौरान आया।

ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति विमान में संवाददाताओं से कहा, चीन ने रूसी तेल की खरीद में भारी कटौती की है और भारत ने इसे पूरी तरह बंद कर दिया है। हमारे प्रतिबंधों का असर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करेगा और वैश्विक ऊर्जा बाजार में बदलाव लाएगा।

हालांकि, भारत सरकार ने ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत की ऊर्जा आयात नीति राष्ट्रीय हितों और ऊर्जा सुरक्षा पर आधारित है, जो किसी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होती। आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2025 में भारत ने रूस से प्रतिदिन 1.8 मिलियन बैरल तेल आयात किया, जो पिछले महीनों के समान है। रूसी तेल भारत के 40 प्रतिशत तेल आयात का हिस्सा है, और इसकी सस्ती कीमत इसे अपरिहार्य बनाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत इसे पूरी तरह बंद नहीं कर सकता ।ट्रंप का यह बयान दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ होने वाली महत्वपूर्ण बैठक से पहले आया। यह मुलाकात व्यापार, प्रौद्योगिकी और कच्चे माल पर तनाव कम करने के लिए हो रही है। ट्रंप ने आशा जताई कि इससे व्यापार युद्ध खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, हम कृषि व्यापार और चीन से आने वाली फेंटानिल दवाओं के घटकों पर भी बात करेंगे, जो अमेरिका में हजारों लोगों की जान ले रही हैं। फेंटानिल, एक घातक नशीली दवा, अमेरिका में संकट का कारण बनी हुई है। ट्रंप ने पहले भी दावा किया था कि भारत 2025 के अंत तक रूसी तेल आयात शून्य कर देगा।

उन्होंने कहा, भारत ने मुझसे कहा कि वे धीरे-धीरे इसे रोक रहे हैं। लेकिन भारत की स्वतंत्र नीति ने उनके दावों को चुनौती दी है। अमेरिकी प्रतिबंध रूस को कमजोर करने की रणनीति का हिस्सा हैं, लेकिन भारत का रुख स्पष्ट है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता देगा।

न्यूज़ ब्रीफ

मिशन 'चांगे-6' ने चांद से लाए दुर्लभ खनिज के नमूने

बीजिंग। चीन के चांद मिशन 'चांगे-6' ने जो मिट्टी का नमूना वापस लाया है, उसमें ऐसे दुर्लभ खनिज मिले हैं जो सीधे तौर पर हमारे सोलर सिस्टम के बाहर से आए प्रतीत होते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में चीन की इस खोज ने वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मिट्टी में सीआई कॉन्ड्राइट्स नामक दुर्लभ मीटियोराइट्स के अवशेष मिले हैं। ये खनिज बेहद कीमती हैं क्योंकि इनमें पानी और ऑर्गेनिक पदार्थ मौजूद होते हैं यानी जीवन के लिए आवश्यक घटक। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये सीआई कॉन्ड्राइट्स कार्बन और धातु से बने होते हैं और माना जाता है कि इनकी उत्पत्ति सौरमंडल के बाहरी इलाकों में अरबों साल पहले हुई थी। बाद में ये धीरे-धीरे सौरमंडल के अंदर की ओर आए और चांद सहित कई ग्रहों की सतह पर आकर जमा हो गए। चांगे-6 ने करीब दो किलो चांद की मिट्टी चांद के दक्षिणी ध्रुव के सबसे पुराने और विशाल इम्पैक्ट क्रेटर से इकट्ठा की थी। क्योंकि चांद पर न तो वातावरण है और न ही भूकंपीय हलचलें, इसलिए वहां यह प्राचीन सामग्री आज भी लगभग वैसी ही सुरक्षित है जैसी अरबों साल पहले थी। यह मिट्टी वैज्ञानिकों के लिए एक तरह की टाइम मशीन जैसी बन गई है, जिससे वे सौरमंडल के शुरुआती दिनों की झलक पा सकते हैं। इन नमूनों की जांच माइक्रोस्कोपी और आइसोटोपिक एनालिसिस जैसी उन्नत तकनीकों से की गई। परिणामों में यह स्पष्ट हुआ कि इनमें पानी से भरपूर खनिज मौजूद हैं। यह खोज इस बात की ओर इशारा करती है कि पानी और जीवन के मूल तत्व सिर्फ पृथ्वी पर ही नहीं बने थे, बल्कि वे दूर के आकाशीय पिंडों से भी हमारी धरती और चांद तक पहुंचे।

महिलाएं आठ गुना ज्यादा होती हैं घुटने की चोटों की शिकार

वाशिंगटन। महिलाएं पुरुषों की तुलना में दो से आठ गुना ज्यादा घुटने की चोटों की शिकार होती हैं। इनमें सबसे आम एसीएल (अंटेरियर क्रूसियेट लिगामेंट) इंजरी, ओस्टियोआर्थराइटिस और पैटेलोफेमोरल पेन सिंड्रोम शामिल हैं। एक ताजा रिसर्च के अनुसार, हर 10 में से एक महिला कॉलेज एथलीट को हर साल घुटने में गंभीर चोट लग जाती है, जो पुरुषों की तुलना में पांच से छह गुना अधिक है। आम खेल खेलने वाली महिलाओं में भी यह खतरा पुरुषों की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक पाया गया है। एसीएल घुटने की चार मुख्य लिगामेंट्स में से एक है, जो जांघ और पिंडली की हड्डियों को जोड़ता है और अचानक रुकने या दिशा बदलने जैसी गतिविधियों को नियंत्रित करता है। फुटबॉल, बास्केटबॉल, टेनिस और सॉकर जैसी खेल गतिविधियों में एसीएल चोट के लिए संवेदनशील होती है। चोट लगने पर तेज दर्द, पॉप की आवाज़, सूजन और घुटने में कमजोरी जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। महिलाओं में घुटनों की चोट का खतरा शरीर की बनावट, बायोमैकेनिक्स और मांसपेशियों के असंतुलन की वजह से अधिक होता है। महिलाओं के कूल्हे आमतौर पर बड़े होते हैं और उनके घुटने अंदर की ओर झुकते हैं, जिससे एसीएल पर अधिक दबाव पड़ता है। इसके अलावा, महिलाएं अक्सर सीधे पैर रखकर लैंडिंग करती हैं, जिससे घुटनों पर अतिरिक्त तनाव आता है।

दुनिया की पहली मेगा-फेस्ट पार्टी: 70,000 मेहमानों की खातिरदारी में हजारों जानवरों की बलि

लंदन। आपको लगता है कि हॉलीवुड-बॉलीवुड के स्टार की पार्टियां या अरब शेखों के जश्न सबसे बड़े होते हैं तो आपको प्राचीन काल की एक पार्टी के बारे में जानना चाहिए। 3,000 साल पहले की उस दावत से आप अनजान हैं, जिसने इतिहास में 'भव्यता' की परिभाषा तय की थी। यह थी असूरी साम्राज्य के शासक अशुरनासिरपाल द्वितीय की दावत, जो न सिर्फ भोजन का उत्सव थी, बल्कि शक्ति, समृद्धि और साम्राज्य की एकजुटता का प्रतीक थी। 879 ईसा पूर्व में इराक के प्राचीन शहर काल्हू में उनके नए महल के उद्घाटन पर यह 10 दिनों तक चली पार्टी इतनी विशाल थी कि इतिहासकार इसे 'दुनिया की पहली दर्ज मेगा-फेस्ट' कहते हैं। 3,000 साल पहले असूरी साम्राज्य के शासक अशुरनासिरपाल द्वितीय ने ऐसी दावत दी, जिसने भव्यता की परिभाषा तय की। 879 ईसा पूर्व में इराक के काल्हू शहर में नए महल के उद्घाटन पर 10 दिन तक चली यह पार्टी दुनिया की पहली मेगा-फेस्ट थी। शिलालेख के अनुसार, 69,574 मेहमानों को आमंत्रित किया गया। इसमें 47,074 सामान्य नागरिक, 5,000 विदेशी दूत, 16,000 स्थानीय लोग और 1,500 महल अधिकारी शामिल थे। मेहमानों का स्नान, सुगंधित तेल से मालिश और तोहफों के साथ स्वागत किया गया। आयोजन खुले प्रांगण में हुआ, जहां मशालें जलती थीं और मसालों की महक थी।यह दावत केवल जश्न नहीं, बल्कि असूरी साम्राज्य की शक्ति और उदारता का प्रदर्शन थी। विदेशी दूतों को बुलाकर राजा ने अपनी समृद्धि दिखाई।

कोरल सागर और म्यांमार में भूकंप के झटके : वानुआतु में दहशत, इमारतें हिलीं

नाएप्यीडॉ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कोरल सागर में 6.0 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिसने वानुआतु में लोगों को दहशत में डाल दिया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका सुबह 4:58 बजे दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र अक्षांश 12.34 दक्षिण और देशांतर 166.46 पूर्व पर था, जो वानुआतु की राजधानी पोर्ट विला से लगभग 643 किलोमीटर उत्तर-उत्तर-पश्चिम में स्थित है। इसकी गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी। अभी तक किसी नुकसान या जानमाल के हानि की कोई सूचना नहीं मिली है। स्थानीय प्रशासन और भूकंप निगरानी एजेंसियां स्थिति पर कड़ी नजर रख रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सतह के करीब होने वाले भूकंप अधिक खतरनाक होते हैं, क्योंकि इनके झटके जमीन तक अधिक तीव्रता के साथ पहुंचते हैं, जिससे इमारतों को नुकसान और जानमाल के खतरे की संभावना बढ़ जाती है।

अमेरिकी संस्था सिस्मोलॉजिकल फैसिलिटी फॉर द एडवांसमेंट ऑफ जियोसाइंस (सेज) के अनुसार, सोलोमन और वानुआतु द्वीप उस क्षेत्र में स्थित हैं, जहां इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट प्रशांत प्लेट के नीचे खिसक रही है। यह क्षेत्र भूकंपीय गतिविधियों के लिए अत्यंत सक्रिय माना जाता है, जहां बड़े भूकंप बार-बार आते रहते हैं। सेज ने बताया कि यह क्षेत्र कई छोटी-छोटी माइक्रोप्लेट्स के बीच है, जो बड़ी टेक्टॉनिक प्लेट्स के बीच फंसी हुई हैं। ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप हर साल लगभग 6 सेंटीमीटर उत्तर-पूर्व की ओर खिसकता है, और कुछ स्थानों पर यह गति 13 सेंटीमीटर प्रति वर्ष तक हो सकती है। पिछले साल 2024 में वानुआतु के पोर्ट विला में 7.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें 14 लोगों की जान गई थी और कई इमारतें ध्वस्त हो गई थीं। उस दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ ने स्थानीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ मिलकर रेडियो, पोस्टर और सामुदायिक अभियानों के माध्यम से लोगों को सुरक्षा के बारे में जागरूक किया था।

म्यांमार में भी भूकंप के झटके राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रविवार तड़के म्यांमार में 3.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह भूकंप भी 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया, जिससे आफ्टरशॉक की संभावना बढ़ गई है। इससे पहले, 16 अक्टूबर को म्यांमार में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

अमेरिका में 24 दिन से सरकारी शटडाउन जारी: इतिहास का दूसरा सबसे लंबा ठप, लाखों कर्मचारी बिना सैलरी काम करने को मजबूर

वॉशिंगटन। अमेरिका में 1 अक्टूबर से जारी सरकारी शटडाउन अब 24वें दिन में पहुंच गया है। यह अब तक के इतिहास का दूसरा सबसे लंबा शटडाउन बन गया है। इससे पहले 2018 में 35 दिन और 1995 में 21 दिन तक सरकार ठप रही थी। ताजा स्थिति में 7.5 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारी या तो बिना वेतन काम कर रहे हैं या बिना सैलरी के छुट्टी पर हैं। कई कर्मचारियों को अपने घर का खर्च चलाने के लिए कर्ज लेना पड़ रहा है। दरअसल सीनेट में 20 अक्टूबर को फंडिंग बिल पास करने के लिए 11वीं बार वोटिंग हुई, लेकिन जरूरी 60 वोटों में से केवल 55 वोट ही मिल पाए। इसके चलते गतिरोध जारी है। इस पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विपक्षी डेमोक्रेट्स पर निशाना साधते हुए कहा, हम उनके पागलपन भरे दबाव में नहीं झुकेंगे। डेमोक्रेट सांसदों को जनता के हित में आगे आना चाहिए। विवाद की जड़: ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी शटडाउन का मुख्य कारण ओबामा हेल्थ केयर एक्ट पर असहमति को बताया गया है। डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस सब्सिडी बढ़ाई जाए, ताकि गरीबों को राहत मिले। वहीं रिपब्लिकन पार्टी का तर्क है कि इससे सरकारी खर्च बढ़ेगा और अन्य विभागों के काम प्रभावित होंगे। यह शटडाउन चार मायनों में है अलग राजनीतिक टकराव बढ़ा: अब बातचीत की जगह आरोप-प्रत्यारोप हावी हैं। डेमोक्रेट बनाम ट्रम्प टकराव: ट्रम्प फंडिंग पर नियंत्रण रखना चाहते हैं, डेमोक्रेट्स इसका विरोध कर रहे हैं। रिपब्लिकन रणनीति: ट्रम्प इसे सरकारी नौकरियों और योजनाओं में कटौती का मौका मान रहे हैं। अर्थव्यवस्था पर असर: अनुमान है कि हर हफ्ते 0.2 प्रतिशत जीडीपी का नुकसान हो रहा है। यदि गतिरोध जल्द नहीं सुलझा, तो यह शटडाउन 2018 के 35 दिन वाले रिकॉर्ड को भी पार कर सकता है, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और प्रशासन दोनों पर भारी असर पड़ने की आशंका है।

जापान का अनोखा रेस्टोरेंट: जहां खाने से पहले ग्राहकों को वेटरेस मारती हैं थप्पड़, फिर भी लगी रहती है भीड़

टोक्यो, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आमतौर पर किसी भी रेस्टोरेंट में ग्राहकों का स्वागत मुस्कान और नम्रता से किया जाता है, लेकिन जापान का एक रेस्टोरेंट अपनी इस परंपरा को बिल्कुल उलट चुका है। यहां ग्राहकों का स्वागत थप्पड़ मारकर किया जाता है, और हैरानी की बात यह है कि लोग पैसे देकर थप्पड़ के साथ खाना खाने आते हैं।

जानकारी अनुसार यह अनोखा रेस्टोरेंट जापान के नागोया शहर में स्थित है, जिसका नाम शचिहोकोया-या है। यहां वेटरेस पारंपरिक कीमोनो पोशाक में ग्राहकों को थप्पड़ मारती हैं। एक थप्पड़ खाने के लिए ग्राहक 300 जापानी येन (करीब 169रुपये) चुकाते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रेस्टोरेंट साल 2012 में खोला गया था। शुरुआत में इसका बिजनेस बहुत अच्छा नहीं चल रहा था और यह बंद होने की कगार पर था। तभी मालिक ने ग्राहकों का ध्यान खींचने के लिए थप्पड़ स्वागत सेवा शुरू की। इसके बाद तो जैसे रेस्टोरेंट की किस्मत पलट गई। लोगों को यह अनुभव इतना अनोखा लगा कि वे दूर-दूर से यहां थप्पड़ खाने आने लगे।

महिला स्टाफ की बढ़ी मांग

थप्पड़ मारने का काम सिर्फ महिला वेटरेस को दिया गया है, पुरुष स्टाफ को इसकी अनुमति नहीं है। ग्राहकों की संख्या इतनी बढ़ गई कि रेस्टोरेंट को अधिक महिला कर्मचारियों की भर्ती करनी पड़ी।

मनपसंद वेटरेस से थप्पड़ खाने का भी विकल्प

अगर कोई ग्राहक अपनी पसंद की वेटरेस से थप्पड़ खाना चाहता है तो उसे 500 जापानी येन (करीब 283रुपये) देने होते हैं। कई बार वेटरेस इतना जोर का थप्पड़ मारती हैं कि ग्राहक अपनी कुर्सी से नीचे गिर जाता है, फिर भी लोग इस अनुभव के लिए लाइन लगाते हैं। इस अनोखे कॉन्सेप्ट के कारण अब यह रेस्टोरेंट जापान ही नहीं बल्कि दुनिया भर में स्लैप रेस्टोरेंट के नाम से मशहूर हो चुका है।

नेपाल : कार्की कैबिनेट में 4 नए मंत्रियों का होगा शपथ ग्रहण

डा. सुधा शर्मा गौतम | गणपतिलाल श्रेष्ठ | खगेन्द्र सुनार | बब्लु गुप्ता

काठमांडू। सुशीला कार्की के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले चार नए मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप दे दिया गया है और उनके शपथ लेने की तैयारी चल रही है। नए मंत्रियों में डॉ. सुधा गौतम, गणपति लाल श्रेष्ठ, खगेंद्र सुनार और बबलू गुप्ता शामिल हैं। डॉ. गौतम को स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय, गणपति श्रेष्ठ को संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्रालय, सुनार को श्रम और रोजगार मंत्रालय और गुप्ता को युवा और खेल मंत्रालय दिए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से यह पुष्टि की गई है कि प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने राष्ट्रपति कार्यालय को सभी चार नामों की सिफारिश कर दी है। पीएमओ की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक कार्की द्वारा सिफारिश किए गए चार मंत्रियों का शपथ होने की संभावना है।

काठमांडू का होटल हयात रिजेंसी अनिश्चितकाल के लिए बंद जेन जी आंदोलन के दौरान हुई थी भारी तोड़फोड़ और आगजनी

काठमांडू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

काठमांडू में पांच सितारा तारागांव रीजेंसी होटल (हयात रीजेंसी) अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गया है। इस होटल में 9 सितंबर को जेन जी आंदोलन के दौरान व्यापक तोड़फोड़ और आगजनी हुई थी और होटल को काफी नुकसान पहुंचा था।

होटल के मानव संसाधन निदेशक ने नोटिस जारी कर होटल के अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हयात होटल के 400 कमरे में से 70 कमरे और लॉबी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके लिए व्यापक मरम्मत और नवीकरण की आवश्यकता है। नोटिस में कहा गया है कि संरचना, उपकरण और सुरक्षा प्रणालियों को भी बहुत नुकसान पहुंचने के कारण सभी वाणिज्यिक सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। कर्मचारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अगली सूचना तक काम पर रिपोर्ट न करें।

हयात रीजेंसी काठमांडू साल 2000 से अपनी सेवाएं दे रहा है। यह 403 कमरों के साथ काठमांडू का प्रतिष्ठित पांच सितारा होटल है। जेनजी विद्रोह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने होटल में घुसकर तोड़फोड़ तथा आगजनी कर दी थी। इसी क्रम में वहां ठहरे सैकड़ों भारतीय पर्यटकों को भागना पड़ा था।

आगजनी के कारण मची भगदड़ में एक भारतीय महिला पर्यटक की उस वक्त मौत हो गई जब वह अपनी जान बचाने के लिए तीसरी मंजिल से नीचे कूद गई। बाहर निकलने के सारे रास्ते आग के हवाले किए जा चुके थे, जिस कारण से खिड़की से खुद कर उस महिला पर्यटक ने जान बचाने की कोशिश की थी।

कुआलालंपुर में दो दिवसीय आसियान शिखर सम्मेलन, ट्रंप मलेशिया पहुंचे, भारत से डॉ. जयशंकर ले रहे हैं हिस्सा

कुआलालंपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में दो दिवसीय आसियान शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर इसमें हिस्सा ले रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मलेशिया पहुंच गए हैं। कुआलालंपुर में शुरू हो रहे दो दिवसीय आसियान शिखर सम्मेलन की थीम है- क्ष्नक्लूसिविटी एंड सस्टनेबिलिटी। आसियान दक्षिण-पूर्व एशिया के दस देशों का मंच है, जहां व्यापार, सुरक्षा, शिक्षा और संस्कृति जैसे मुद्दों पर बातचीत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से बातचीत कर स्पष्ट किया कि वे 47वें आसियान शिखर सम्मेलन के लिए कुआलालंपुर नहीं जाएंगे, बल्कि वर्चुअल माध्यम से इसमें शामिल होंगे ।उन्होंने एक्स पोस्ट कर इसकी जानकारी खुद साझा की।

इस शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भी हिस्सा ले रहे हैं जो मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक कर थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद पर शांति समझौते को अंतिम रूप देंगे। साल 2017 के बाद ट्रंप पहली बार आसियान शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं।

पाकिस्तान में हमास की बढ़ती घुसपैठ : नाजी जहीर की खतरनाक गतिविधियों ने बढ़ाई चिंता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद को पनाह देने के लिए बदनाम रहा है, लेकिन अब यह देश एक नया खतरनाक खेल खेल रहा है। हमास, एक आतंकी संगठन, पाकिस्तान में तेजी से अपनी जड़ें जमा रहा है। इसकी शुरुआत 2023 से हुई, जब हमास ने अपने खूंखार लड़ाके नाजी जहीर को गुप्त मिशन पर पाकिस्तान भेजा। जहीर ने कम समय में ही पाकिस्तान में अपनी मजबूत मौजूदगी बना ली। पाकिस्तान की असलियत अब दुनिया के सामने है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ वैश्विक मंचों पर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात करते हैं, लेकिन मिडिल ईस्ट फोरम नामक थिंक टैंक ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान हमास का नया ठिकाना बन रहा है। यह स्थिति पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है, खासकर तब जब वह अमेरिका का प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी होने का दावा करता है। हमास ने नाजी जहीर को अपना विशेष प्रतिनिधि बनाकर पाकिस्तान भेजा। 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हुए नरसंहार के बाद जहीर को लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद जैसे आतंकी संगठनों ने अपने आयोजनों में मुख्य अतिथि के रूप में बुलाना शुरू किया। जहीर अब इन आतंकी मंचों का स्थायी सदस्य बन चुका है और फिलिस्तीन समर्थक भड़काऊ बयानबाजी करता रहता है। वह रैलियों में हिस्सा लेता है और जिहादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाले दिमागी प्रचार कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा इजरायली नागरिकों के नरसंहार के ठीक एक सप्ताह बाद जहीर ने पेशावर में एक भव्य फिलिस्तीन समर्थक रैली आयोजित की।

आईसीसी महिला विश्व कप : अलाना किंग ने इतिहास रचा, ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 7 विकेट से रौंदा

दक्षिण अफ्रीका की टीम घाव लेकर सेमीफाइनल में

इंदौर,26 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के 26वें मैच में शनिवार को इंदौर के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने लेग स्पिनर अलाना किंग के रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका महिला टीम को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत ने जहां ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की राह को और मजबूत किया, वहीं दक्षिण अफ्रीका को अपनी खामियों पर विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है।

अलाना किंग (7 विकेट) का रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और उनकी स्पिनर अलाना किंग ने अपनी घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। किंग ने अपने 7 ओवर के स्पेल में सिर्फ 18 रन देकर रिकॉर्ड 7 विकेट हासिल किए, जो महिला वनडे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में किसी भी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण अफ्रीका की टीम मात्र 24 ओवर में 97 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

जवाब में, 98 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (नाबाद 38) और बेथ मूनी (42) की तेज पारियों की बदौलत यह मैच 16.5 ओवर में ही जीत लिया। ऑस्ट्रेलिया ने 199 गेंदें शेष रहते यह जीत दर्ज कर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। अलाना किंग को उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सेमीफाइनल से पहले दक्षिण अफ्रीका की चिंता ऑस्ट्रेलिया के हाथों 97 रन पर सिमटने से पहले दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप चरण में इंग्लैंड के खिलाफ भी 69 रन पर आउट होना पड़ा था। इन दो करारी शिकस्तों ने टीम के सामने यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वे नॉकआउट के दबाव में प्रदर्शन कर पाएंगे। बल्लेबाज सिनालो जाफ्ता, जिन्होंने टीम के लिए सर्वाधिक 29 रन बनाए, ने मैच के बाद स्वीकार किया कि टीम को स्पिन के खिलाफ अपनी तकनीक सुधारनी होगी।

न्यूज ब्रीफ

गावसकर बोले, ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटरों से छेड़छाड़ के आरोपी को सख्त सजा मिले

इंदौर। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावसकर ने विश्वकप के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों से हुई छेड़छाड़ पर नाराजगी जताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस घटना से क्रिकेट जगत में बेहद गुस्सा है। ये दोनों महिला खिलाड़ी इंदौर में अपने होटल से एक कैफे की ओर जा रहीं थीं। तभी एक बाइक सवार ने उनसे छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने हालांकि आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस घटना पर गावसकर ने कहा, भारत भूमि 'अतिथि देवो भव' के लिए जानी जाती है। ऐसे में इस प्रकार की घटना होना बहुत शर्मनाक है। उम्मीद है कि कानून अपना काम करेगा और दोषी को कड़ी सजा मिलेगी। साथ ही कहा कि उसे जेल में डाल दो और चाबी फेंक दो। यही एक तरीका है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भी इस घटना की निंदा की और कहा कि बोर्ड इस मामले से कड़ी से कड़ी कार्रवाई चाहता है। उन्होंने कहा, यह एक बेहद निंदनीय लेकिन अलग-थलग घटना है। भारत अपनी मेहमाननवाज़ी के लिए जाना जाता है। हम मध्य प्रदेश पुलिस का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने तुरंत कार्रवाई की। हम सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा करेंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

श्रेयस अय्यर चोटिल होने के कारण अगले तीन सप्ताह तक नहीं खेल पायेंगे : बीसीसीआई

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोटिल होने के कारण अगले तीन सप्ताह तक खेल से दूर रहेंगे। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। अय्यर को एलेक्स कैरी का कैच पकड़ने के दौरान झटका लगा था जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर जाना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा कि श्रेयस को मैच के दौरान अस्पताल ले जाया गया था। शुरुआती जांच में उनकी मांसपेशी में झटका आया है। इस कारण उन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक आराम करना होगा। वहीं रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा। वहीं अगर हल्का फ्रैक्चर पाया गया तो वापसी में और देर से हो सकती है। उनके 30 नवंबर से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका एकदिवसीय सीरीज से पहले फिट होने को लेकर भी संशय है।

रोहित एकदिवसीय में 100 कैच लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गये तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही एकदिवसीय में 100 कैच लेने का भी रिकार्ड बनाया है। रोहित ने तीसरे एकदिवसीय में दो कैच पकड़कर अपने 100 कैच पूरे किये। रोहित ने नाथन एलिस का कैच लेकर अपने करियर का 100वां कैच लपका। इसी के साथ ही एकदिवसीय क्रिकेट में 100 कैच लेने वाले वह सातवें भारतीय खिलाड़ी बन गए। रोहित ने ये उपलब्धि अपने 276वें मैच में हासिल की। रोहित से पहले विराट कोहली ने 305 मैच में 164 कैच, मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 334 मैच में 156 कैच, सचिन तेंदुलकर ने 456 मैच में 140 कैच, राहुल द्रविड़ ने 344 मैच में 124 कैच, सुरेश रैना ने 226 मैच में 102 कैच, और सौरव गांगुली ने 311 मैच में 100 कैच लिए थे। रोहित ने तीसरे एकदिवसीयम में अपनी अपनी 121 रनों की पारी में 3 छक्के और 13 चौके लगाये थे। इस प्रकार रोहित ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीनों प्रारुपों को मिलाकर 50 शतक लगाया। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के तीसरे और अब तक के 10वें बल्लेबाज हैं। रोहित की शतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने 237 के लक्ष्य को 38.3 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल करते हुए अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

रोहित व विराट के विफल होने का इंतजार कर रहे लोगों को मिला जवाब : कैफ

नयी दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अच्छे प्रदर्शन पर रोहित शर्मा और विराट कोहली की सराहना की है। कैफ के अनसार कुछ लोग ये चाहते थे कि ये असफल हों जिससे इन्हे 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में शामिल नहीं करना पड़े। कैफ ने अनुसार रोहित और विराट ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपने प्रदर्शन से ऐसे लोगों को करारा जवाब दिया है। साथ ही कहा कि इन दोने का दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप में रहना बेहद जरुरी है क्योंकि वहां की की तेज़ पिचों पर अनुभवी और बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों की ही जरुरत है। उन्होंने कहा कि टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, एकदिवसीय में ही ये दोनो खेल रहे हैं जिससे प्रशंसकों को इन्हें देखने का अवसर भी मिल रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट ने अपनी बल्लेबाजी से आलोचकों को जवाब दिया है। वहीं कप्तान शुभमन गिल का प्रदर्शन पूरी सीरी में अच्छा नहीं रहा। कैफ ने कहा, कई लोग इनकी हार का इंतजार कर रहे थे पर विराट और रोहित दोनों में जबरदस्त जुनून और इच्छाशक्ति है। वे इस प्रारुप में अपने तरीके से खेलना चाहते हैं, जिससे कोई उन्हें टीम से बाहर नहीं कर पाये। दोनो ने जिस प्रकार तीसरे एकदिवसीय में 168 रनों की इस साझेदारी की है। उससे इनके अनुभव, साहस और समझदारी का अंदाजा होता है। कैफ के अनुसार रोहित और विराट को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में होना चाहिये। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की तेज और उछाल भरी पिचों पर रोहित और विराट जैसे ही बल्लेबाजों की जरुरत है।

2027 विश्वकप के बाद ही संन्यास लेंगे रोहित : दिनेश लाड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड का कहना है कि रोहित 2027 एकदिवसीय विशककप खेलने के बाद ही संन्यास लेना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में शानदार बल्लेबाजी कर रोहित ने विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। रोहित की बढ़ती उम्र को देखकर यह कहा जा रहा था कि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें एकदिवसीय को भी अलविदा कहना पड़ेगा पर अब ऐसा नहीं लगता है। रोहित ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। सिडनी में तीसरे एकदिवसय में शतक लगाने से पहले उन्होंने एडिलेड में भी अर्धशतक बनाया था। वह सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। रोहित को तीसरे एकदिवसीय में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड मिला। ऐस में उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने साफ कर दिया है कि रोहित विशकप के बाद ही संन्यास लेंगे। वर्ल्ड कप खेलने वाले हैं उसके बाद ही वह रिटायरमेंट लेंगे। सिडनी में 237 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए रोहित ने 121 रनों की नाबाद पारी खेली। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का 50वां शतक रहा। इस दौरान उन्होंने विराट कोहली के साथ शतकीय साझेदारी भी की। 2020 के बाद दोनों के बीच एकदिवसीय क्रिकेट में 100 या उससे अधिक रन की साझेदारी हुई। वहीं इससे पहले पर्थ और एडिलेड में लगातार दो बार 0 पर आउट होने के बाद 74 रनों की नाबाद पारी खेलने वाले विराट कोहली को लेकर उन्होंने कहा, विराट के बारे में हर दिन गलतफहमियां होती हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो कभी भी और कहीं भी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

2027 विश्वकप में अहम भूमिका निभा सकते हैं हर्षित : शुभमन

सिडनी,26 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन ने ये भी संकेत दिये हैं कि 2027 विश्वकप में हर्षित अहम भूमिका निभा सकते हैं। इससे साफ है कि हर्षित 2027 एकदिवसीय विशककप के लिए टीम की योजना में शामिल हैं। शुभमन के अनुसार टीम को राणा जैसे गेंदबाज ऑलराउंडर की जरूरत होगी जो गेंदबाजी के साथ ही तेजी से रन भी बना सके।

गिल ने कहा कि अगर हर्षित लगातार 20-25 रन भी बनाते हैं, तो वह नंबर आठ पर टीम के लिए अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं। गिल ने कहा, हमें भरोसा है कि हर्षित ये कर सकते हैं, और आठवां नंबर टीम के लिए बहुत अहम है।

राणा ने तीसरे एकदिवसीय में 4 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी को दबाव में ला दिया था। कप्तान ने माना है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी तेज पिचों पर लंबे और 140 से अधिक तेजी से गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों की जरुरत रहेगी क्योंकि ऐसे तेज गेंदबाज बहुत कम हैं जो ऊंचे भी हैं और लगातार तेजी से गेंदबाजी करते हैं।

भारत की जीत में हर्षित के अलावा स्पिनरों की अहम भूमिका रही। ऐसे में शुभमन ने उनकी भी प्रशंसा की और कहा कि स्पिनरों ने बल्लेबाजों पर अंकुश लगाये रखा। उन्होंने शुरुआती ओवरों में जो दबाव बनाया। उसका लाभ राणा को मिला।

पैन पैसिफिक ओपन टेनिस

टोक्यो में पैन पैसिफिक ओपन टेनिस में खेलती हुई स्विटजरलैंड की बैलिंडा बेनसिस।

ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले हीली के वापस होने की उम्मीद

नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में 30 अक्टूबर को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का भारत से मुकाबला है। नवी मुंबई के डॉ. डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाने वाले इस महत्वपूर्ण मैच के लिए ऑस्ट्रेलिया को चोटिल कप्तान एलिसा हीली की वापसी की उम्मीद है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शनिवार को इंदौर में अपने आखिरी लीग स्टेज मैच में दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हरा दिया और टूर्नामेंट के मेजबान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से पहले उसके पास कुछ बहुमूल्य समय है। ये अतिरिक्त दिन हीली को अपनी पिंडली की चोट से उबरने का मौका देंगे। ऐसे में आस्ट्रेलियाई कोच शेली निश्चेके को उम्मीद है कि तब तक उनकी कप्तान खेलने के लिए फिट हो जाएंगी।

आईसीसी के अनुसार निश्चेके ने कहा कि रात वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं थी, लेकिन उसका मूल्यांकन जारी रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई कोच ने कहा कि हम सेमीफाइनल के लिए आशान्वित हैं, लेकिन उससे पहले अभी कुछ दिन हैं। हमें फिर भी उम्मीद है और जैसे-जैसे मैच नजदीक आएगा, उसका मूल्यांकन जारी रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया ने विश्व कप के लीग चरण के दौरान भारत पर तीन विकेट से जीत दर्ज की थी , जिसमें हीली ने 142 रनों की शानदार पारी खेली थी।

भारत को नवी मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल में घरेलू दर्शकों से उत्साहवर्धन की उम्मीद होगी। आस्ट्रेलियाई टीम के लिए यह स्थान कोई नया नहीं है, क्योंकि पिछले वर्ष की शुरूआत में उन्होंने हरमनप्रीत कौर की टीम को इसी स्थान पर 2-1 से टी-20 श्रृंखला में हराया था।

एलिसा हिली की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रही ताहलिया मैकग्राथ ने कहा, ''हमने उस मैदान पर और भारत के खिलाफ काफी मैच खेले हैं।'' उन्होंने कहा कि यह एक नॉकआउट गेम है, आपको तैयार रहना होगा। उल्लेखनीय है कि नेट प्रैक्टिस के दौरान एलिसा हीली को इंजरी हो गई थी। उनकी अनुपस्थिति में ताहलिया मैकग्राथ कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

रोहित और विराट की पारी को लेकर सचिन सहित किसी दिग्गज की प्रतिक्रिया नहीं आने से हैरानी

मुम्बई,26 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शानदार बल्लेबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलाने और क्लीन स्वीप से बचाने वाले अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की जहां दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। वहीं अपने ही देश में इन दोनो की इन पारियों की अब तक सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग सहित किसी भी दिग्गज खिलाड़ी ने न तो तारीफ की है और न ही कोई पोस्ट किया है जबकि आम तौर पर ये इन दोने को लेकर प्रतिक्रिया देते रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले इन दोनो पर ही बेहतर प्रदर्शन और अपनी फिटनेस साबित करने का दबाव था जिसमें ये सफल रहे हैं। रोहित ने दूसरे एकदिवसीय में अर्धशतक और तीसरे में शतकीय पारी खेली। वहीं विराट ने पहले दो मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बेहद कठिन कैच पकड़कर अपनी फिटनेस साबित की है। इन दोनो ने ही इस सीरीज से अपने आलोचकों को जवाब दिया है। इसके बाद भी महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग के अलावा ऑलराउंडर युवराज सिंह ने इनको लेकर सोशल मीडिया में कोई बात नहीं की है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे से पहले रोहित को कप्तानी से हटाकर शुभमन गिल को कप्तान बना दिया गया था। वहीं विराट के पहले दो मैच में खाता खोले बिन ही पेवेलियन लौटने के बाद उनके संन्यास की अटकलें लगने लगीं थीं। वहीं दोनों ने आलोचनाओं का जवाब अपने बल्ले से दिया। इन दोनों ने तीसरे एकदिवसीय में 168 रन की साझेदारी कर इसके बाद भी सचिन, सहवाग और युवराज की कोई प्रतिक्रिया नहीं आने से प्रशंसक हैरान हैं ।

शास्त्री ने एकदिवसीय क्रिकेट के पांच भारतीय दिग्गजों की सूची में विराट को शीर्ष पर रखा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट के पांच दिग्गज क्रिकेटरों का चयन किया है। हैरानी की बात ये है कि शास्त्री ने इसमें विराट कोहली का नाम सचिन तेंदुलकर से पहले लिया है। शास्त्री का कहना है कि विराट ने एकदिवसीय में सचिन के कई रिकॉर्ड तोड़े हैं, इसी लिए उन्हें पहले रखा है। साथ ही कहा कि विराट इस प्रारुप में दुनिया में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं, हालांकि वह अब भी एकदिवसीय में सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा रनों के रिकॉर्ड से काफी पीछे हैं। शास्त्री ने इस सूची में पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और कपिल देव को भी रखा है। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस सूची में शामिल नहीं किये जाने को लेकर कहा कि अभी उनके पास खेलने के लिए समय है। उन्होंने इस सूची में पूर्व खिलाड़ियों के साथ ही उन खिलाड़ियों को शामिल किया है जो करियर के अंत की ओर हैं। शास्त्री ने विराट को शीर्ष पर रखने क लि एक दशक से भी ज़्यादा समय से उनके शानदार प्रदर्शन और मैच विजेता होने का कारण बताया है।

खबरें जो सोच बदल दें शुभ लाभ

भारत से यात्री वाहन निर्यात में18 फीसदी की बढ़त, मारुति सुजुकी सबसे आगे

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4.45 लाख से अधिक वाहन विदेश भेजे गए

नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत से यात्री वाहनों का निर्यात 18.4 प्रतिशत बढ़कर 4,45,884 इकाई हो गया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह आंकड़ा 3,76,679 इकाई था। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे वैश्विक बाजारों में स्थिर मांग और नए देशों में निर्यात विस्तार की बड़ी भूमिका रही है। मारुति सुजुकी इंडिया इस अवधि में 2,05,763 इकाइयों के निर्यात के साथ शीर्ष स्थान पर रही। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 1,47,063 इकाइयों की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। हुंडई मोटर इंडिया ने 99,540 इकाइयाँ भेजीं, जो 17 प्रतिशत अधिक है, जबकि निसान मोटर इंडिया का निर्यात 33,059 से बढ़कर 37,605 इकाई हो गया। इसके बाद फॉक्सवैगन इंडिया (28,011), टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (18,880), किआ इंडिया (13,666) और होंडा कार्स इंडिया (13,243) का स्थान रहा। वाहन श्रेणियों की बात करें तो, यात्री कारों का निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 2,29,281 इकाई तक पहुंचा, जबकि यूटिलिटी वाहनों की विदेशी मांग में तेजी से इजाफा हुआ और उनका निर्यात 26 प्रतिशत बढ़कर 2,11,373 इकाई हो गया। वहीं वैन का निर्यात 36.5 प्रतिशत बढ़कर 5,230 इकाई दर्ज किया गया। सियाम ने कहा कि भारत ने इस अवधि में 24 देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है, जिनमें दक्षिण कोरिया, यूएई, जर्मनी, मेक्सिको, रूस, केन्या, ब्राजील और थाईलैंड जैसे बाजार शामिल हैं। हालांकि, सितंबर माह में अमेरिकी बाजार को निर्यात ऊंचे शुल्कों के कारण घटा लेकिन अन्य क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन ने कुल निर्यात को गति दी। भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अब वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गोल्ड ओवरड्राफ्ट लोन बन रहा है नया फाइनेंशियल ट्रेंड, गोल्ड ओवरड्राफ्ट लोन से मिलती है जरूरत के मुताबिक पैसा निकालने की सुविधा

मुंबई। सोना अब सिर्फ गहनों या निवेश का जरिया नहीं रहा, बल्कि मुश्किल वक्त में पैसा जुटाने का एक स्मार्ट विकल्प बन गया है। आजकल बैंक और फाइनेंशियल कंपनियां गोल्ड के बदले लोन देने के कई आसान तरीके पेश कर रही हैं। इनमें सबसे लोकप्रिय है गोल्ड ओवरड्राफ्ट लोन, जो लोगों को अपनी जरूरत के मुताबिक पैसे निकालने की आजादी देता है। इस लोन में ग्राहक अपने सोने के गहने बैंक में गिरवी रखते हैं। इसके बदले बैंक एक ओवरड्राफ्ट अकाउंट खोलता है, जिसमें सोने की कीमत के अनुसार एक क्रेडिट लिमिट तय की जाती है। खास बात यह है कि ब्याज केवल उसी राशि पर देना होता है जो ग्राहक ने वास्तव में इस्तेमाल की है। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी को 5 लाख रुपए की लिमिट मिली है और उसने केवल 2 लाख रुपए निकाले हैं, तो ब्याज सिर्फ 2 लाख पर ही लगेगा। इस लोन का फायदा यह है कि इसका अप्रूवल बेहद जल्दी मिलता है और कागजी प्रक्रिया भी कम होती है। यह खास तौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जिन्हें बार-बार छोटे-छोटे खर्चों के लिए पैसे की जरूरत पड़ती है, जैसे बिजनेस करने वाले या आपातकालीन खर्च झेलने वाले लोग। हालांकि इसमें कुछ जोखिम भी हैं। अगर सोने की बाजार कीमत गिरती है, तो बैंक अतिरिक्त सोना गिरवी रखने को कह सकता है। समय पर भुगतान न करने पर सोना नीलाम भी हो सकता है। ईएमआई वाले गोल्ड लोन की तुलना में ओवरड्राफ्ट लोन ज्यादा लचीला और सुविधाजनक माना जा रहा है। बढ़ती गोल्ड कीमतों के बीच, यह स्कीम लोगों को अपनी संपत्ति को काम में लाने का सुरक्षित और समझदार तरीका प्रदान कर रही है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन बाजार में गिरावट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह सरसों के अधिक दामों के कारण लिवाली प्रभावित रही। इसके चलते सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का पर्याप्त स्टॉक किसानों, स्टॉकिस्ट और सरकार के पास मौजूद है। सरसों दाना 7,000-7,050 रुपये/क्विंटल और सरसों दादरी तेल 14,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन तिलहन का नया एमएसपी 5,328 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि हाजिर बाजार 4,000-4,200 रुपए प्रति क्विंटल पर। कमजोर बिकवाली के चलते सोयाबीन तिलहन में मामूली सुधार हुआ, लेकिन दाम अभी भी एमएसपी से 20-22 फीसदी नीचे हैं। सोयाबीन तेल में आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के कारण गिरावट दर्ज हुई। मूंगफली तेल-तिलहन स्थिर रहे। इंडोनेशिया की आयात मांग देखी जा रही है। वहीं मलेशिया में संभावित सट्टेबाजी खत्म होने से पाम-पामोलीन तेल में गिरावट हुई। कपास की आवक बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखी गई। सरकार को एमएसपी और तेल संयंत्रों की पेराई क्षमता पर ध्यान देना होगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर बिक्री से बचने और सरकारी खरीद में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

रिलायंस और मेटा ने भारत में नई एआई जॉइंट वेंचर की घोषणा की

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) के साथ मिलकर रिलायंस एंटरप्राइज इंटेलिजेंस लिमिटेड नाम से एक नई एआई कंपनी बनाने की घोषणा की है। इस कंपनी का उद्देश्य भारत में बड़े व्यवसायों के लिए उन्नत एंटरप्राइज एआई सेवाओं और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस प्रदान करना है। नई पहल से डिजिटल टेक्नोलॉजी और एआई क्षेत्र में रिलायंस की पकड़ को और मजबूत करने की उम्मीद है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रिलायंस इंटेलिजेंस आरईआईएल में 70 फीसदी हिस्सेदारी रखेगी, जबकि मेटा (फेसबुक) का हिस्सेदारी 30 फीसदी होगी। दोनों कंपनियां मिलकर लगभग 855 करोड़ रुपए का प्रारंभिक निवेश करेंगी। शुरुआत में रिलायंस ने आरईआईएल को 2 करोड़ रुपए की पूंजी के साथ अपनी पूरी सब्सिडियरी के रूप में शामिल किया है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से 7 का मार्केट कैप 1.55 लाख करोड़ बढ़ा

शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले पिछले सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,55,710.74 करोड़ रुपये बढ़ गया। घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। शीर्ष 10 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को लाभ हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 46,687.03 करोड़ रुपये बढ़कर 19,64,170.74 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 36,126.6 करोड़ रुपये बढ़कर 11,08,021.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34,938.51 करोड़ रुपये बढ़कर 6,33,712.38 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 13,892.07 करोड़ रुपये बढ़कर 8,34,817.05 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 11,947.17 करोड़ रुपये बढ़कर 6,77,846.36 करोड़ रुपये हो गई, जबकि भारती एयरटेल का मूल्यांकन 9,779.11 करोड़ रुपये बढ़कर 11,57,014.19 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी ने सप्ताह के दौरान 2,340.25 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 5,62,513.67 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

इस रुख के उलट आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 43,744.59 करोड़ रुपये घटकर 9,82,746.76 करोड़ रुपये रह गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 20,523.68 करोड़ रुपये घटकर 5,91,486.10 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 11,983.68 करोड़ रुपये घटकर 15,28,227.10 करोड़ रुपये रह गया।

ओडिशा सरकार ने 1.46 लाख करोड़ के 33 निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

भुवनेश्वर। ओडिशा में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) और मुख्य सचिव मनोज आहूजा की अध्यक्षता में एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलडब्ल्यूसीए) की बैठक में 33 निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। एचएलसीए ने 12 प्रस्तावों के लिए 1,41,993.54 करोड़ रुपये का निवेश मंजूर किया, जिससे लगभग 49,745 रोजगार सृजित होंगे। एसएलडब्ल्यूसीए ने 4,019.53 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी, जिससे 16,590 रोजगार की संभावना है। सुंदरगढ़ जिले में 84,000 करोड़ रुपये की अदाणी परियोजना से 36,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मांझी ने कहा कि यह निवेश ओडिशा की प्रगतिशील नीतियों, तेज़ प्रशासन और निवेश के लिए तैयार माहौल का प्रतीक है।

अमेरिका ने रोका रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों को, भारत पर फिलहाल असर सीमित

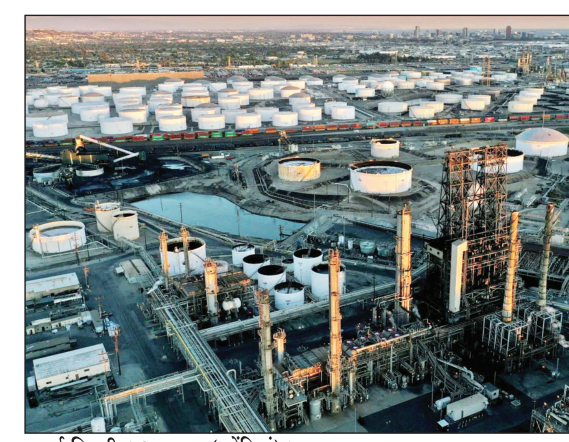

नई दिल्ली,26 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने रूस की दो प्रमुख तेल कंपनियों रोजनेफट और ल्यूकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, रूस का कच्चा तेल खुद सैंक्शंस में शामिल नहीं है। इसका मतलब है कि यदि तेल बेचने वाली कंपनी पर प्रतिबंध नहीं है, तो भारतीय रिफाइनर बिना कानून तोड़े रूस से तेल खरीद सकते हैं। विशेषज्ञों और रिफाइनरी अधिकारियों का मानना है कि इस कदम से भारत-रूस के 69 बिलियन डॉलर के तेल व्यापार पर फिलहाल बड़ा असर नहीं पड़ेगा। दिसंबर डिलीवरी पहले ही तय हो चुकी है, और साल 2025 में भारत को रूस से लगभग 70 फीसदी तेल रोजनेफट और ल्युकोइल से मिला। हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि जनवरी के बाद सप्लाई प्रभावित हो सकती है। जनवरी 2025 में गैज़प्रोम नेफ्ट और सुरगुतनेफ्तेगा पर सैंक्शंस लगाए गए थे, जिससे लगभग 1 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन प्रभावित हुआ। बावजूद इसके सुरगुतनेफ्तेगा ने भारत को 1.59 लाख बैरल प्रति दिन सप्लाई की, जो रूस से आने वाले कुल तेल का 9 फीसदी है।

डीमार्ट ने लेंसकार्ट में 90 करोड़ का निवेश किया

नई दिल्ली। देश के दिग्गज निवेशक और एवेन्यू सुपरमार्ट्स (डीमार्ट) के संस्थापक राधाकिशन दमानी ने आईवियर कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस में लगभग 90 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह निवेश लेंसकार्ट के आगामी आईपीओ से ठीक पहले किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार दमानी की पत्नी श्रीकांता आर. दमानी ने 23 अक्टूबर 2025 को कंपनी की सह-संस्थापक नेहा बंसल से 22,38,806 इक्विटी शेयर 402 प्रति शेयर की दर से खरीदे, जिससे कुल सौदे की कीमत 90 करोड़ रही। यह हिस्सेदारी कंपनी में लगभग 0.13 प्रतिशत है। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्टूबर से खुलकर 4 नवंबर 2025 को बंद होगा। इस इश्यू में 2,150 करोड़ के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

वार्ताकार नियुक्त, विधानसभा

भाजपा और जीजेएम और जीएनएलएफ समेत ज्यादातर पहाड़ी पार्टियों ने इस नियुक्ति का स्वागत किया है। इस मुद्दे पर दार्जिलिंग के कुछ नेता ममता के रुख से नाराज हैं। जीजेएम के जनरल सेक्रेटरी रौशन गिरी ने कहा कि उनकी पार्टी ने इंटरलोक्यूटर की नियुक्ति का स्वागत किया है क्योंकि जीटीए लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने में नाकाम रहा है। हमने केंद्र सरकार के इस कदम का स्वागत किया है कि उसने हमारी बात सुनने और पहाड़ियों और आस-पास के इलाके के लिए एक स्थायी राजनीतिक समाधान खोजने के लिए एक इंटरलोक्यूटर नियुक्त किया है। अलग राज्य के मुद्दे पर, हम बातचीत के लिए तैयार हैं। साथ ही, 11 गोरखा सब-ग्रुप्स के लिए अनुसूचित जनजाति (एसटी स्टेटस) का मुद्दा भी है। हम एक संवैधानिक संस्था चाहते हैं। जीटीए एक मिनी-डेवलपमेंट एजेंसी है जो फेल हो गई है।गिरी ने कहा, सीएम ममता बनर्जी का पीएम नरेंद्र मोदी को इंटरलोक्यूटर की नियुक्ति रद्द करने के लिए लिखना बिल्कुल बेतुका है। 12 अक्टूबर 2021 को हुई तीन-तरफा मीटिंग में राज्य सरकार मौजूद नहीं थी। फिर 4 अप्रैल 2025 को एक और तीन-तरफा मीटिंग में भी राज्य सरकार ने हिस्सा नहीं लिया। राज्य सरकार ने हमेशा दिखाया है कि उसे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। तो अब वह क्यों रिएक्ट कर रही है और रद्द करने की मांग कर रही है?जीएनएलएफ ने भी इस अपॉइंटमेंट का स्वागत किया है। इसके अध्यक्ष मान घिसिंग ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने गोरखा समुदाय के लिए एक स्थायी राजनीतिक समाधान खोजने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पंकज कुमार सिंह को सरकार का प्रतिनिधि नियुक्त किया है। जीए-नएलएफ प्रमुख ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि यह सबको साथ लेकर चलने वाली और सलाह-मशविरे वाली प्रक्रिया गोरखा समुदाय की लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक आकांक्षाओं के लिए एक ठोस, न्यायपूर्ण और स्थायी समाधान का रास्ता साफ करेगी। भाजपा के दार्जिलिंग सांसद राजू बिस्टा ने कहा, केंद्र सरकार ने इंटरलोक्यूटर नियुक्त करके यह दिखाया है कि वह दार्जिलिंग पहाड़ियों और गोरखाओं के मुद्दों को लेकर गंभीर है। ममता बनर्जी ने इसके खिलाफ पीएम चिट्ठी लिखी है, जो राज्य सरकार का अड़ियल रवैया प्रदर्शित करता है।

2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहाड़ी इलाकों में दो सीटें दार्जिलिंग और कर्सियांग जीतीं। जबकि तीसरी सीट कलिम्पोंग भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) ने जीती थी, जिसके प्रमुख अनित थापा है। अनित थापा ममता बनर्जी के करीबी माने जाते हैं। 2011 और 2016 के विधानसभा चुनावों में जीजेएम ने ये तीनों सीटें जीती थीं। लोकसभा चुनाव में भाजपा वर्ष 2009 से लगातार दार्जिलिंग सीट जीतती आ रही है। 2022 में 45 सदस्यों वाले जीटीए के पिछले चुनावों में, बीजीपीएम ने 27 सीटें जीती थी और थापा इसके चेयरमैन बने थे।

भाषा विवाद छोड़ें

प्रधानमंत्री ने कहा, राष्ट्रभक्ति, मां-भारती से प्रेम, यह अगर शब्दों से परे की भावना है तो वंदेमातरमब उस अमूर्त भावना को साकार स्वर देने वाला गीत है। इसकी रचना बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने सदियों की गुलामी से शिथिल हो चुके भारत में नए प्राण फूंकने के लिए की थी। वंदेमातरमब भले ही 19वीं शताब्दी में लिखा गया था लेकिन इसकी भावना भारत की हजारों वर्ष पुरानी अमर चेतना से जुड़ी थी। वेदों ने जिस भाव को माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः कहकर भारतीय सभ्यता की नींव रखी थी। बंकिमचंद्र जी ने वंदेमातरमब लिखकर मातृभूमि और उसकी संतानों के उसी रिश्ते को भाव विश्व में एक मंत्र के रूप में बांध दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा, आप सोच रहे होंगे कि मैं अचानक वंदेमातरमब की इतनी बात क्यों कर रहा हूं। दरअसल, कुछ ही दिनों बाद 7 नवंबर को हम वंदेमातरम के 150वें वर्ष के उत्सव में प्रवेश करने वाले हैं। 150 वर्ष पूर्व वंदेमातरमब की रचना हुई थी और 1896 में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने पहली बार इसे गाया था। वंदेमातरमब के गान में करोड़ों देशवासियों ने हमेशा राष्ट्र प्रेम के अपार उफान को महसूस किया है। हमारी पीढ़ियों ने वंदेमातरमब के शब्दों में भारत के एक जीवंत और भव्य स्वरूप के दर्शन किए हैं। सुजलामब, सुफलामब, मलयज शीतलामब, शस्यश्यामलामब, मातरम्! वंदे मातरम्!

प्रधानमंत्री ने कहा, हमें ऐसा ही भारत बनाना है। वंदेमातरमब हमारे इन प्रयासों में हमेशा हमारी प्रेरणा बनेगा। इसलिए, हमें वंदेमातरमब के 150वें वर्ष को भी यादगार बनाना है। आने वाली पीढ़ी के लिए ये संस्कार सरिता को हमें आगे बढ़ाना है। आने वाले समय में वंदेमातरमब से जुड़े कई कार्यक्रम होंगे, देश में कई आयोजन होंगे। मैं चाहूंगा, हम सब देशवासी वंदेमातरमब के गौरवगान के लिए स्वतः स्फूर्त भावना से भी प्रयास करें

पीएम मोदी ने हैदराबाद के निजाम और जनजातीय नेता कोमरम भीम के बारे में भी बातें की। उन्होंने कहा कि निजाम के अत्याचार से तंग आकर असम पहुंचे जनजाति समुदाय के कोमरम भीम ने समाज को नई दिशा दी। कोमरम भीम का जीवन काल 40 साल तक ही रहा। लेकिन जनजातीय समाज के लिए उन्होंने लड़ाई लड़ी और अमिट छाप छोड़ी। निजाम की सत्ता के खिलाफ बड़ी चुनौती बने। 1940 में निजाम के लोगों ने उनकी हत्या कर दी।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप कल्पना करिए, 20वीं सदी का शुरुआती कालखंड! तब दूर-दूर तक आजादी की कहीं कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही थी। पूरे भारत में अंग्रेजों ने शोषण की सारी सीमाएं लांघ दी थी और उस दौर में हैदराबाद के देशभक्त लोगों के लिए दमन का दौर और भी भयावह था। वे क्रूर और निर्दयी निजाम के अत्याचारों को भी झेलने को मजबूर थे। गरीबों, वंचितों और आदिवासी समुदायों पर तो अत्याचार की कोई सीमा ही नहीं थी। उनकी जमीनें छीन ली जाती थीं, साथ ही भारी टैक्स भी लगाया जाता था। अगर वे इस अन्याय का विरोध करते, तो उनके हाथ तक काट दिए जाते थे। ऐसे कठिन समय में करीब बीस साल का एक नौजवान इस अन्याय के खिलाफ खड़ा हुआ था। आज एक खास वजह से मैं उस नौजवान की चर्चा कर रहा हूं। उसका नाम बताने से पहले मैं उसकी वीरता की बात आपको बताऊंगा। उस दौर में जब निजाम के खिलाफ एक शब्द बोलना भी गुनाह था। उस नौजवान ने सिद्दीकी नाम के निजाम के एक अधिकारी को खुली चुनौती दे दी थी। निजाम ने सिद्दीकी को किसानों की फसलें जब्त करने के लिए भेजा था। लेकिन अत्याचार के खिलाफ इस संघर्ष में उस नौजवान ने सिद्दीकी को मौत के घाट उतार दिया। वह गिरफ़्तारी से बच निकलने में भी कामयाब रहा। निजाम की अत्याचारी पुलिस से बचते हुए वो नौजवान वहां से सैकड़ों किलोमीटर दूर असम जा पहुंचा।पीएम मोदी ने कहा, मैं जिस महान विभूति की चर्चा कर रहा हू उनका नाम है कोमरम भीम। अभी 22 अक्टूबर को ही उनकी जन्म-जयंती मनाई गई है। कोमरम भीम की आयु बहुत लंबी नहीं रही, वो महज 40 वर्ष ही जीवित रहे लेकिन अपने जीवन-काल में उन्होंने अनगिनत लोगों, विशेषकर आदिवासी समाज के हृदय में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने निजाम के खिलाफ संघर्ष कर रहे लोगों में नई ताकत भरी। वे अपने रणनीतिक कौशल के लिए भी जाने जाते थे। निजाम की सत्ता के लिए वे बहुत बड़ी चुनौती बन गए थे। 1940 में निजाम के लोगों ने उनकी हत्या कर दी थी। युवाओं से मेरा आग्रह है कि वे उनके बारे में अधिक से अधिक जानने का प्रयास करें।प्रधानमंत्री ने कहा, अगले महीने की 15 तारीख को हम जनजातीय गौरव दिवस मनाएंगे। यह भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती का सुअवसर है। मैं भगवान बिरसा मुंडा जी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। देश की आजादी के लिए, आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए, उन्होंने जो काम किया वो अतुलनीय है। मेरे लिए ये सौभाग्य की बात है कि मुझे झारखंड में भगवान बिरसा मुंडा जी के गांव उलिहातु जाने का अवसर मिला था। मैंने वहां की माटी को माथे पर लगाकर प्रणाम किया था। भगवान बिरसा मुंडा जी और कोमारम भीम जी की तरह ही हमारे आदिवासी समुदायों में कई और विभूतियां हुई हैं। मेरा आग्रह है कि आप उनके बारे में अवश्य पढ़ें। सरदार पटेल को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उनकी 150वीं जयंती पूरे देश के लिए एक बहुत ही विशेष अवसर है। सरदार पटेल आधुनिक समय में राष्ट्र के महानतम दिग्गजों में से एक रहे हैं। गाँधीजी से प्रेरित होकर, उन्होंने स्वयं को पूर्णतः स्वतंत्रता आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। खेड़ा सत्याग्रह से लेकर बोरसद सत्याग्रह तक, अनेक आंदोलनों में उनके योगदान को आज भी याद किया जाता है। उन्होंने लोगों से बढ़-चढ़कर रन फॉर यूनिटी में हिस्सा लेने की अपील की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाषा के साथ-साथ दक्षिण भारतीय कॉफी को भी भारतीय संस्कृति से जोड़ा। उन्होंने कहा, ओड़ीशा के कई लोगों ने कोरापुट कॉफी के बारे में अपनी भावनाएं मेरे साथ साझा कीं। मुझे बताया गया है कि कोरापुट कॉफी का स्वाद लाजवाब है और सिर्फ इतना ही नहीं, स्वाद के अलावा कॉफी की खेती से भी लोगों को फायदा हो रहा है। भारतीय कॉफी पूरी दुनिया में बहुत लोकप्रिय हो रही है। इसलिए कॉफ़ी प्रेमी कहते हैं, भारत की कॉफी अपनी सर्वोत्तम कॉफ़ी है। यह भारत में ही बनती है और दुनिया भर में पसंद की जाती है।

अवैध मस्जिदों के खिलाफ

और नशे की समस्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिससे स्थानीय युवाओं पर गहरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, अगर सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो अरुणाचल की सांस्कृतिक पहचान खतरे में पड़ जाएगी।

अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गेनाइजेशन (एपीआईवाईओ) ने इन घटनाओं को लेकर अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए मांग की गई है कि जुड़वां राजधानी परिसर के भीतर जामा मस्जिद/मदरसों के अवैध निर्माण को तत्काल रद्द किया जाए और जुड़वां राजधानी शहर ईटानगर और नाहरलागुन में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को तत्काल हटाया जाए। अरुणाचल प्रदेश इंडिजिनस यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने पत्र में लिखा है, जुड़वां राजधानी शहर में 13730 से अधिक मुस्लिम आबादी रह रही है लेकिन इसमें से अधिकतर मुस्लिम आबादी बांग्लादेशी या रोहिंग्या है, जो राज्य के हमारे मूल निवासियों के लिए एक बड़ा खतरा है।ऑर्गेनाइजेशन ने लिखा, राज्य सरकार की जानकारी के बिना जुड़वां राजधानी परिसर के भीतर 10 से अधिक अवैध जामा मस्जिदें चल रही हैं, जो मूल निवासियों के लिए बहुत असुरक्षित है। इसलिए, जुड़वां राजधानी शहर के भीतर से अवैध मस्जिदों को हटाया जाना जरूरी है। इसके अलावा संगठन ने राजधानी परिसर और उसके नजदीक दोईमुख, होलोंगी आदि जगहों पर साप्ताहिक बाजार पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की है। पत्र में लिखा गया है, राजधानी परिसर और उसके पड़ोसी क्षेत्रों जैसे दोईमुख और होलोंगी आदि में हर दिन साप्ताहिक बाजार लगता है, जहां बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी व्यापारिक उद्देश्य से बाहर से हमारे राज्य में आते हैं और राजधानी परिसर में किराए के कमरों में रहते हैं, जो हमारे स्थानीय स्वदेशी व्यापारिक समुदाय के लिए एक खतरा है। साथ ही, संगठन की चिंता है कि राज्य में बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी प्रवेश कर रहे हैं और अगर इसे समय रहते नहीं रोका गया तो अपराध दर बढ़ने की बहुत संभावना है।प्रशासन ने प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और पूरा विरोध शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ। संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को राज्यव्यापी स्तर पर तेज किया जाएगा। प्रशासन ने कार्रवाई का भरोसा दिया है और मस्जिदों की जांच की है लेकिन संगठन के लोग इस जांच से संतुष्ट नहीं हैं। लियाक का कहना है कि वह चाहते हैं कि सरकार 15 दिनों के भीतर-भीतर इस पर सही तरीके से कार्रवाई करे वरना वह इस विरोध को राज्य स्तर तक लेकर जाएंगे। गौरतलब है कि सीमावर्ती राज्य होने के कारण अरुणाचल प्रदेश में बाहरी राज्यों के लोगों को प्रवेश के लिए इनर लाइन परमिट (आईएलपी) लेना अनिवार्य है। एपीआईवाईओ जैसे स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस व्यवस्था का दुरुपयोग कर बड़े पैमाने पर अवैध बसावट की जा रही है।

ऑपरेशन त्रिशूल दिखाएगा भारतीय सेना

स्केल पर प्रैक्टिस कर ही है। अभ्यास में सर क्रीक और रेगिस्तानी इलाकों में आक्रामक मूवमेंट्स होंगे। सौराष्ट्र तट पर एम्फीबियस ऑपरेशन यानि जमीन और समुद्र से एक साथ हमला। जॉइंट मल्टी-डोमेन ड्रिल्स भी तीनों सेनाएं कोऑर्डिनेट करेंगी। ये सब रूटीन ट्रेनिंग का हिस्सा है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों के बाद इन सब पर दुनिया की नजर होगी। हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान सर क्रीक के पास अपनी मिलिट्री बिल्ड-अप कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर पाकिस्तान सर क्रीक सेक्टर में हरकत करता है, तो जवाब इतना जोरदार होगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे।

वसुमान योग से चमकेगी मेष-सिंह की किस्मत, मिलेगी सभी सुख-सुविधाएं

आज यानी 27 अक्टूबर, सोमवार को चंद्रमा धनु राशि में गोचर कर रहे हैं। चंद्रमा से दसवें भाव में शुक्र और ग्यारहवें भाव में बुध के गोचर से वसुमान योग बन रहा है। वसुमान योग व्यक्ति को अत्यधिक धनवान बनाता है और उसे बिना अधिक प्रयास के सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं। इस शुभ योग के प्रभाव से मेष और सिंह राशि के जातकों को नए अवसर प्राप्त होंगे और भाग्य के सहयोग मिलेगा। वृष, मिथुन और तुला राशि के जातकों को इस समय संयम से कार्य करना होगा। वहीं, कर्क, मकर और कुंभ राशि वालों को वरिष्ठों के सहयोग से लाभ मिलेगा। जबकि, कन्या, धनु और वृश्चिक राशि वालों के खर्चों में बढ़ोतरी दिख रही है। वसुमान योग व्यक्ति को अत्यधिक धनवान बनाता है, उसे बिना अधिक प्रयास के सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त होती हैं।मेष राशि करियर राशिफल : रुके हुए कार्यों को गति मिलेगी

मेष राशि : रुके हुए कार्यों को गति मिलेगी

मेष राशि के जातकों के लिए आज का दिन करियर के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। राशि स्वामी मंगल के सप्तम भाव में विराजमान होने से नए कार्यों में सफलता मिलेगी। भाग्य का सहयोग मिलने से रुके हुए कार्यों को गति मिलेगी। व्यापार में नए बदलाव के संकेत दिख रहे हैं, जिससे आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। वहीं, नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर बढ़ी हुई जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ सकता है। शाम के बाद आराम और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत पड़ेगी।

वृष राशि : मतभेद से मन विचलित होगा

चंद्रमा का अष्टम भाव में गोचर वृष राशि वालों के लिए बाधाएं खड़ी कर सकता है। कार्यक्षेत्र में विरोधियों की संख्या बढ़ने से बिना कारण रुकावट सामने आ सकती है। घरेलू मोर्चे पर भी कुछ मतभेद से मन विचलित होगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग नहीं मिलने से मानसिक तनाव उत्पन्न ह सकता है। हालांकि, शाम 5 बजे के बाद समय करवट लेगा और धनु राशि में चंद्रमा का प्रवेश आपके लिए राहत लेकर आएगा।

मिथुन राशि : नए निवेश के अवसर मिलेंगे

आज मिथुन राशि के जातकों का ध्यान कार्यों के प्रति केंद्रित रहेगा। पुरानी अटकी हुई योजनाओं को आज गति मिलती हुई दिख रही है। नौकरी करने वाले लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों से सराहना मिलेगी। व्यवसाय करने वालों के लिए नए निवेश के अवसर सामने आएंगे। हालांकि पारिवारिक वातावरण थोड़ा तनावपूर्ण रह सकता है। शाम के समय अचानक वाहन से जुड़ी कोई तकनीकी खराबी से कुछ परेशानी हो सकती है।

कर्क राशि : नए प्रयोग अपनाने से लाभ मिलेगा

कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहने वाला है। आप कई कार्यों में एक साथ व्यस्त रहेंगे और अपनी कुशल रणनीति के चलते बाधाओं को दूर करने में सफल होंगे। कार्य क्षेत्र में नए प्रयोग अपनाने का लाभ मिलेगा। छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। शाम के बाद भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं। हालांकि किसी बात को लेकर आलोचना हो सकती है।

सिंह राशि : कीमती वस्तु मिलने की संभावना है

सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन करियर में नई पहचान बनाने का अवसर लेकर आएगा। भाग्येश चंद्रमा धनु राशि में गोचर कर रहे हैं, जिससे करियर में लाभ और कार्यक्षेत्र में योग बन रहे हैं। कीमती वस्तु मिलने की संभावना बन रही है। व्यवसाय में बिक्री बढ़ेगी और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस दौरान सामाजिक संपर्क बढ़ेंगे और नए लाभदायक संबंध बनेंगे। शाम के बाद मन धार्मिक गतिविधियों की ओर आकर्षित होगा।

कन्या राशि : प्रमोशन के संकेत मिल रहे हैं

कन्या राशि के जातकों के लिए चंद्रमा का चतुर्थ भाव में विराजमान होना मान-सम्मान का योग बना रहा है। सरकारी कार्यों में प्रगति होगी। प्रभावशाली लोगों की सहायता भी मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन के संकेत मिल रहे हैं। व्यवसाय में नई डील से लाभ हो सकता है। हालांकि शाम के बाद अनावश्यक खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं। इससे आर्थिक दबाव महसूस होगा। जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

तुला राशि : जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं

तुला राशि वालों को आज के दिन मेहनत का पूरा फल मिलेगा। लेकिन अधिक परिश्रम के कारण स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है। इसलिए कार्य और आराम में संतुलन बनाना जरूरी होगा। सरकारी मामलों में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरीपेशा जातकों की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। सहकर्मियों का साथ मिलने से काम में तेजी आएगी। व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे और किसी पुराने संपर्क से लाभ संभव है। परिवार की ओर से सुखद समाचार मिलेगा।

वृश्चिक राशि : पेट से जुड़ी तकलीफ हो सकती है

वृश्चिक राशि वालों के लिए आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। द्वादश भाव में मंगल होने के कारण अनावश्यक खर्चों की संभावना बढ़ेगी। इसलिए आर्थिक मामलों में सतर्कता रहना होगा। पेट से जुड़ी तकलीफ भी आपको परेशान कर सकती है। कार्यस्थल पर परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं। व्यापार में नया निवेश फिलहाल टालना आपके लिए अच्छा रहेगा। दोपहर बाद समय बेहतर होगा और कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

धनु राशि : धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें

धनु राशि के आत्मविश्वास और व्यक्तित्व में आज निखार आएगा। कार्यक्षेत्र में आपके नेतृत्व कौशल की सराहना होगी। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। भौतिक संसाधनों की कमी के कारण कुछ कार्य अधूरे रह सकते हैं। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें। किसी को उधार लेन-देन से बचें। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। लंबे समय से अटके हुए धन की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

मकर राशि : कानूनी मामले में जीत मिलेगी

मकर राशि वालों के लिए आज का दिन उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। द्वादश भाव में चंद्रमा और अष्टम भाव में केतु, सूर्य, मंगल और शुक्र का योग आपके निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत बनाएगा। किसी पुराने विवाद या कानूनी मामले में जीत मिलेगी। कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी। इस दौरान प्रमोशन या मान-सम्मान मिलने की संभावना बढ़ती हुई दिख रही है। व्यावसायिक क्षेत्र में लाभदायक प्रस्ताव मिलने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कुंभ राशि : भागीदारी वाले काम से लाभ होगा

कुंभ राशि वालों के लिए आज का दिन करियर के विस्तार के लिए शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आएंगे और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। सहकर्मी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। व्यापार में भागीदारी वाले काम से लाभ होगा। वहीं, परिवार के बुजुर्गों का सहयोग और आशीर्वाद आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। सायंकाल में मित्रों से मुलाकात का योग बनेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए समय अनुकूल है।

मीन राशि: उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलेगा

मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। करियर के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति भी मिल सकती है। कार्यस्थल पर आपकी कार्यक्षमता बढ़ने से उच्च अधिकारियों का समर्थन मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग बन रहे हैं। व्यापारियों को लाभ के अवसर मिलेंगे। घर-परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और संतान से शुभ समाचार मिलेंगे। मानसिक अशांति और चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है।

छठ पूजा का संकल्प लेने के बाद उसे पूरा करना क्यों है जरूरी

किंवदंती के अनुसार एक प्रतापी राजा की एक हजार रानियों में से केवल एक कन्या ने ही जन्म लिया था, जिसका नाम 'सुकन्या' रखा गया। इकलौती संतान होने की वजह से उसे खूब लाड़ प्यार से पाला गया, एक बार सुकन्या जंगल से फूल लेने गई वहाँ उसने एक ऋषि (च्यवन) को तपस्या करते पाया जिनका पूरा शरीर मिट्टी से ढक चुका था सिर्फ आँखें ही नजर आ रही थीं। सुकन्या ने गलती से उनकी आंखे फोड़ दीं, खून बहने लगा। ऋषि कोई श्राप ना दे दें उनके क्रोध से व राज्य व गृहस्थ में शांति रहे, सुकन्या का विवाह ऋषि च्यवन के साथ कर दिया गया।

कार्तिक मास के एक दिन सुकन्या झील से पानी लेने गई, वहां उसने एक नाग कन्या को कीमती वस्त्र व जेवर पहने सूर्य की पूजा करते देखा। सुकन्या के पूछने पर उसने बताया कि कार्तिक मास में मानव कल्याण के लिए छठ पूजा का उत्सव मनाया जाता है। सुकन्या ने भी उसके बताए अनुसार व्रत रख पूर्ण रीति रिवाज से सूर्य का पूजन किया जिसके परिणाम स्वरूप उसके पति (ऋषि च्यवन) को नेत्र ज्योति वापिस मिल गई। एक अन्य कथा अनुसार एक वृद्धा स्त्री थी, उसके कोई संतान नहीं थी।

कार्तिक माह शुक्ल पक्ष में षष्ठी तिथि के दिन उसने संकल्प किया, कि यदि उसे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी, तो वह पूर्ण विधि-विधान से सूर्य षष्ठी व्रत करेगी। कुछ समय बाद सूर्य देवता की कृपा से वृद्धा, मां बनी और उसने एक लड़के को जन्म दिया। लेकिन उसने अपना संकल्प पूरा नहीं किया अर्थात् व्रत नहीं किया। समय बीतता गया और लड़का विवाह योग्य भी हो गया लेकिन वृद्धा ने अभी तक व्रत नहीं किया। लड़के के विवाह के बाद पालकी से लौटते समय वधू ने पालकी में अपने पति को मरा पाया और विलाप करने लगी। उसका रोना सुनकर एक बूढ़ी स्त्री उसके पास आकर बोली, मैं छठ माता हूँ, तुम्हारी सास सदैव मुझे फुसलाती रही है। उसने संकल्प करके भी मेरी पूजा नहीं की। अब तो मैं तुम्हारे पति को जीवित किए देती हूँ, लेकिन अपने घर जाकर, सास से इस विषय में जरूर पूछना। उसके इतना कहते ही वह जीवित होकर उठ गया। वधू ने घर जाकर सास से सारी वार्ता कही। सास ने अपनी भूल स्वीकार करी और सूर्य षष्ठी का व्रत करने लगी, तभी से इस व्रत को जोरों से प्रचलन आरम्भ हुआ।

छठ पर्व के समापन से पहले चमकेगा चार राशियों का भाग्य

छठ के महापर्व की शुरुआत 25 अक्टूबर 2025 से हो गई है, जिसका समापन 28 अक्टूबर 2025 को उषा अर्घ्य के साथ होगा। ज्योतिष दृष्टि से छठ पर्व के प्रत्येक दिन खास हैं क्योंकि हर दिन किसी न किसी योग का निर्माण होता है। इसके अलावा प्रभावशाली ग्रहों का राशि व नक्षत्र गोचर भी हो रहा है। छठ पर्व के आखिरी दिन शुक्र देव का नक्षत्र गोचर होगा, जिसका शुभ प्रभाव कुछ राशियों पर पड़ेगा। चलिए जानते हैं शुक्र गोचर के सही समय और राशियों पर इसके सकारात्मक प्रभाव के बारे में।

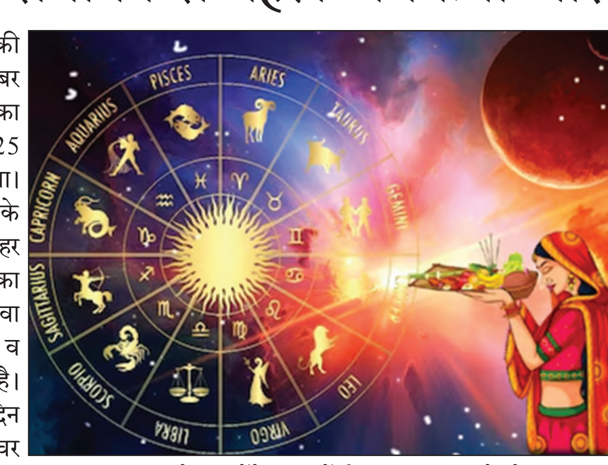

द्रिक पंचांग के अनुसार, छठ पर्व के आ-खिरी दिन 28 अक्टूबर 2025 को धन, वैभव, लग्जरी लाइफ, सुख, कला और प्रेम के दाता शुक्र ग्रह सुबह 5 बजकर 17 मिनट पर हस्त नक्षत्र से निकलकर चित्रा नक्षत्र में गोचर करेंगे। बता दें कि शुक्र ग्रह का ये गोचर कन्या राशि में रहते हुए होगा।

शुक्र गोचर के सकारात्मक प्रभाव के कारण वृषभ राशिवालों को छठ पर्व के समापन से पहले लाभ होगा। व्यापार में मनचाहा मुनाफा होगा और काम का दायरा भी बढ़ जाएगा। विवाहित जातक अपने प्रेम जीवन से जुड़ा कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं, जिससे आपके रिश्ते में प्यार और गहराई बढ़ेगी।

छठ पर्व के समापन से पहले कन्या राशिवालों की कोई बड़ी इच्छा पूरी हो सकती है। इसके अलावा वैवाहिक जीवन भी ठीक रहेगा। अविवाहित लोगों के लिए विवाह और रिश्ते आने के शुभ योग हैं।

शुक्र गोचर के शुभ प्रभाव के कारण धनु राशिवालों के जीवन में ठहराव आएगा। कारोबारियों की रुकी हुई डील किसी खास व्यक्ति के सहयोग से पूरी होगी। इसके अलावा आर्थिक लाभ होने के भी योग हैं। नौकरी कर रहे जातकों का मानसिक स्वास्थ्य इन दिनों सही रहेगा। वृषभ, कन्या और धनु राशि के अलावा कुंभ राशिवालों को भी शुक्र गोचर से छठ पर्व के दौरान लाभ होगा। व्यापार संबंधी महत्वपूर्ण कार्य के संपन्न होने से मन प्रसन्न रहेगा। युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा और जीवन में क्या करना है, इसे लेकर आप स्पष्ट होंगे। उम्रदराज जातकों की सेहत आने वाले कुछ दिनों तक सामान्य रहेगी, लेकिन खानपान पर ध्यान दें।

छठ पूजा व्रत कथा, इसके पाठ से छठी मैया होंगी प्रसन्न, मिलेगा व्रत का पूर्ण फल

छठ पूजा के त्याहोर में 36 घंटों तक निर्जला व्रत रखा जाता है और इस दौरान छठी मैया व सूर्य देवता की पूजा करने का विधान होता है। षष्ठी तिथि के दिन सूर्यास्त के वक्त डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए और छठ पूजा की कथा का पाठ भी अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से व्रत और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है और छठी मैया का भी आशीर्वाद मिलता है।

छठ पूजा व्रत कथा

श्री जनमेजय ने वैशम्पायन से सवाल किया, दुरात्मा दुर्योधनादि द्वारा कपटरूप जुआ से परास्त पांडव जब वनवास के लिए भेजे गए तो जंगल में जाकर उन्होंने क्या किया?

वैशम्पायन जी ने कहा– हे जनमेजय ! सुनो, वे पाण्डु के पुत्र पांडव अत्यन्त दुख सागर में डूबे हुए थे और वनवास के लिए घोर जंगल में जाकर दुख और चिंता से चिन्तित होकर वन में निवास करने लगे। वहां फल-फूल खाकर पृथ्वी तल में शयन करते थे, केला और भोजपत्र का वस्त्र पहन कर दुख से दिन काटने लगे थे। राजकन्या सुख भोगने वाली पतिव्रता धर्म को पालती हुई गजगामिनी द्रौपदी भी पतियों के साथ वन चली गई थी। जिस स्थान पर द्रौपदी सहित पांडव थे, वहां पर वे ब्रह्मवेत्ता तपोरूप अट्ठासी हजार मुनि लोग पहुंच गए। ऋषियों को आते हुए देख महाराज युधिष्ठिर अत्यन्त चिंता से घबरा गए कि इन महात्माओं के भोजन के लिए क्या प्रबंध कर सकते हैं। जब युधिष्ठिर को यह चिंता हुई कि भोजनार्थ क्या उद्योग करें, तब मुख को चेष्टा मलिन किए स्वामी युधिष्ठिर को देखकर द्रौपदी बहुत दुख से व्याकुल हो गई। उसी समय द्रौपदी निज पुरोहित महाराज धौम्य को पवित्र आसन पर बैठाया और प्रदक्षिणा पूर्वक नमस्कार करके आंखों में आंसू भरकर कुल धर्म रक्षक द्रौपदी प्रेमपूर्वक गदगद वचन बोली– हे धौम्य, हे धौम्य, हे महाभाग इन दुखित पाण्डु पुत्रों को देखो। हे स्वामिन । इन लोगों के दुख को देखकर क्या आपका हृदय दुखी नहीं होता है। दुख नाशार्थ कोई व्रत मुझे बताइए, जिससे इनका क्लेश शांत हो सकते। थोड़े ही उपाय से प्रत्यक्ष महत्पुण्यं को देने वाला व्रत बताइए, जिससे हमारे स्वामी पृथ्वीतल में सुखी हो सकें। जिससे शत्रु का नाश हो, निज राज्यलक्ष्मी वापस मिलें और इस समय हमारे यहां आए हुए ब्राह्मणों को दुग्धपान करने को मिल जाए। हे महाभाग, हे महाविभो, ऐसा कोई उपाय बताइए। द्रौपदी के यह वचन सुनने के बाद वैशम्पायन जी जनमेजय जी से कहा-ब्राह्मणों में श्रेष्ठ महाराज धौम्यजी प्रसन्न होकर मुहूर्त्त मात्र ध्यान-स्थित होकर द्रौपदी से बोले– हे पाञ्चालपुत्रि। एक उत्तम व्रत को बताता हूं, जिस व्रत को पूर्व समय में नाग कन्या के उपदेश से सुकन्या ने किया था। हे महाभागे, स्त्रियों के साथ तुम अनेक विघ्नों को शांत करने वाला रवि षष्ठी व्रत करो।

द्रौपदी ने सवाल किया– हे विप्र, आपके द्वारा बताया हुआ व्रत कैसा है और उसकी विधि क्या है? इस व्रत में किसका पूजन किया जाता है और वह नाग-कन्या कौन थी और किस लिए उसने इस उत्तम व्रत को किया था। हे महाभाग, वह सुकन्या अत्याश्चर्य रूपी व्रत को करने वाली कौन थी? हे शरणागत वत्सल, मेरे इस संशय का आप निवारण करो।द्रौपदी के प्रश्नों को सुनकर धौम्यजी ने उत्तर दिया– हे देवी, सत्ययुग में एक शर्याति नामक राजा थे, जिनकी एक हजार स्त्रियां थी, जिनसे एक ही कन्या उत्पन्न हुई थी। उस राजा की कन्या को छोड़कर दूसरा संतान न होने के कारण वह कन्या अति प्रिय थी और वह अपने पिता के घर में वृद्धि को प्राप्त होने लगी। जब कुछ समय बीत गया तो वह कन्या चन्द्रवत मुख, कमलवत नेत्र और कुम्भस्तनी होती हुई युवावस्था को प्राप्त हुई। बाल्यावस्था से ही वह कन्या अपने पिता को प्राण के समान प्रिय थी। इस पृथ्वी लोक में उसके सदृश दूसरी कोई ऐसी कन्या नहीं थी कि जिसको हमने देखा हो। इसी के चलते उसका सुकन्या नाम पड़ा। एक समय राजा शर्याति मृगया (शिकार) के लिए गए। मंत्री, सेना, बड़े-बड़े योद्धा और पुरोहित को संग में लेकर घोर जंगल में चले गए। शिकार खेलने के निमित्त राजा को जंगल में रहते हुए दस दिन हो गए। राजा शर्याति दिन में शिकार खेलने के बाद रात्रि में स्त्रियों के साथ क्रीड़ा करते हुए जंगल में निवास करने लगे। एक समय सखियों के साथ सुकन्या फूल लेन के लिए जंगल पहुंची। वहां च्यवन मुनि का स्थान था। सुकन्या ने मुनि की देह में दीमक लगी देखकर, क्या देखती है कि मिट्टी के मध्य में मुनि के दोनों नेत्र जुगनू की तरह चमक रहे हैं, उसने विस्मित होकर उनकी दोनों आंखें फोड़ दी। तब मुनि के नेत्रों से रुधिर की धारा बहने लगी और वह चकोराक्षी सुकन्या फूलों को लेकर सखियों के साथ घर चली गई। च्यवन मुनि के नेत्र सुकन्या द्वारा जो फोड़ दिये गए इससे राजा और सेना का मल-मूत्र आदि सब बंद हो गया और सभी ने हाहाकार करना शुरू कर दिया। जब तीन दिन और रात व्यतीत हो गई तो व्याकुल होकर अपने पुरोहित से राजा ने पूछा– हे मुनिसत्तम। किस लिए हमारा मल-मूत्र बंद हो गया यह आप दिव्य दृष्टि से देखकर बताइए।

पुरोहित जी ने बताया– हे राजन, भार्गववंशी च्यवन नामक एक ऋषि इस वन में घोर तपस्या कर रहे हैं। जिनके शरीर में दीमक लगकर मांस खा गए हैं और हड्डी मात्र मिट्टी से लिपटी हुई है। हे राजन, आपकी कन्या ने अज्ञानतावश उन महाराज के दोनों नेत्र कांटों से फोड़ दिए हैं, जिससे रुधिर बह रहा है। उन्हीं के क्रोध से यह कष्ट हुआ है। हे राजन, अब आप उनको प्रसन्न कीजिए और अपनी कन्या को उन्हें दे दीजिये। कन्या-दान से यह मुनि च्यवन जी प्रसन्न हो उठेंगे। पुरोहित के वचन सुनने के पश्चात राजा शर्याति सुकन्या को अपने साथ लेकर ऋषि के पास गए और जल छोड़ने पर हड्डी मात्र के दर्शन हुए। नेत्र-हीन ऋषि को देखकर राजा बोले– हे प्रभो, मेरी कन्या से अनजाने में यह अपराध हो गया है जिससे आपके ये नेत्र फूट गए। हे मुनिवर्य, आपकी सेवा के हेतु हम अपनी कन्या आपको सौंप रहे हैं। जिसमें आपको कष्ट न हो। राजा के वचन सुनकर ऋषि जी बड़े प्रसन्न हो गए और उसी समय राजा शर्याति ने सुकन्या को ऋषि के लिए दान कर दिया। राजा से कन्या पाकर मुनि अति प्रसन्न हो गए और उनका क्रोध शांत हो गया। तब राजा को मल मूत्र हुआ और सेना सहित प्रसन्न चित्त राजा अपने देश को चले गए। वहां, सुकन्या नेत्रहीन च्यवनजी की सेवा करने लगी।

सुकन्या कार्तिक मास में एक दिन जल हेतु पुष्करिणी (छोटे तालाब) में गई, वहां उसने अनेक आभूषणों से युक्त नाग कन्या को देखा। श्रीकश्यप जी के यज्ञ मण्डप में सूर्य भगवान का पूजन करती हुई नाग कन्या को देखकर सुकन्या धीरे से उनके पास गई और पूछा कि हे महाभागे, आप क्या करती हैं? किस कारण यहां पर आई हैं? सुकन्या के इस वचन को सुनकर नाग कन्या बोली– हे साध्वि मैं नाग कन्या हूं, व्रत धारण कर कश्यप जी के पूजनार्थ यहां आई हूं। सुकन्या बोली– इस व्रत और पूजा का क्या प्रभाव है और क्या फल है? इसकी पूजा की विधि क्या है? किस महीने और किस तारीख को इस उत्तम व्रत को किया जाता है।। नाग कन्या ने बताया– कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सप्तमी युक्त होकर सर्वमनोरच सिद्धि के लिए इस व्रत को किया जाता है। व्रती को पंचमी के दिन नियम से व्रत को धारण करना चाहिए। शाम के वक्त में खीर का भोजन करके पृथ्वी पर सोना चाहिए। छठ के दिन व्रत रहे। दिन में चार रंगों से सुशोभित मंडप में सूर्य नारायण की पूजन करें और रात में जागरण करे। अनेक प्रकार के फल और पकवान आदि का नैवेद्य और सूर्य नारायण की प्रीति के लिए गीत-वाद्य आदि से गा-बजाकर उत्सव मनाना चाहिए।

जब तक सूर्य नारायण के दर्शन न हो जाएं तब तक व्रत धारण किए रखना चाहिए। सुबह के समय सप्तमी को सूर्य नारायण के दर्शन करके अर्घ्य दें। दूध, नारियल, कदली फल, पुष्प चंदन से सूर्य के बारह नामों उच्चारण करते हुए और प्रत्येक नाम से दण्डवत प्रणाम करते हुए अर्घ्य दें। 'जगत के सविता, जगत् के नेत्र, जगत के उत्पत्ति-पालन-नाश के हेतु त्रिगुण रूप, त्रिगुणात्मा, ब्रह्मा, विष्णु, शिव रूप सूर्य नारायण को नमस्कार है।' इस प्रकार इस व्रत को करने से सूर्यनारायण महा घोर कष्ट को दूर करके मनोवांछित फल देते हैं। हे सुव्रते, मैंने यह रवि षष्ठी व्रत तुमसे कहा है। श्री धौम्य जी ने कहा– हे द्रौपदी, नाग-कन्या के इस वचन को सुनने के बाद सुकन्या ने इस उत्तम व्रत को किया। इसी व्रत के प्रभाव से च्यवन महाराज के नेत्र पुनः पूर्ववत् हो गए। वह ऋषि होकर सुख भोगने लग गए। इससे हे पाञ्चालनन्दिनी, तुम भी इस उत्तम व्रत को करके देखो। इस व्रत के प्रभाव से तुम्हारे पति पुनः राज्यलक्ष्मी को पाएंगे और निःसन्देह तुम्हारा कल्याण अवश्य होगा।

द्रौपदी ने धौम्य महाराज की आज्ञा से इस यथाविधि व्रत किया तो युधिष्ठिरजी ने अतिथि रूप में आए हुए ब्राह्मणों को भोजन देकर प्रणाम किया। वैशम्पायन जी ने कहा– हे जनमेजय, धौम्यजी से इस उत्तम व्रत को जानने के बाद द्रौपदी ने इसे किया और इसके प्रभाव से द्रौपदी पांडवों के साथ पुनः राज्यलक्ष्मी को प्राप्त हुई। जो भी स्त्री इस पुनीत व्रत को करेगी उसके समस्त पाप नाश होंगे और सुकन्या की तरह पति सहित सुख को प्राप्त करेगी। इस व्रत का विधिवत उद्यापन करें, विधि-विधान से प्रत्येक साल व्रत करते हुए कथा को सुनें, ब्राह्मणों को दक्षिणा दे तो उसका मनोरथ सिद्ध हो जाता है।

महाभारत काल से चली आ रही है छठ पूजा की परम्परा

छठ पूजा के इतिहास की ओर दृष्टि डालें तो इसका प्रारम्भ महाभारत काल में कुंती द्वारा सूर्य की आराधना व पुत्र कर्ण के जन्म के समय से माना जाता है। वाल्मीकि रामायण में ऋषि अगस्त्य द्वारा आदित्य हृदय स्तोत्र के रूप में सूर्यदेव का जो वंदन और स्तवन किया गया है, उससे उनके सर्वदेवमय-सर्वशक्तिमान तथा दैदीप्यमान स्वरूप का बोध होता है।

सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य वृद्धि का पर्व है सूर्य षष्ठी – नवग्रहों में सूर्य ग्रहों के राजा हैं, सूर्य की शक्ति जीवन का प्रतीक है। सूर्य उपासना करने से दीर्घायु, परिवारजनों में समृद्धि मिलती है एवं कुष्ठ रोग जैसी बीमारियाँ भी ठीक हो जाती हैं। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए जीवन के महत्वपूर्ण अवयवों में सूर्य व जल की महत्ता को मानते हुए, इन्हें साक्षी मान कर भगवान सूर्य की आराधना तथा उनका धन्यवाद करते हुए मां गंगा-यमुना या किसी भी पवित्र नदी या तालाब के किनारे यह पूजा की जाती है।

विधि-विधान – कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्य भगवान की पूजा का विशेष महात्म्य है। इस दिन पुत्रवती सुहागिन स्त्रियां धन-सम्पति, पति-पुत्र, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य से परिपूर्ण रहने के लिए सूर्य षष्ठी नामक यह व्रत पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास के साथ करती हैं। यह व्रत डाला छठ के नाम से भी प्रसिद्ध है। इसके अन्तर्गत तीन दिन कठोर व्रत का पालन किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्री पंचमी के दिन सिर्फ एक बार नमक रहित भोजन करती है, दूसरे दिन षष्ठी को निर्जल रहकर अस्त होते सूर्य नारायण की विधि पूर्वक पूजा कर अर्घ्य देती हैं।

तीसरे दिन सप्तमी को प्रातःकाल स्त्रियां पवित्र नदी आदि के तटों पर जाकर स्नान करती हैं और गीत गाती हैं, सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करने के बाद इस व्रत का परायण किया जाता है। कहीं-कहीं पर दीपावली के बाद चतुर्थी से ही बिहारी समाज पूजा की शुरुआत कर देता है जो चार दिनों तक चलती है। सूर्य के प्रति समर्पित इस उत्सव को ही 'छठ' पूजा कहा जाता है। शिव-पार्वती के प्रथम पुत्र कार्तिकेय की भी सूर्य के साथ पूजा की जाती है।

रवीना टंडन: 17 साल की उम्र में बॉलीवुड डेब्यू, शानदार एक्टिंग और डांस से बनीं पर्दे की क्वीन

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन अपने शानदार अभिनय और व्यक्तित्व की वजह से हर किसी के दिलों पर राज करती हैं। 90 के दशक में उनके स्टाइल ने उन्हें लोगों के बीच खास जगह दिलाई। रवीना का नाम आते ही 'टिप-टिप बरसा पानी' और 'तू चीज बड़ी है मस्त मस्त' जैसे सुपरहिट गानों की याद ताजा हो जाती है। लेकिन बहुत कम लोग ही जानते हैं कि रवीना ने महज 17 साल की उम्र में ही बॉलीवुड में कदम रखा था और अपनी पहली फिल्म 'पत्थर के फूल' से ही चर्चा में आ गई थी। यही छोटी उम्र का साहस और आत्मविश्वास उनके पूरे करियर की कहानी बन गया। रवीना टंडन का जन्म 26 अक्टूबर 1974 को मुंबई में हुआ था। उनके पिता का नाम रवि टंडन और मां का नाम वीना टंडन है। दोनों का नाम मिलाकर उन्हें रवीना नाम दिया गया। बचपन से ही रवीना में अभिनय और डांस का खास टैलेंट था। उन्होंने जुहू के जमनाबाई पब्लिक स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और इसके बाद मीठीबाई कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। पढ़ाई के दौरान ही उन्हें मॉडलिंग का ऑफर मिला और सेकेंड ईयर में उन्होंने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा।

रवीना का बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'पत्थर के फूल' से हुआ, जिसमें उनके साथ सलमान खान नजर आए थे। इस फिल्म में रवीना के अभिनय और खूबसूरती को खूब सराहा गया। उनके करियर की शुरुआत ही इतनी शानदार थी कि उन्हें फिल्मफेयर का 'न्यू फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी मिल गया। यहीं से उनका सफर शुरू हुआ और उन्होंने लगातार 90 और 2000 के दशक में कई हिट फिल्में दी। 'मोहरा', 'दिलवाले', 'अंदाज अपना अपना', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'घरवाली बाहरवाली', 'अनाड़ी नंबर 1', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जिद्दी', 'दूल्हे राजा', और 'बुलंदी' जैसी फिल्मों में उनके किरदार लोगों के दिलों में जगह बनाने में सफल रहे। रवीना अपने गानों और डांस के लिए भी जानी जाती हैं। मोहरा फिल्म के 'टिप-टिप बरसा पानी' में उनकी एक्टिंग और डांस ने उन्हें रातों-रात डांसिंग क्वीन बना दिया। इसी तरह 'तू चीज बड़ी है मस्त मस्त' और 'चुरा के दिल मेरा' जैसे गाने भी आज तक फैंस के दिलों में बसे हुए हैं।

रवीना ने अपने निजी जीवन में भी साहसी फैसले लिए। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने अपनी कजिन की दो बेटियों को गोद लिया और उन्हें अपनी संतान की तरह पाला। बाद में 2004 में उन्होंने फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर अनिल थडानी से शादी की। इस शादी से उन्हें दो बच्चे हुए, एक बेटा रणबीर वर्धन और बेटी राशा। उनकी शादीशुदा जिंदगी भी काफी खुशहाल रही।

रवीना ने अपने करियर में कई अवॉर्ड्स भी जीते। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड, राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड और बॉलीवुड मूवी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। 2023 में उन्हें कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया। उनके अभिनय और डांस ने उन्हें सिर्फ बॉलीवुड का हिस्सा नहीं, बल्कि पूरे भारतीय सिनेमा का एक यादगार चेहरा बना दिया।

रवीना ने फिल्मों में ब्रेक लिया, लेकिन कभी अपनी लोकप्रियता खोई नहीं। उन्होंने साउथ सुपरहिट फिल्म 'केजीएफ चैप्टर 2' और वेब सीरीज 'आरण्यक' से वापसी की। उनके अभिनय की तारीफ हर जगह हुई। आज भी रवीना टंडन को बेहतरीन अभिनेत्रियों में गिना जाता है।

एक दशक तक एक्टिंग कोच रहे रचित सिंह को थामा में वीरान के रोल के लिए खूब तारीफ़ों की बौछार

एक दशक तक पर्दे के पीछे एक्टर्स को परफॉर्म करने की ट्रेनिंग देने के बाद, रचित सिंह अब सीधे स्पॉटलाइट में आए और क्या धमाका किया है! एक्टिंग कोच से एक्टर बने रचित सिंह को 'थामा' में वीरान के शक्तिशाली डेब्यू के लिए हर तरफ तारीफ़ें मिल रही हैं, और ये उनके क्रिएटिव सफर का एक प्रेरक नया चैप्टर साबित हो रहा है। थामा' में रचित ने वीरान के किरदार को जीवंत किया है, जो बीटाल संप्रदाय का निष्ठावान भक्त है और 'थामा' यक्षासन की पूजा करता है ये किरदार निभाया है नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने। अपने गुरु के प्रति उसकी अडिग भक्ति उसे टडाका (रश्मिका मंदाना) के साथ टकराव में ले आती है, जो अलोक (आयुष्मान खुराना) को यक्षासन की अंधेरी शक्तियों से बचाने की कोशिश करती है। फिल्म में रचित एक वैम्पायर का रोल भी निभाते है। ऐसा रोल जो शारीरिक रूपांतरण की मांग करता है और रचित ने इसे इतनी सच्चाई और कमिटमेंट के साथ निभाया कि उनका किरदार पूरी तरह जीवंत लग रहा है। अपने डेब्यू के बारे में रचित ने कहा, थामा मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि ये मेरे लिए एक शुरुआत और एक पूरा सर्कल दोनों का प्रतिनिधित्व करता है। सालों तक एक्टर्स को सचमुच एक्ट करने की ट्रेनिंग देने के बाद, कैमरे के सामने आना डरावना और रोमांचक दोनों था।

वीरान ने मुझे उन तरीकों से चुनौती दी जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी – पूरी तरह कहानी को अपने अंदर समर्पित करना और प्रक्रिया पर भरोसा करना। आयुष्मान, रश्मिका और नवाजुद्दीन सर के साथ काम करना सपनों जैसा अनुभव था, और मुझे अपने तरफ आ रहे प्यार और गर्मजोशी के लिए गहरा आभार है। ये डेब्यू ऐसे लगता है जैसे एक सपना आखिरकार अपना मौका पा गया हो।

आदित्य सरपोटदार द्वारा निर्देशित, मैडॉक फिल्म्स की यह हॉरर-कॉमेडी एक ब्लडी लव स्टोरी के रूप में उभरती है, फैंटेसी, रोमांस और ह्यूमर का तड़का लगाते हुए यह दिखाती है आयुष्मान का वैम्पायर में ट्रांसफॉर्मेशन और रश्मिका के किरदार के साथ उसका फॉरबिडन प्यार।

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने रचा इतिहास आखिर कैसे?

भारतीय मनोरंजन जगत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण है। उर्वशी रौतेला ने वह कर दिखाया है जो अब तक किसी भारतीय अभिनेत्री ने हासिल नहीं किया-यूट्यूब पर उनके तीन गाने अलग-अलग तौर पर एक-एक अरब व्यूज़ के क़रीब पहुंच रहे हैं, जो मिलकर लगभग तीन अरब व्यूज़ का अभूतपूर्व आंकड़ा बनाते हैं। इसके साथ ही, वह न सिर्फ़ पहली, बल्कि इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे युवा भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं।

यह जीत केवल संख्याओं की नहीं है-यह उनके वैश्विक प्रभाव, जबरदस्त लोकप्रियता और बेहतरीन स्क्रीन प्रेज़ेंस का प्रमाण है। भारत से लेकर दुनिया के तमाम देशों तक, संगीत प्रेमियों ने उर्वशी के गानों को अपनाया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय एंथम का दर्जा दिया है। हर गाना, जो अपने-अपने स्तर पर एक अरब व्यूज़ के करीब है, यह स्पष्ट करता है कि डिजिटल दुनिया में उनका प्रभाव कितनी तेज़ी से बढ़ रहा है।

इस उपलब्धि की सबसे खास बात है उनकी सफलता की निरंतरता। ये कोई एक-दो बार वायरल होने वाले गाने नहीं हैं-ये वो गाने हैं जिन्हें लोग बार-बार सुनते हैं, सेलिब्रेट करते हैं, नाचते हैं और पीढ़ियों व सीमाओं के पार शेयर करते हैं। ऐसे दौर में, जहाँ डिजिटल मौजूदगी ही प्रभाव को तय करती है, उर्वशी ने खुद को उस मुकाम पर पहुंचाया है जहाँ पहुंचना बहुतों के लिए नामुमकिन होता है।

एक युवा प्रतिभा से अरबों दर्शकों द्वारा देखी जाने वाली ग्लोबल आर्टिस्ट बनने तक का उनका सफर केवल प्रेरणादायक ही नहीं-ऐतिहासिक है। हर नए मुकाम के साथ वह धारणाएँ बदल रही हैं, महिला कलाकारों के लिए नए मानक गढ़ रही हैं और भारतीय टैलेंट को विश्व मंच पर नई ऊँचाइयों तक ले जा रही हैं।

इस ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ जब वह एक नई ऊँचाई पर खड़ी हैं, तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है:

उर्वशी रौतेला सिर्फ़ इस पल का हिस्सा नहीं हैं-वो इस पल को रच रही हैं।

फिल्म जटाधारा से माँ-बेटे के अटूट प्रेम को समर्पित भावनात्मक लोरी गीत जो लाली जो हुआ रिलीज़

सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत और ज़ी स्टूडियोज़ और प्रोड्यूसर प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'जटाधारा' से हाल ही में दिल को छू लेने वाली लोरी जो लाली जो रिलीज़ हुई है, जो कहानी के सबसे भावनात्मक पहलू को उजागर करते हुए माँ-बेटे के शुद्ध, अनकहे और अटूट रिश्ते को दर्शाती है। बेमिसाल सुरों और संवेदनशील दृश्यों के माध्यम से बेहद खूबसूरती से पिरोए इस लोरी की मधुर धुन अंत तक दिल में गूंजती रहती है।

शिविन कश्यप द्वारा लिखे और संगीतबद्ध इस गीत में भावपूर्ण बोल और सुरीली आवाज़ एक माँ के स्नेह, ममता और त्याग को बड़े ही संवेदनशील तरीके से व्यक्त करती है। यह ट्रैक फिल्म के आध्यात्मिक और मानवीय पहलुओं को जोड़ने वाला भावनात्मक धागा है। इस लोरी गीत के बारे में प्रोड्यूसर प्रेरणा अरोड़ा का कहना है, 'जो लाली जो' सिर्फ एक गाना नहीं है, बल्कि यह जटाधारा की धड़कन है। इस गीत के ज़रिए दर्शक एक माँ की दुआ की मासूमियत और बिछड़ने के दर्द को एक ही सांस में महसूस करेंगे। हालांकि मेरे अनुसार यह उन दुर्लभ गीतों में से एक है, जो सोचने से पहले आपको महसूस करा देती है। फिल्म के निर्माता उमेश कुमार बंसल ने कहा, यह गीत जटाधारा की आत्मा को परिभाषित करता है, जो भावना, ऊर्जा और जागृति से भरपूर है। 'जो लाली जो' का हर फ्रेम वह सच्चाई दिखाता है, जिसे हम सभी ने जिया है और जाना है कि माँ का प्यार हमारी पहली लोरी भी है और जीवन भर की ताकत भी है। इनके अलावा अभिनेता सुधीर बाबू ने बताया, 'जो लाली जो' की शूटिंग मेरे लिए बहुत व्यक्तिगत थी। ये गीत मुझे मेरी माँ के साथ, मेरे अपने रिश्ते में वापस ले गया, जहां रिश्ते की पवित्रता, स्थिरता और भावनात्मक गहराई आज भी मौजूद है। सच पूछिए तो इस गाने में एक ऐसी शांति है, जो बिना बोले सब कह जाती है।

इस लोरी गीत में नज़र आ रही वरिष्ठ अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन का कहना है, शूटिंग के दौरान 'जो लाली जो' ने हमें भावनाओं के उस सच्चे एहसास तक पहुंचाया, जहां हर किसी की आंखें नम थीं, फिर चाहे वे कलाकार हों या क्रू के सदस्य। यह ऐसा गीत है जो आपको आपके माता-पिता के अनकहे त्याग, उनकी जागी रातों और उनके असीम प्रेम की याद दिलाता है। इसकी भावना इतनी सच्ची है कि दर्शक इसे बेहद गहराई से महसूस करेंगे।

इसके साथ ही इस लोरी गीत में इंदिरा कृष्णन के साथ नज़र आ रहे अभिनेता रवि प्रकाश ने कहा,यह गीत उन अनकहे त्यागों का प्रतिबिंब है, जो हमारे माता-पिता हर दिन बेहद खामोशी से करते हैं। एक माता-पिता होने के नाते, इसने मुझे मेरी अपनी फैमिली की याद दिला दी। 'जो लाली जो' सिर्फ पैरेंटहुड की कहानी नहीं है, बल्कि हर उस माँ-बाप के निस्वार्थ प्रेम की है, जो अपने बच्चों के लिए जीते हैं। एक रहस्यमयी और भव्य सिनेमैटिक अनुभव से सजी फिल्म 'जटाधारा', पौराणिक कथाओं, विज्ञान और मानवीय भावनाओं को एक यादगार कथा में पिरोता है।

फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ इंदिरा कृष्णन, शिल्पा शिरोडकर, रवि प्रकाश और रोहित पाठक महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। प्रेरणा अरोड़ा (एस के जी एंटरटेनमेंट) और उमेश कुमार बंसल के निर्माण में, ज़ी स्टूडियोज़ के सहयोग से बनी यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगू में पूरे भारत के

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीज़ों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। अगर आप यक़ीन करते हैं कि वक़्त ही पैसा है तो आपको अपनी क्षमताओं को शीर्ष पर पहुँचाने के लिए ज़रूरी क़दम उठाने होंगे। आज आप ऑफ़िस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। शाम के वक़्त सेहत गड़बड़ हो सकती है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप महसूस करेंगे कि आस–पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। आर्थिक समस्याओं ने रचनात्मक सोचने की आपकी क्षमता को बेकार कर दिया है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आज का दिन समझ–बूझ के क़दम उठाने का है, इसलिए तब तक अपने विचार व्यक्त न करें जब तक आप उनकी सफलता के लिए आश्वस्त न हों। आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सेहत बढ़िया रहेगी। केवल एक दिन को नज़र में रखकर जीने की अपनी आदत पर क़ाबू करें और ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त व पैसा मनोरंजन पर ख़र्च न करें। एक मज़ेदार शाम के लिए दोस्त आपको अपने घर पर बुलाएंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। आप बहुत कठिन काम पूरा करने में क़ामयाब रहेंगे। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापार को मजबूती देने के लिए आज आप कोई अहम कदम उठा सकते हैं जिसके लिए आपका कोई करीबी आपकी आर्थिक मदद कर सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। सेमिनार और गोष्ठियों में हिस्सा लेकर आज आप कई नए विचार पा सकते हैं। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, वहाँ आप सबके ध्यान का केन्द्र होंगे। अटके कामों के बावजूद रोमांस और बाहर घूमना–फिरना आपके दिलो–दिमाग़ पर छाया रहेगा। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मानसिक दबाव के बावजूद आपकी सेहत अच्छी रहेगी। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। बच्चे ज़्यादा वक़्त साथ बिताने की मांग करेंगे– लेकिन उनका बर्ताव सहयोगी और समझदारी भरा होगा। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि वैवाहिक जीवन में ठहराव से तंग आकर आपका जीवनसाथी आपके ऊपर फूट पड़े।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अगर आप परिवार के सदस्यों के साथ समय नहीं बिताएंगे, तो आप घर पर समस्याओं की उम्मीद कर सकते हैं। अपने प्रिय की पुरानी बातों को माफ़ करके आप अपनी ज़िंदगी में सुधार ला सकते हैं। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास प्रचुर ऊर्जा होगी– लेकिन काम का बोझ आपकी खीज की वजह बन सकता है। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। कामकाज के सिलसिले में आपके ऊपर ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। किसी की प्यार में क़ामयाबी मिलने की कल्पना को सच कराने में मदद करें। साझीदारी में किसी नई परियोजना को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। इससे सभी को मुनाफ़ा होगा। लेकिन साझीदार से हाथ मिलाने से पहले भली–भांति विचार कर लें। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी अहोरात्र
नक्षत्र : मूल दोपहर 01:28 तक
योग : अतिगंड प्रातः 07:26 तक
करण : कौलव सायं 07:07 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:47 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 05:46 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सूर्य षष्ठी , छठ पूजा , गण्डमूल दोपहर 01:28 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संत नामदेव का जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक : सैनी

चंडीगढ़,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा संतों और महापुरुषों के उपदेशों को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही 'संत–महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत आज हिसार में संत नामदेव जी महाराज राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने संत नामदेव जी को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेम, भक्ति और समानता का प्रतीक है। उन्होंने समाज में व्याप्त भेदभाव, छुआछूत और असमानता को मिटाकर मानवता को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज की मांग के अनुसार प्रदेश में किसी एक सरकारी संस्थान का नाम संत नामदेव जी महाराज के नाम पर रखने की घोषणा की। इसके अलावा, समाज की विभिन्न धर्मशालाओं के रख– रखाव और सोलर पैनल लगवाने के लिए 51 लाख रुपए देने की भी घोषणा की। साथ ही, उन्होंने कहा कि भिवानी, पानीपत और नारनौल में समाज द्वारा जमीन के लिए आवेदन करने पर नियमानुसार भूमि उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इनके अलावा समाज द्वारा दी गई अन्य मांगों को संबंधित विभागों को भेजकर पूरा करवाने का काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव जी हर व्यक्ति में ईश्वर का अंश देखते थे और इसी भाव से उन्होंने समाज में फैली जातिवाद, छुआछूत और असमानता जैसी बुराइयों को मिटाने का काम किया। उन्होंने बताया कि सच्चा धर्म वही है जो मानव को मानव से जोड़े और जो दूसरों के दुःख को अपना दुःख माने। उन्होंने कहा कि संत नामदेव जी का मेहनत, भक्ति और ईमानदारी से जीवन जीने का संदेश हरियाणा की सामाजिक चेतना में भी गहराई से रचा–बसा है। हरियाणा का श्रमिक वर्ग, किसान, कारीगर, दर्जी, लोहार, और हर परिश्रमी समुदाय, संत नामदेव जी की उसी भावना को अपने कर्म में जीता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने सद्भाव, सौहार्द, समान विकास, समरसता और सहिष्णुता के साथ ऐसे परिवर्तन किए हैं, जिनसे आम नागरिक का जीवन अधिक सरल, सुगम और सुरक्षित बना है। आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ती। आज हरियाणा में आम आदमी की आशाएं और आकांक्षाएं साकार हो रही हैं तथा उनके सपनों को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार संतों और महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए समर्पित है। सरकार का पहला और प्रमुख लक्ष्य समाज के सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊपर उठाना है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में 21वीं सदी के विकसित भारत का निर्माण कर रहे हैं, तब संत नामदेव जी की शिक्षाएं हमारे लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जब देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है, तो यह मंत्र भी संत परंपरा से ही प्रेरित है।

उन्होंने कहा कि संत–महात्मा, गुरु और महापुरुष न केवल हमारी अमूल्य धरोहर हैं बल्कि हमारी प्रेरणा भी हैं। ऐसी महान विभूतियों की शिक्षाएं पूरे मानव समाज की धरोहर हैं। उनकी विरासत को सम्भालने व सहेजने की जिम्मेदारी हम सबकी है।इसलिए सरकार द्वारा 'संत–महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य यह है कि नई पीढ़ी उनके जीवन व कार्यों से प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त करे। इस समारोह का आयोजन भी इसी योजना के तहत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महापुरुषों ने जो समानता का संदेश दिया है, उसे साकार करने के लिए सरकार ने अनेक ऐसी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे गरीब से गरीब व्यक्ति का जीवन स्तर ऊंचा उठ सके। राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' के दर्शन पर चलते हुए 'अन्त्योदय' अभियान में उन परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत कर रही है, जो किन्हीं कारणों से पिछड़े रह गए।मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से ओबीसी आयोग ही नहीं था। उस समय की सरकार ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक के लिए इस्तेमाल करती थी, लेकिन उन्हें उनके अधिकार कभी नहीं मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आयोग बना कर ओबीसी वर्ग के लोगों को उनके अधिकार देने का काम किया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने गरीब व्यक्ति का हमेशा शोषण किया है। वोट बैंक की राजनीति ही की है। हरियाणा में वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार ने गरीबों को 100– 100 गज के प्लॉट देने की बात कही थी लेकिन न तो उन्हें प्लॉट का कागज दिया न ही कब्जा दिया। वे लोग दर– दर भटक रहे थे। हमारी सरकार आने के बाद हमने उन लोगों को प्लॉट के कागज़ भी दिए और कब्जा भी दिया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर आय सीमा को 6 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये वार्षिक किया है। शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में पिछड़ा वर्ग (ए) को 8 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है।

हरियाणा के लोगों की सेवा करना ही मेरी प्राथमिकता : राज्यपाल प्रो. घोष

चंडीगढ़,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने अपनी धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ रोहतक जिला के सांपला खंड के गांव खरावड़ स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे हरियाणा के लोगों की सेवा करने के लिए यहां आये हैं। उन्होंने विद्यालय में आवश्यक कार्यों के लिए 5 लाख रुपए की धनराशि देने की घोषणा की।

उन्होंने बच्चों के साथ वार्तालाप करते हुए कहा कि वे कठिन परिश्रम कर पढ़ाई करें और अपने जीवन में उच्च लक्ष्य हासिल करें। उन्होंने कहा कि वे विद्यालय का स्वच्छ प्रांगण एवं बच्चों के लिए बेहतर सुविधाएं देखकर खुश हैं। प्रो. अशीम कुमार घोष ने अपनी धर्मपत्नी मित्रा घोष के साथ विभाग द्वारा हरियाणा निपुण मिशन की उपलब्धियों एवं एफएलएन द्वारा पर लगाये गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में शौचालयों, पुस्तकालय, विज्ञान एवं गणित प्रयोगशाला, मिड–डे–मिल किचन एवं किचन गार्डन का भी अवलोकन किया। उन्होंने मिड–डे–मिल में बनाया हलवा चखा तथा अधिकारियों की खाने की गुणवत्ता के लिए सराहना की।

राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने कहा कि वे अपनी यात्रा के दौरान प्राथमिक विद्यालयों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण अवश्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश खेलों के लिए देशभर में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि हर विद्यालय प्रांगण में खेल का मैदान अवश्य होना चाहिए ताकि बच्चों में खेल के प्रति और ज्यादा रूचि पैदा हो। उन्होंने बच्चों को चोकलेट भी वितरित की। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा विद्यालय प्रांगण में सफाई सुनिश्चित की गई है तथा बच्चों के पढ़ने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

महापुरुषों का जीवन मानव जाति के कल्याण के लिए होता है : बड़ौली

चंडीगढ़,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व रोहिल्ला राजपूत संघ, हरियाणा द्वारा शौर्य सम्राट महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की 822वीं जयंती शनिवार को रोहतक के महम स्थित पंजाबी धर्मशाला में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। बड़ौली ने महाराजा रणवीर सिंह के अदम्य साहस, पराक्रम तथा राष्ट्रसेवा के महान योगदान को याद किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि महापुरुषों का जीवन किसी जाति विशेष के लिए न होकर समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए होता है। महापुरुषों के जीवन से युवा पीढ़ी प्रेरणा को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि महापुरूष एकता और समावेशिता का प्रतीक होते हैं, और उनके संदेशों का पालन करके हम एक मजबूत और एकजुट समाज का निर्माण कर सकते हैं। बड़ौली ने कहा कि महाराजा रणवीर ने हमेशा सनातन धर्म को बढ़ावा देने का काम किया।

बड़ौली ने कहा कि महाराजा रणवीर सिंह ने समाज हित में अनेक कार्य किए, जो हमेशा याद रखे जाएंगे। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार सभी समाजों के महापुरुषों की जयंती राज्य स्तर पर मना रही है और उनका सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि संत, महापुरुष सभी समाजों के होते हैं और सभी समाज के लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। समाज की कुरीतियों को दूर करने में हमारे महापुरुषों का सदैव अतुलनीय योगदान रहा है।

मुख्य अतिथि रामचंद्र जांगड़ा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने विश्व रोहिल्ल राजपूत संघ द्वारा शौर्य सम्राट महाराजा रणवीर सिंह रोहिल्ला की जयंती पर किए गए इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। जांगड़ा ने कहा कि समाजहित में काम करने वाली सामाजिक संस्थाओं को वीरों के सम्मान में ऐसे कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा आयोजित करने चाहिए। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि हरियाणा में नायब सरकार सभी वर्गों की उन्नति के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर विश्व रोहिला राजपूत संघ की अध्यक्ष अनिता रोहिला, कुंवर अजय सिंह, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, भाजपा प्रवक्ता राजबीर रोहिला, अध्यक्ष डॉ राजेश रोहिला, प्रदेश सह सचिव संदीप चिड़ी व महम रोहिला सभा प्रधान मा. कंवर सिंह, पार्षद विनोद गोयल के अलावा अन्य प्रदेशों से आए रोहिला समाज के हजारों लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

मेहन्दीपुर बालाजी थाना पुलिस पर जानलेवा हमला, सरकारी वाहन को टक्कर मारने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

दौसा,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेहन्दीपुर बालाजी थाना पुलिस ने पुलिस पर जानलेवा हमला व सरकारी वाहन के टक्कर मारने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी सुरेश कुमार ने बताया कि 3 अक्टूबर को खेडा पहाडपुर पर सीएनजी पट्रोल पम्प के पास रेस्टोरेन्ट पर झगडा हो रहा था। इस पर एचसी कुलदीपसिंह व पुलिसकर्मी बोलेरो से घटना स्थल पर पहुंचे तो वहां काले रंग की थार खडी मिली। जिसको खोलकर चैक करने की कोशिश की तो एक लडका गाडी मे बैठने लगा। जिसको पकडने का प्रयास किया तो चालक द्वारा पुलिस को जान से मारने की नीयत से गाडी चढाने का प्रयास किया। आरोपी अपनी गाडी को भगा ले गये एवं 5–7 मिनट बाद थार को वापस घुमाकर तेगजति से चलाकर आये और पुलिस को जान से मारने की नीयत से पुनः टक्कर मारने की कोशिश की। सरकारी बोलेरो में पीछे से बार बार टक्कर मारकर गाडी को क्षतिग्रस्त कर भाग गये। थार में सवार बदमाश संजय मीना निवासी लोटवाडा, राहुल मीना निवासी करोडी, डीके मीना निवासी दांतली थे। मुलजिम राहुल मीना करोडी व संजय मीना लोटवाडा को घटना के महज 10 घन्टे के अन्दर पकड़ लिया था। घटना में प्रयुक्त वाहन थार जीप को जब्त किया गया। फरार चल रहे मुलजिम दिलखुश उर्फ डीके पुत्र लखनलाल जाति मीना निवासी दांतली थाना टोडाभीम को भी गिरफ्तार कर लिया।

निजामपुरा गांव में दो मकानों में चोरी सोने–चांदी के जेवरात और नगदी पार

लालसोट,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामगढ़ पचवारा थाना क्षेत्र के निजामपुरा गांव में बीती रात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाया। रामकिशोर मीणा और राजकुमार बैरवा के घर से चोरों ने सोने–चांदी के जेवरात और नगदी पार कर ली।थाना पुलिस ने बताया कि राजकुमार बैरवा के मकान में चोरों ने पीछे की ऊंचाई पर लगी खिड़की को तोड़कर घर में प्रवेश किया। अलमारी और अटैची में रखी चांदी की पायल, कनकती, सोने के टोपिस, मंगलसूत्र, चांदी की अंगूठी, कड़ा और 20,000 रुपए नगद चोरी कर लिए। करीब 400 मीटर दूर रामकिशोर मीणा के मकान में भी चोरों ने इसी तरह से प्रवेश कर सोने–चांदी के आभूषण और नगदी चोरी की। दोनों घटनाओं का पता सुबह लोगों के जागने पर चला।

रामगढ़ पचवारा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और पीड़ितों की शिकायत पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली।

सीएम भजनलाल के नेतृत्व में पारदर्शी शासन की पहल

पन्नाधाय बाल गोपाल योजना में गड़बड़ी पर 5 शिक्षक निलंबित, उच्च स्तरीय जांच समिति गठित

जयपुर,26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार कल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर का संज्ञान लेते हुए संलिप्त कार्मिकों पर कड़ी कार्रवाई की है।

विभाग ने उक्त प्रकरण में प्रारंभिक जांच में दोषी पाए गए शीला बलाई (अध्यापक लेवल–1–राजकीय प्राथमिक विद्यालय, जाटों की ढ़ाणी, भोमिया जी का थान गंगावास, कल्याणपुर), सुरेश कुमार (प्रबोधक–राजकीय प्राथमिक विद्यालय, नागणेसियों की ढ़ाणी, गंगावास, कल्याणपुर), मंगलाराम (वरिष्ठ अध्यापक–राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भारी नगर, बावड़ी, जोधपुर), पप्पाराम गोदारा (व्याख्याता–राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नागाणा फाटा, बालोतरा) और राजेश कुमार मीणा (प्रधानाध्यापक–राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय, भिनयाराम, माण्डवों की ढाणी) को सीसीए (1958) के नियम 13(1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने उक्त प्रकरण की जांच के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय, बीकानेर के अधीन एक तीन सदस्यीय समिति का

गठन भी किया है। यह उच्च स्तरीय जांच समिति दूध पाउडर के दुरुपयोग की खबर में उल्लेखित तथ्यों का सत्यापन करेगी, साक्ष्य एकत्र करेगी और चार दिनों में एक विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इस दौरान यदि किसी अधिकारी या शिक्षक की संलिप्तता की पुष्टि होती है, तो राजस्थान सिविल सेवा (सीसीए) नियम, 1958 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

प्रदेशभर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए सामग्री के किसी भी दुरुपयोग की रोकथाम सुनिश्चित करने के क्रम में स्कूली शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित जिला शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर सत्यापित कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, सभी पीईईओ (पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) और यूसीईईओ (शहरी क्लस्टर प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी) को अपने अधिकार क्षेत्र में किन्हीं दो स्कूलों (कुल लगभग 22,500 स्कूल) का गहन निरीक्षण कर जिला शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश भी जारी किए हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि सभी स्कूलों में स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। भौतिक सत्यापन में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही भी की जाएगी।उल्लेखनीय है कि पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के अंतर्गत प्री–प्राइमरी से लेकर कक्षा–8 तक के छात्रों को उनके पोषण में सुधार के लिए गर्म दूध (स्किम्ड मिल्क पाउडर से तैयार) उपलब्ध कराया जाता है। प्रदेश में लगभग 57 लाख स्कूली बच्चों को यह दूध दिया जा रहा है, जिसपर राज्य सरकार लगभग 722 करोड़ रुपये खर्च करती है।

भाजपा सांसद संजय जायसवाल से 10 करोड़ की रंगदारी, बेटे को जान से मारने की धमकी

बेतिया (एजेंसियां)। बेतिया से एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल को अपराधियों ने फोन कर 10 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की है। इतना ही नहीं, रंगदारी की रकम नहीं देने पर उनके इकलौते बेटे डॉक्टर शिवम जायसवाल की हत्या की धमकी भी दी गई है। इस धमकी से पूरे जिले में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर की रात करीब 12:40 बजे दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से सांसद डॉ. संजय जायसवाल के मोबाइल पर कॉल आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने उनसे 10 करोड़ रुपये की मांग की और कहा कि अगर पैसा नहीं दिया गया, तो उनके बेटे शिवम जायसवाल को जान से मार दिया जाएगा। धमकी मिलते ही सांसद ने तुरंत इस बात की जानकारी पुलिस को दी।

इस घटना के बाद सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने बेतिया नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी। नगर थाना की टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज कर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बेतिया एसपी डॉक्टर शौर्य सुमन ने बताया कि मामले की जांच तेज कर दी गई है। तकनीकी सर्विलांस के जरिए उन मोबाइल नंबरों का पता लगाया जा रहा है, जिनसे धमकी भरे कॉल किए गए थे। एसपी ने कहा कि पुलिस की कई टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। उन्होंने बताया कि सांसद और उनके परिवार की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पूरे बिहार में विधानसभा चुनाव का माहौल गर्म है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है। इसके बावजूद अपराधियों का इस तरह से सत्तारूढ़ दल के सांसद को धमकी देना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। चुनावी समय में इस तरह की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस घटना से सांसद संजय जायसवाल का परिवार गहरी चिंता में है। पुलिस ने साइबर टीम को भी जांच में लगाया है ताकि कॉल करने वाले अपराधियों का लोकेशन और नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एसपी ने कहा कि किसी भी हालत में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने सांसद परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है और उनके निवास के आसपास भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

बेतिया प्रशासन ने सांसद को भरोसा दिलाया है कि अपराधियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। डीएम और एसपी लगातार मामले की निगरानी कर रहे हैं और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

नीतीश कुमार ने की बड़ी कार्रवाई

11 बागी नेताओं को पार्टी से निकाला, प्राथमिक सदस्यता रद्द

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड ने बड़ा और सख्त एक्शन लिया है। नीतीश कुमार ने अपने 11 नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। साथ ही तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित भी कर दिया है।

पार्टी का आरोप है कि इन लोगों ने पार्टी की विचारधारा के खिलाफ जाकर बागी बने हुए थे, इसलिए जदयू ने यह कार्रवाई की है। पार्टी का यह भी आरोप है कि ये सभी नेता जनता दल यूनाइटेड में रहते हुए भी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे, जिसके कारण पार्टी ने इन पर बड़ी कार्रवाई की है।

जेडीयू के प्रदेश महासचिव चंदन कुमार सिंह ने इस निष्कासन का लेटर जारी किया है। जिन प्रमुख नेताओं पर गाज गिरी है, उनमें मुंगेर-जमालपुर के पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, जमुई-चकाई के पूर्व सदस्य विधान परिषद संजय प्रसाद, सीवान-बड़हरिया के पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह, भोजपुर-बड़हरा के पूर्व एमएलसी रणविजय सिंह, शेखपुरा-बरबीघा के पूर्व विधायक सुदर्शन कुमार के अलावा बेगूसराय जिले के साहेबपुर कमाल निवासी अमर कुमार सिंह, वैशाली की डॉ. आसमा परवीन, औरंगाबाद के लव कुमार, कटिहार निवासी आशा सुमन, पूर्वी चंपारण के दिव्यांशु भारद्धाज और सिवान के विवेक शुक्ला शामिल हैं। पार्टी का कहना है कि चुनाव में अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चुनाव प्रचार के दौरान धड़ाम से गिरे अनंत सिंह, कहा–

मंच टूट गया तो क्या? जनता का प्यार मेरे साथ है

पटना (एजेंसियां)। मोकामा विधानसभा सीट पर बाहुबली अनंत सिंह पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इसी दौरान कुछ ऐसा हो गया कि बाहुबली अनंत सिंह एक बार फिर सुर्खियों में आ गए। शनिवार को मोकामा के पूर्वी इलाके में आयोजित अनंत सिंह के जनसंपर्क अभियान के दौरान एक हादसा हो गया।

रामपुर-डूमरा गांव में समर्थकों ने जदयू प्रत्याशी व पूर्व विधायक अनंत सिंह के स्वागत के लिए एक छोटा मंच तैयार किया था। जैसे ही पूर्व विधायक अनंत सिंह मंच पर पहुंचे और ङ्गअनंत सिंह जिंदाबाद के नारों के बीच भाषण शुरू हुआ, अचानक मंच भरभराकर टूट पड़ा। देखते ही देखते अनंत सिंह और उनके समर्थक धड़ाम से नीचे गिर गए। मंच टूटते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। समर्थक भाग-दौड़ करने लगे, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

इधर, मंच टूटने की इस घटना के बावजूद अनंत सिंह वहीं खड़े होकर लोगों का अभिवादन किया और कहा कि जनता का प्यार ही मेरा हौसला है, मंच टूट जाए तो क्या!

उन्होंने लोगों से कहा कि मैं ठीक हूं। अत्यधिक भार होने के कारण मंच टूट गया। यह सब घटना होते रहती है। जनता का आशीर्वाद मेरे साथ है। इसलिए मुझे कुछ नहीं होगा।

बता दें कि विधानसभा चुनाव में मोकामा को हॉट सीट माना जाता है। कारण है मोकामा विधानसभा से अनंत सिंह का चुनाव लड़ना। लेकिन, इस बार खास बात यह है कि अनंत सिंह के सामने पूर्व सांसद और बाहुबली सूरजभान सिंह होंगे। सूरजभान सिंह अपनी पत्नी बीना देवी चुनावी मैदान में उतारा है। राजद के टिकट से वह अपनी पत्नी को चुनाव लड़वा रहे हैं। मोकामा विधानसभा में चुनावी बयार बह चुकी है। दो बाहुबलियों के आमने-सामने आने से मोकामा का सियासी पड़ा गर्म हो चुका है।

चुनाव जीते तो पंचायत प्रतिनिधियों को पेंशन देंगे : तेजस्वी

पटना (एजेंसियां)। आगामी चुनाव को देखते हुए तेजस्वी यादव लगातार घोषणाएं कर रहे हैं। माई-बहिन मान योजना, हर घर नौकरी, जीविका और संविदाकर्मियों को राज्यकर्मी का दर्जा देने के बाद अब तेजस्वी यादव ने छोटे कामगारों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने रविवार सुबह पोलो रोड स्थित आवास पर प्रेस वार्ता की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हमलोग सबलोग आज कुछ घोषणाएं करने आए हैं।

तेजस्वी ने किसी का नुकसान नहीं किया। तेजस्वी से किसी को कोई शिकायत भी नहीं है। जनता ने एनडीए को 20 साल दिया। हमलोग महज 20 महीने का वक्त मांगते हैं। मुझे बिहार की जनता पर पूरा भरोसा है कि इस बार बदलाव भी होगा और महगठबंधन के नेतृत्व में नई सरकार भी बनेगी। आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनते ही त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का मानदेय भत्ता दोगुना होगा। पंचायत और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों को पेंशन देने की शुरुआत की जाएगी। अन्य राज्यों में यह प्रावधान है। इसलिए अब बिहार में भी किया जाएगा। पंचायत और ग्राम कचहरी प्रतिनिधियों का 50 लाख का बीमा करवाया जाएगा। जन वितरण प्रणाली के वितरकों के मानदेय को दिया जाएगा और प्रति क्विंटल मिलने वाली मार्जिन मनी को बढ़ाया जाएगा। अनुकंपा में लागू 58 साल की बाध्यता को लागू करेंगे। साथ ही नाई, बढ़ई, कुम्हार और लोहार समेत मेहनती वर्गों के उत्थान के लिए उन्हें पांच लाख रुपये एकमुश्त की आर्थिक सहायता दी जाएगा। ताकि इससे वह अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव के लिए बेसब्र है। कहीं भी हमलोग जा रहे हैं तो हर जाति, धर्म के लिए भारी संख्या में आ रहे हैं। वह कहते हैं कि वह मौजूदा सरकार से परेशान हैं। लोग बिहार सरकार को बदलना चाहते हैं। 20 साल पुरानी विजनलेस पुरानी खटारा सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम है। अब तो गृह अमित शाह ने मना ही नहीं कर दिया कि बिहार में कहीं भी कारखाना नहीं लग सकता है क्यों कि यहां भूमि की कमी है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी ने गुजरात में कई कारखाना लगवाए। सबकुछ गुजरात में ही दे दिया। बिहार को केवल अंगूठा दिखाने का काम किया है। लोग अब भारतीय जनता पार्टी के चाल और चरित्र को समझ चुके हैं। बिहारवासी अब इस भ्रष्ट सरकार को बदलने के लिए बेसब्र है। बिहार की जनता बदलाव करेगी।

पोस्टर पर भड़के जीतन राम मांझी

नालायक को नायक बताना नायक शब्द का अपमान

पटना (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला।

मांझी ने तेजस्वी को नायक बताए जाने पर आपत्ति जताई और इसे नायक शब्द का अपमान करार दिया। मांझी ने पोस्ट में लिखा कि नालायक को नायक बताना नायक शब्द का अपमान है।

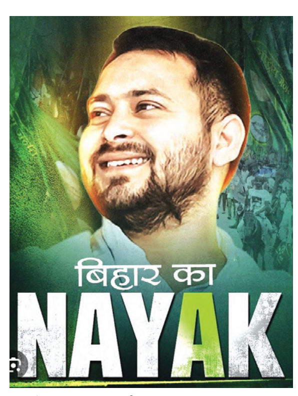

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के पटना स्थित केंद्रीय कार्यालय के बाहर शनिवार को एक बड़ा पोस्टर लगाया गया है, जिसमें पार्टी के नेता तेजस्वी यादव को 'बिहार का नायक' के रूप में बताया गया है। यह पोस्टर महागठबंधन की ओर से तेजस्वी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के ठीक बाद लगाया गया है।

जीतन राम मांझी ने तेजस्वी पर तंज कसते हुए कहा कि सपने देखना अच्छी बात है। लेकिन, तेजस्वी के सपने पूरे नहीं हो सकते हैं क्योंकि बिहार की जनता को विकास पसंद है, बिहार की जनता दोबारा जंगलराज नहीं चाहती है।

उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा। दूसरी ओर चुनावी अभियान ने जोर पकड़ लिया है।

तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर वे मुख्यमंत्री बनते हैं, तो बिहार के लोग भी मुख्यमंत्री बनेंगे। इतना ही नहीं, अपराध और भ्रष्टाचार मुक्त बिहार बनाएंगे। पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई, सुनवाई और कार्रवाई वाली सरकार हम लोगों को बनानी है।

तेजस्वी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़फॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बिहार बदलाव के लिए बेसब्र है। यह नया बिहार बनाने का चुनाव है। दो दशक की इस सरकार ने बिहार की दो पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया है। तेजस्वी ने कभी किसी का कुछ नहीं बिगाड़ा है। तेजस्वी से किसी को कोई शिकायत नहीं। तेजस्वी आपसे एक मौका मांग रहा है। आपने एनडीए को 20 साल दिए, हमें बस 20 महीने दीजिए। मिलकर नया बिहार बनाएंगे और बिहारियों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाएंगे।

केरल में सड़क पर आया हाथी कबाली, 18 घंटे तक हाइवे जाम

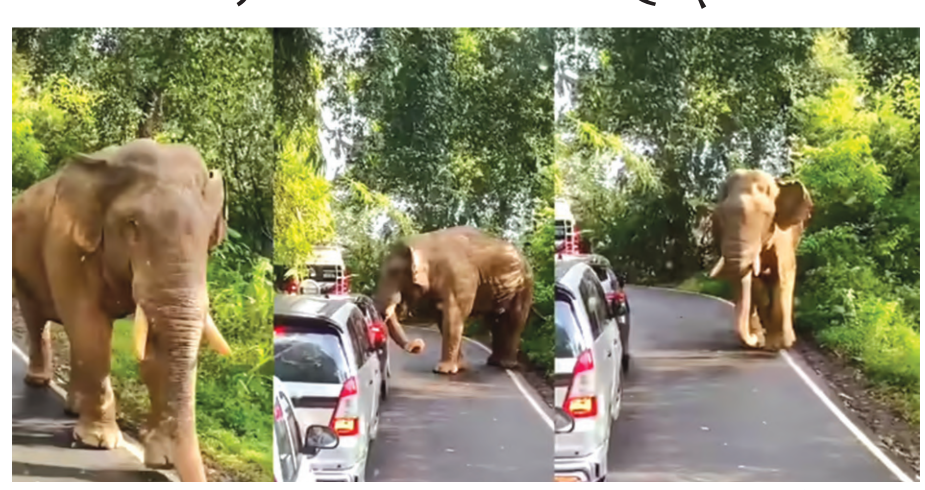

पलक्कड़ (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ जिले में हैरान कर देने वाला मामला हुआ। यहां पर एक जंगली हाथी सड़क पर आ गया। यह वह हाथी है जो पूरे केरल में फेमस है। इसका नाम है कबाली। हाथी के सड़क पर आ जाने के बाद अथिरापिल्ली-मलक्कप्पारा अंतरराज्यीय राजमार्ग पर लगभग 18 घंटे तक यातायात ठप रहा। यह हाथी दोपहर लगभग 3.30 बजे आया और एक ताड़ के पेड़ को गिरा दिया।

हाथी कबाली स्टेट हाइवे के एक संकरे हिस्से के ठीक बीच में खड़ा हो गया, तो यातायात ठप हो गया। एक एसयूवी में सवार लोगों के एक समूह द्वारा उसे जंगलों की ओर भगाने की कोशिश की लेकिन कुछ नहीं हुआ। इस हाथी की कई तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। वह खड़ी गाड़ियों के पास जाकर गाड़ियों के अंदर झांक रहा है। हाथी कबाली ने कई कारों को पलटाने का प्रयास भी किया। वह गाड़ियों के आसपास घूमता रहा और बीच सड़क पर 18 घंटे तक ऐसे ही हलचल मचाता रहा।

अथिरापिल्ली-मलक्कप्पारा अंतरराज्यीय राजमार्ग 86 किलोमीटर लंबा है और केरल के त्रिशूर को तमिलनाडु सीमा से जोड़ता है। यह मार्ग मनोरम है और वर्षावनों से होकर गुजरता है। इस सड़क पर आपको जानवरों के प्रवेश द्वार के बारे में चेतावनी देने वाले कई बोर्ड दिखाई देंगे।

हाथी के हाईवे पर आ जाने की वजह से किनारे खड़ी गाड़ियों की एक लंबी कतार लग गई। कुछ लोग सड़क पर खड़े होकर अपनी स्थिति के बारे में बात करते नज़र आते हैं। दरअसल, यह हाथी यहां के स्थानीय लोगों से परिचित है। इसने हाल ही में इतनी अफरा-तफरी मचाई है कि लोगों ने इसका नाम कबाली रख दिया है। इस हाथी को कबाली नाम रजनीकांत की फिल्म कबाली के नाम पर रखा गया है।

बताया जा रहा है कि वन अधिकारी हाथी को हटाने पहुंचे, उन्होंने उसे जंगल की ओर खदेड़ने की कोशिश की तो वे बाल-बाल बच गए। 33 वर्षीय यह हाथी अपने 'मस्त' काल में माना जाता है। इसलिए अधिकारियों ने आसपास के लोगों से उसके पीछे हटने तक शांति से इंतज़ार करने को कहा।

कबाली का एक कुख्यात रिकॉर्ड है। 2022 में, उसने एक जीप पर हमला किया था, पिछले साल, इस हाथी ने एक एम्बुलेंस को रोक दिया था और एक बाइक सवार को भी घायल कर दिया था। इन सबका हवाला देते हुए, स्थानीय सरकारी निकायों ने कथित तौर पर वन विभाग से इसे किसी दूसरे वन क्षेत्र में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, क्योंकि यह जानवर आने-जाने वालों के लिए लगातार खतरा बन गया है।

केरल के इडुक्की में भूस्खलन से बड़ा हादसा, पति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

इडुक्की (एजेंसियां)। केरल के पहाड़ी जिले इडुक्की में शनिवार रात एक भूस्खलन ने तबाही मचा दी। हादसे में 48 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना अदिमाली के मन्नमकंदम इलाके में हुई, जहां राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-85 के चौड़ीकरण कार्य के दौरान पहाड़ की मिट्टी ढह गई और कम से कम आठ घर जमींदोज हो गए।

मृतक की पहचान लक्ष्मवीडु उन्नाथी के बीजू (48) के रूप में हुई है। उनकी पत्नी संध्या घायल हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, कॉलोनी में कुल 22 घर थे। भूस्खलन का खतरा देखते हुए शनिवार शाम सभी परिवारों को राहत शिविरों में शिफ्ट कर दिया गया था। हालांकि, बीजू और संध्या रात में घर लौट आए ताकि कुछ जरूरी सामान और खाना तैयार कर सकें। अदिमाली ब्लॉक पंचायत सदस्य कृष्णमूर्ति ने बताया कि जब वे घर के अंदर थे, तभी रात करीब 10.30 बजे पहाड़ की मिट्टी खिसक गई और आठ घर पूरी तरह दब गए।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर एंड रेस्क्यू सर्विस को सूचना दी। इसके बाद पांच घंटे तक चला बचाव अभियान चलाया गया। बीजू और संध्या को मलबे से बाहर निकाला गया, लेकिन बीजू ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। कृष्णमूर्ति ने बताया कि संध्या को पहले अदिमाली के अस्पताल में भर्ती किया गया था, बाद में उन्हें अलुवा अस्पताल शिफ्ट किया गया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि एनएच-85 का चौड़ीकरण कार्य असुरक्षित तरीके से किया जा रहा था। एक स्थानीय निवासी सुल्फी ने बताया पहाड़ की मिट्टी को बिना किसी सुरक्षा उपाय के हटाया जा रहा था। अधिकारियों को चेतावनी दी गई थी, लेकिन काम जारी रहा। एक अन्य निवासी अनस (जिसका घर पूरी तरह तबाह हो गया) ने कहा कि उन्होंने सुबह ही पहाड़ी में दरारें देख ली थीं और अधिकारियों को सूचना दी थी।

उन्होंने कहा हमें शाम तक स्कूल कैंप में शिफ्ट कर दिया गया, लेकिन काम बंद नहीं हुआ। अब रहना बेहद खतरनाक है।

परिजनों ने बताया कि बीजू का बेटा पिछले साल गुजर गया था, जबकि उनकी बेटी कोट्टायम में नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है। अदिमाली पुलिस ने इस मामले में असामान्य मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद बीजू का शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com